* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

07 अप्रैल, 2023
वैशाख, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
शुक्रवार, वर्ष 08, अंक 167

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

चेन्नई में झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का निधन, पार्थिव शरीर आज रांची लाया जायेगा

BRN CABS OPC PVT. LTD.

OFFER INTERNATIONAL TOUR VISA

Services for all Countries, Flight ticket & Car Rental

Website : www.brncabs.com | www.brntrips.com

Consult for Franchise.

Rahul Burman

Managing Director

Hehal Pahan Toli, Opposite Hehal Anchal Office, Ranchi-834005
(Jharkhand) brncabservice@gmail.com +916203631526

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 57,200 रु./10 ग्राम
चांदी 76,000 रु./प्रति किलो

असली 'फाइटर' थे जगरनाथ महतो

ढह गया उत्तरी छोटानागपुर में झामुमो का मजबूत स्तंभ : झारखंडी हितों की रक्षा के लिए सब कुछ न्योछावर करने को रहते थे तैयार

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जो कुछ कहा है, उससे साफ पता चलता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए जगरनाथ महतो का क्या मतलब था। 2019 में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद जब जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था, तब बहुत से लोगों ने उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर सवाल उठाये थे और कहा था कि महज 10वीं पास नेता शिक्षा मंत्रालय का कामकाज कैसे देख सकेगा। लेकिन अपने चर्चित नाम 'टाइगर' और 'फाइटर' के अनुरूप झामुमो का यह कद्दावर नेता न केवल अपने मंत्रालय में, बल्कि पूरी झारखंड सरकार का सबसे असरदार मंत्री कहलाने लगा। पारा टीचरों की समस्या हो या सेविका-सहायिकाओं का मुद्दा, जगरनाथ महतो हमेशा सीएम के लिए संकट मोचक बने रहे। जब-जब झारखंडी हितों की बात हुई, 1932 के खतियान का मुद्दा उठा या कुड़मी को एसटी का दर्जा देने की बात हुई, जगरनाथ महतो अगली पंक्ति के योद्धाओं में नजर आये। यही कारण था कि उन्हें उत्तरी छोटानागपुर में विनोद बिहारी महतो और टेकलाल महतो के बाद झामुमो का सबसे बड़ा नेता कहा जाता था। निर्मल महतो और सांसद सुनील महतो की हत्या और सुधीर महतो के असामयिक निधन के बाद से झामुमो का कुड़मी जनाधार घट रहा था, लेकिन उस जनाधार को अकेले जगरनाथ महतो ने संभालने में बहुत बड़ी भूमिका निभायी। इसलिए उन्हें शिबू सोरेने अपना चौथा बेटा कहते थे और झामुमो में उन्हें 'दादा' कह कर संबोधित किया जाता था। जगरनाथ महतो सचमुच एक 'फाइटर' थे, जिनका निधन झारखंड के लिए और खास कर झामुमो के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। जगरनाथ महतो के जीवन के कुछ पहलुओं के साथ उनके निधन से झामुमो को हुए राजनीतिक नुकसान का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

अक्टूबर 2022 में जब शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो को बेहतर इलाज के लिए चेन्नई ले जाया गया था और उनकी हालत में सुधार की खबर नहीं आ रही थी, तब झारखंड के गांवों-कस्बों में पारा टीचरों ने उनके स्वस्थ होने के लिए यज्ञ, हवन-पूजन और प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया था। झारखंड ही नहीं, देश के इतिहास में यह शायद पहला मौका था, जब सरकार के साथ अपनी मांगों को लेकर लड़ाई लड़ रहा वर्ग एक मंत्री की बीमारी से इतना बेचैन हो गया था। जगरनाथ महतो थे ही ऐसे कि उनके साथ एक बार मिलनेवाला भी उनका मुरीद हो जाता था, क्योंकि वह सीधा-सपाट बोलते थे और साफगोई उनके जीवन में भी अक्सर सामने आती थी। वह अपने सिद्धांतों के लिए किसी से भी भिड़ जाते थे और हमेशा संघर्ष का यही स्वभाव उन्हें 'फाइटर' बनाता था। जगरनाथ महतो के व्यक्तित्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके निधन की खबर मिलने के बाद झारखंड की नौकरशाही में भी शोक पसर गया। किसी राजनीतिक हस्ती के निधन पर आम तौर पर नौकरशाही इस तरह विचलित नहीं होती, लेकिन जगरनाथ महतो की बात ही कुछ और थी।

झामुमो में सबसे बड़ा कुड़मी चेहरा

जगरनाथ महतो केवल एक नेता या विधायक नहीं थे। वह सही अर्थों में जन नेता थे। झामुमो के भीतर उनका कद कितना बड़ा था, इसका एहसास अक्सर होता रहता था। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन उन्हें अपना चौथा बेटा और सीएम हेमंत सोरेन उन्हें अपना बड़ा भाई कहते थे। निर्मल महतो और सांसद सुनील महतो की हत्या और विनोद बिहारी महतो, टेकलाल महतो और सुधीर महतो के असामयिक निधन के बाद झामुमो के भीतर कुड़मी नेताओं की कमी को जगरनाथ महतो ने ही पूरा किया था। पिछले कुछ वर्षों में झामुमो का कुड़मी जनाधार कम हो रहा था, जिसे जगरनाथ महतो ने अकेले दम पर बहुत हद तक संभाला था।

झारखंडी हितों और 1932 के सबसे बड़े अगुआ

11 नवंबर 2022 को झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर 1932 खतियान के आधार पर स्थानीय नीति को पारित किया गया था और उसके सबसे बड़े अगुआ जगरनाथ महतो रहे थे। दरअसल, स्थानीयता के मुद्दे पर हमेशा से मुखर रहनेवाले जगरनाथ महतो ने कैबिनेट में अपनी एक अलग पहचान बनायी थी। झारखंड के मुद्दों को लेकर वह अपनी बात बेबाकी से रखते थे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी जब कैबिनेट और विधानसभा से 1932 को पास कराया था, तो इसका श्रेय जगरनाथ महतो को दिया था। इससे पहले कई मंचों से जगरनाथ महतो ने कहा था कि झारखंडियों को झारखंड में हक नहीं मिलेगा, तो कहां मिलेगा। उन्होंने कहा था कि 1932 का खतियान झारखंड विधानसभा से पास होकर रहेगा। इसे पारित होने से कोई नहीं रोक पायेगा। इतना ही नहीं, झारखंड में 1932 का खतियान लागू होकर भी रहेगा। इसे लेकर वह इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने पहले ही '1932 का खतियान हम झारखंडियों की यही पहचान' लिखी चादर छपवा ली थी। जब विधानसभा में 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति का प्रस्ताव पारित हुआ, तब उन्होंने यही चादर दिशोम गुरु शिबू सोरेन को ओढ़ायी थी।

समता के बाद झामुमो का हाथ थामा और कभी नहीं छोड़ा

जगरनाथ महतो के बारे में मशहूर है कि वह विनोद बिहारी महतो के लाड़ले थे। झारखंड आंदोलन के दौरान कई बार उन पर पुलिसिया कार्रवाई हुई। दर्जन भर केस उनके नाम दर्ज हुए। उन्हें करीब 10 बार जेल की हवा भी खानी पड़ी। विनोद बिहारी के निधन के बाद जब राज किशोर महतो गिरिडीह से सांसद बने, तो जगरनाथ ने उनका दामन थामा। दोनों ने मिल कर झारखंड आंदोलन में प्रमुखता से हिस्सा लिया। राजनीति का ककहरा सीखने के बाद पहली बार जगरनाथ महतो ने 2000 में समता पार्टी के टिकट पर डुमरी से विधानसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गये। इसके बाद जगरनाथ महतो तेजी से शिबू सोरेन के नजदीक आये और उनके साथ हो लिये। उसके बाद से जगरनाथ महतो ने शिबू सोरेन का साथ साये की तरह दिया। उन्होंने 2005, 2009, 2014 और 2019 में विधानसभा का चुनाव जीता। वह दो बार लोकसभा का चुनाव भी लड़े, लेकिन सफल नहीं हो सके।

स्कूल फीस जमा करने के लिए लाइन में खड़े रहे

जगरनाथ महतो अपने विधानसभा क्षेत्र के अलावा पूरे राज्य में इतने लोकप्रिय थे कि लोग उन्हें बेधड़क अपनी बात कह देते थे। झारखंड की जनता उन्हें किसी विधायक या किसी पार्टी के नेता के रूप में नहीं देखती थी। कोरोना काल में वह अपनी नाती की स्कूल फीस जमा करने के लिए बोकारो के निजी स्कूल में लाइन में खड़े रहे, जबकि उस समय भी वह शिक्षा मंत्री थे। उनका व्यवहार ऐसा था कि सभी उनसे जुड़ जाते थे। उनकी पंचायती व्यवस्था ऐसी कि उनके क्षेत्र की ज्यादातर समस्या पुलिस के पास जाने से पहले ही उनकी पंचायत में समाधान के लिए चली आती। हमेशा न्याय पसंद जगरनाथ किसी भी विवाद में दोनों पक्षों की सुनते और पूरी तसल्ली होने के बाद ही अपना फैसला पंचों के फैसले को आधार पर सुनाते। ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं, जिसमें जगरनाथ महतो ने गलती करनेवाले को आंख दिखायी और जरूरत पड़ने पर डांट-फटकार भी लगायी। कार्यकर्ता किसी भी पार्टी का हो, उन्हें हमेशा अपनी ही पार्टी का समझता था। दिन हो या रात, वह सभी के लिए हर वक्त सुलभ रहा करते थे।

53 साल की उम्र में फिर से शुरू की पढ़ाई

झारखंड के शिक्षा मंत्री के रूप में पद संभालते ही जगरनाथ महतो आलोचनाओं से घिर गये। लोगों ने कहा कि 10वीं पास को कैसे शिक्षा मंत्री बना दिया गया है। ऐसे में उन्होंने एक उदाहरण पेश करते हुए 53 साल की उम्र में अपनी पढ़ाई फिर से शुरू की। साल 1995 में मैट्रिक की परीक्षा देने के बाद लगभग 25 सालों बाद 10 अगस्त 2020 को बोकारो के नावाडीह स्थित देवी महतो इंटर कॉलेज में 11वीं कक्षा में दाखिला लिया और आगे की पढ़ाई पूरी करने का मन बनाया। उन्होंने 12वीं की परीक्षा भी दी, लेकिन सफल नहीं हुए। 2020- 21 का शैक्षणिक सत्र पूरा होने के साथ झारखंड एकेडमिक काउंसिल की ओर से इंटरमीडिएट रिजल्ट प्रकाशन के दौरान वह जुलाई 2021 के अंतिम सप्ताह में जैक कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर जिंदा रहा, तो अगले साल इंटरमीडिएट की परीक्षा भी दूंगा और पास भी जरूर करूंगा।

कोयलांचल का 'टाइगर' अब नहीं रहा

सुबोध सिंह पवार

अपनी मौत को कई बार पटकनी देने के बाद झारखंड सरकार के मंत्री और डुमरी क्षेत्र से चौथी बार के विधायक जगरनाथ महतो अंततः दुनिया से विदा हो गये। वह अपने जीवन से लेकर सामाजिक और राजनीतिक संघर्षों की लंबी विरासत को छोड़ स्वर्णिम इतिहास का अब अध्याय बन चुके हैं। जब जिंदा थे, तब उनके जीवन का हर लम्हा झारखंडी समाज की बेहतरी के लिए समर्पित रहा। तभी उन्होंने एक व्यक्ति से व्यक्तित्व होने के सफर को पूरा किया।

विनोद बाबू से प्रेरित हुए

1980 के दशक में झारखंड आंदोलन अपने नये उभार के साथ पूरे आवेग में था। तब मार्क्सवादी समन्वय समिति के नेता स्व एके रॉय से प्रभावित आंदोलन के प्रणेता स्व विनोद बिहारी महतो ने आंदोलन को वैचारिक पृष्ठभूमि पर खड़ा कर लाल- हरा मैत्री को एक मुकाम तक पहुंचाया था। लाल-हरा मैत्री के समवेत स्वर झारखंड आंदोलन के क्रम में होनेवाली सभाओं में गूंजने लगे। उस समय सवमेत स्वर उभरा कि झारखंड अलग राज्य की लड़ाई भौगोलिक सीमाओं के निर्माण के साथ शोषण मुक्त झारखंड के लिए लालखंड की लड़ाई को तेज करना होगा। जगरनाथ महतो विनोद बाबू के इसी आह्वान से खुद को आंदोलन से जोड़ने को प्रेरित हुए। जैसे को तैसे से निपटने की उग्रता ने जगरनाथ जी को आंदोलन के चर्चित चेहरों की कतार में खड़ा कर दिया।

1991 के कोयला मजदूरों के ऐतिहासिक आंदोलन का नेतृत्व किया

जगरनाथ महतो के राजनीतिक जीवन का टर्निंग प्वाइंट 1990 बना। जब गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र से सांसद के रूप में विनोद बिहारी महतो निर्वाचित हुए। तब जगरनाथ महतो ने ढोरी प्रक्षेत्र के संवेदनशील पदों पर वर्षों से काबिज वर्चस्ववादियों के हैंडलरों के तबादले की मांग को लेकर कल्याणी वर्कशॉप में सांसद को अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने के लिए राजी करवा लिया। जब धरने की शुरूआत हुई, तो जगरनाथ जी के साथ पांच हजार ग्रामीण शामिल हुए। लगातार दो दिनों तक प्रक्षेत्र की उत्पादन प्रक्रिया ठप रही। अंततः दरभंगा हाउस से चलकर कार्मिक निदेशक धरनास्थल पहुंचे और सांसद से सूची लेकर सभी को बेरमो क्षेत्र से बाहर भेज दिया। इससे इंटक के वर्चस्व को बड़ा झटका लगा। संघर्ष दूर तक जाता कि इसके पहले ही सांसद बनने के मात्र एक वर्ष बाद 1991 में विनोद बाबू गुजर गये।

जब प्रतिकार की आवाज बने

1980 के दशक तक जगरनाथ महतो सीसीएल के ढोरी प्रक्षेत्र की कल्याणी- तारमी परियोजना के कोयले के लोकल सेल में लदाई मजदूर के रूप में सक्रिय थे। तब यहां वर्चस्ववादियों के आतंक का झंडा बुलंद था। चेहरे कई थे। स्व केपी सिंह, स्व सीडी सिंह, स्व सुरेश सिंह, स्व बजरंगी सिंह जैसों के नाम का खौफ था। इसी क्रम में जगरनाथ महतो जब अपने गांव नावाडीह प्रखंड के अलरागो के सिमराकुल्ही टोले से निकल कर रोजी कमाने तारमी के लदाई मजदूरों की कतार में शामिल हुए, तो इन्होंने लूट और लुच्चई को देखा ही नहीं, बल्कि भुगता भी। उस लूट और लुच्चई ने युवा जगरनाथ को अंदर से इस कदर उद्वेलित किया कि बुझी राख से चिंगारी की तरह सुलगते हुए वर्चस्ववादियों के आगे नित्य नयी चुनौतियों को खड़ा करने लगे।

टाइगर का उपनाम मिला

यह विदित है कि तब सीसीएल सहित सार्वजनिक उपक्रम की परियोजनाएं वर्चस्ववादियों की दुधारू गाय थीं। जगरनाथ महतो के गांव के करीब ढोरी प्रक्षेत्र की तारमी- कल्याणी परियोजना से लेकर भंडारीदह के भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेड का कारखाना था। वर्चस्व के खिलाफ इन्होंने संघर्ष की अपनी यात्रा का प्रस्थान बिंदु दोनों परियोजनाओं को बनाया। बागी तेवर के होने के कारण जैसे को तैसा की रणनीति पर आगे बढ़ने लगे। तब वर्चस्ववादी अपनी आदत से मजबूर हर छोटी बड़ी बात पर हवा में बंदूकें लहरा कर अपनी दबंगता का खुला इजहार करते थे। जगरनाथ महतो ने इसके प्रतिकार में झारखंड कमांडो फोर्स का गठन कर वर्दी में बंदूक लिये आंदोलन की सभाओं में दिखना शुरू किया। इसी क्रम में सुरेश सिंह के कारीपानी के घर पर सैकड़ों लोगों के साथ गोलीबारी करने और सुबह टहलने के वक्त बीआरएल के तत्कालीन प्रोजेक्ट हेड श्री सुल्तानिया पर बम प्रहार जैसी घटनाओं से जुड़ कर अपने नाम का परचम लहरा दिया। पुलिस की नजर पर चढ़ कर भी बेखौफ बने रहे। इनके इसी तेवर को देखते हुए लोगों ने टाइगर का उपनाम दिया।

स्मृति शेष

सीसीए के तहत जेल गये, बचाव में आगे आये पत्रकार हरिनारायण सिंह

कोयला माफिया के खिलाफ जगरनाथ महतो के संघर्ष की चर्चा पूरे झारखंड में फैल चुकी थी। झामुमो कार्यकर्ताओं को शायद इस बात की जानकारी न हो कि उस समय चंद्रपुरा के थाना प्रभारी आरएन सिंह राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में आकर लंबे अंतराल के बाद थाना के स्टेशन डायरी में दर्ज 13 मामले को एक ही दिन दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए जगरनाथ महतो को क्राइम कंट्रोल एक्ट के तहत जेल भेजने में कामयाब हो गये। तब रांची के दैनिक प्रभात खबर के तत्कालीन स्थानीय संपादक थे हरिनारायण सिंह। उन्होंने निजाम की इस कार्रवाई को न्यायसंगत न मानते हुए सच की पड़ताल कर वास्तविक तथ्यों को उजागर करने का मन बनाया। मेरा सौभाग्य है कि सभी मुकदमों से जुड़े संदर्भों को उजागर करने का दायित्व उन्होंने मुझे सौंपा। लगातार 19 दिनों तक अखबार के पहले पन्ने पर खबर छापते रहे। जगरनाथ महतो के वकील ने खबरों की सभी कतरनों की फाइल बना कर बहस के टेबल पर अन्य दलीलों के साथ रखा। नतीजा जगरनाथ महतो अपराध नियंत्रण अधिनियम से मुक्त होकर जेल से बाहर आ गये। जेल से निकलने के बाद जगरनाथ महतो हरिनारायण सिंह से मिलने रांची गये थे।

पहला चुनाव समता पार्टी से लड़े, हारे

वर्ष 1991 में स्व विनोद बाबू के गुजरने के बाद भी जगरनाथ महतो उनके परिवार की निष्ठा से बंधे रहे। उप चुनाव में विनोद बिहारी महतो के पुत्र राजकिशोर महतो झामुमो के प्रत्याशी बन कर चुनाव जीते। 1995 के चुनाव में पराजित होने के बाद राजकिशोर महतो समता पार्टी में शामिल हो गये। इनके साथ जगरनाथ महतो भी समता की राजनीति का हिस्सा बन गये। एकीकृत बिहार का अंतिम विधानसभा का चुनाव समता पार्टी से लड़ कर जगरनाथ महतो तीसरे नंबर पर रहे। पराजित होने के बाद उन्होंने राजकिशोर महतो के साथ की अपनी राजनीतिक यात्रा अलग कर झामुमो में लौटने का मन बना लिया। कहते हैं, जहां चाह, वहीं राह बनती है।

संथाल के जामताड़ा के एक पुराने मुकदमे में झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन जेल चले गये। तब उन्हें जामताड़ा के डाकबंगले को अस्थायी जेल बना कर रखा गया था। जगरनाथ जी के लिए उनसे मिलने का सुनहरा अवसर था। उनसे मिलने जगरनाथ महतो झाममो नेत्री प्रतिमा गुप्ता, गौरीशंकर महतो, जदो महतो, डुमरी के सुंदर लाल के अलावा इस पंक्ति के लेखक सुबोध सिंह पवार को लेकर जामताड़ा अस्थायी जेल पहुंच गये। गुरु जी के पास जगरनाथ जी चुप थे। बाकी सभी ने गुरुजी से जगरनाथ जी को आशीर्वाद देने का आग्रह किया। गुरुजी ने एक बड़ी सभा में एकतरफा झामुमो में शामिल होने की घोषणा करने का निर्देश दिया। लौटते ही जगरनाथ महतो ने डुमरी में एक बड़ी रैली की। मंच से झामुमो में शामिल होने की घोषणा कर दी। इसके परिणाम अच्छे आये।

झारखंड का पहला विधानसभा चुनाव मतों के बड़े अंतराल से तब के दिग्गज नेता लालचंद महतो को पराजित कर जीत गये। इसके बाद वह लगातार सभी चुनाव जीतते रहे।

दारोगा की मौत के कारण के आरोप में जेल गये

झारखंड सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में स्थानीय नीति बनाने की मांग को लेकर झामुमो ने झारखंड बंद का आह्वान किया था। सरकार के निर्देश पर प्रशासन का तेवर सख्त था। बंद की पूर्व संध्या पर नावाडीह में जगरनाथ के नेतृत्व में मशाल जुलूस की तैयारी की गयी थी। जुलूस आगे बढ़ा ही था कि नावाडीह के तत्कालीन थाना प्रभारी रामचंद्र राम ने जुलूस को आगे बढ़ने से रोक दिया। संयोग ऐसा हुआ कि तत्कालीन विधायक और थाना प्रभारी जलते मशाल पकड़े कार्यकर्ताओं से घिर गये। थाना प्रभारी धुएं की जद में होने के कारण बेहोश होकर गिर पड़े। बाद में उनका निधन हो गया। इस मामले में आरोपित होने के बाद जगरनाथ महतो तेनुघाट जेल में तीन महीने तक बंद रहे। बाद में वह इस मामले में बरी हुए।

www.epaper.azadsipahi.in

07 अप्रैल, 2023
वैशाख, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शुक्रवार, वर्ष 08, अंक 167

केंद्र ने सीबीआइ को ऑक्सफैम की जांच करने को कहा

अलविदा 'टाइगर': शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का निधन

■ चेन्नई में चल रहा था इलाज ■ लंग्स में इंफेक्शन की थी शिकायत ■ पार्थिव शरीर आज रांची लाया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का गुरुवार को निधन हो गया। वह 56 साल के थे। चेन्नई के अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें कोरोना के समय 2020 में लंग्स इंफेक्शन हुआ था। इंफेक्शन इतना बढ़ गया था कि उनके फेफड़े का ट्रांसप्लांट करना पड़ा था। वह ठीक होकर चेन्नई से वापस लौटे थे, लेकिन बीच-बीच में तबीयत खराब हो रही थी। हाल में पिछले महीने बजट सत्र के दौरान तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें सीएम हेमंत सोरेन ने चेन्नई इलाज के लिए भिजवाया था। गुरुवार की सुबह उनके निधन की खबर आयी। उनके निधन पर राज्य में दो दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया है।

टाइगर की तरह दो साल से लड़ रहे थे : जगरनाथ महतो बीमारी से दो साल से टाइगर की तरह लड़ रहे थे। वह कोरोना की पहली लहर में संक्रमित हुए थे। 28 सितंबर 2020 को उनके कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। उन्हें रांची में ही रिम्स के कोविड सेंटर में भर्ती कराया गया। सांस लेने में ज्यादा तकलीफ होने के बाद बेहतर इलाज के लिए 1 अक्टूबर को रांची के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। वहां 20 दिनों तक उनका इलाज चला। इस दौरान चेन्नई के चिकित्सकों से रायशुमारी के बाद 19 अक्टूबर को उन्हें एयर एंबुलेंस के जरिये रांची से चेन्नई एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो लंग्स ट्रांसप्लांट करने का निर्णय लिया गया। महतो का 10 नवंबर को मेडिकल टीम द्वारा ऑपरेशन कर लंग्स ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। लंग्स ट्रांसप्लांट के बाद वह करीब आठ महीने के बाद झारखंड वापस आये थे। इसके बाद 28 अगस्त 2021 को एक बार फिर तबीयत खराब हुई। तब भी वह स्थानीय स्तर पर इलाज के बाद चेन्नई गये। वहां से कुछ दिन बाद ठीक होकर लौट आये। वह लगातार चेन्नई के डॉक्टरों के संपर्क में थे। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की बजट सत्र के दौरान 14 मार्च को फिर से तबीयत बिगड़ गयी। पहले रांची के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन सहित सभी प्रकार की जांच हुई, जिसमें लंग्स में माइल्ड इंफेक्शन के संकेत मिले थे। वहां से बेहतर इलाज के लिए चेन्नई रेफर किया गया। शिक्षा मंत्री को विशेष विमान से चेन्नई भेजा गया। तब से उनका चेन्नई के अस्पताल में इलाज चल रहा था।

सुबह 6.30 बजे ली अंतिम सांस : चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में डॉक्टरों की टीम शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के इलाज में लगी हुई थी। उनकी सेहत में बहुत अधिक सुधार नहीं हो रहा था। आखिरकार, गुरुवार की सुबह 6.30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली।

आज लाया जायेगा पार्थिव शरीर : जगरनाथ महतो गिरिडीह के डुमरी से झामुमो के विधायक थे। उनका पार्थिव शरीर शुक्रवार सुबह चेन्नई से रांची लाया जायेगा। सुबह 7.30 बजे विधानसभा और रांची के हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर को रखा जायेगा। इसके बाद बोकारो स्थित उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार होगा। दोपहर एक बजे उनकी अंतिम यात्रा गांव अलारगो से भंडारीदह (दामोदर घाट) तक होगी।

दो दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा : राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर दो दिनों का राजकीय शोक की घोषणा की है। छह से सात अप्रैल को राजकीय शोक रहेगा। इस दौरान सभी भवनों, जहां नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, उन पर ध्वज आधा झुका रहेगा। किसी भी प्रकार का राजकीय समारोह नहीं होगा।

दी गयी श्रद्धांजलि : 'टाइगर' के निधन पर राज्य में शोक की लहर दौड़ गयी है। राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। राज्य सरकार ने शोक व्यक्त करते हुए गुरुवार को सभी सरकारी कार्यालयों को बंद रखा। विधानसभा, सचिवालय, सरकारी कार्यालय, स्कूलों समेत तमाम जगहों पर अधिकारियों और कर्मियों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

नेताओं ने शोक व्यक्त किया

जगरनाथ महतो जी के निधन का समाचार अत्यन्त दुखद और पीड़ादायक: सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल

जगरनाथ महतो का निधन झामुमो के लिए अपूरणीय क्षति: शिबू सोरेन, झामुमो प्रमुख

व्यक्तिगत रूप से उनकी जीवटता का मैं सदैव प्रशंसक रहा हूं: बाबूलाल मरांडी, नेता, भाजपा विधाक दल

जगरनाथ महतो एक अपराजेय योद्धा थे: रविंद्र नाथ महतो, स्पीकर

झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी: अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री

अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते रहे: संजय सेठ, सांसद

सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति: अविनाश पांडेय, प्रदेश प्रभारी कांग्रेस

झारखंड की राजनीति में अपूरणीय क्षति : सुदेश महतो, आजसू प्रमुख

नियति को भी 'टाइगर' होने का ऐहसास कराया

हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री सह कार्यकारी अध्यक्ष झामुमो

आज सुबह जब राजनीतिक योद्धा और संघर्ष के प्रतीक जगरनाथ दा के निधन की खबर मिली, तो मैं नि:शब्द होने के साथ मर्माहत हो उठा। जगरनाथ दा इस सरकार में मंत्री के साथ-साथ मेरे बड़े भाई और एक ऐसे अभिभावक की भूमिका में थे, जो गलतियां होने पर डांट भी लगा देते थे और कभी पीठ भी थपथपा देते थे। टाइगर के नाम से मशहूर जगरनाथ दा ने अपने संघर्ष, कर्तव्य निष्ठा, सादगी, और विचारों की स्पष्टता के कारण अपनी खास और अलग पहचान बनायी। निर्धारित लक्ष्य हर हाल में हासिल करने की उनकी जिद से मैंने बहुत कुछ सीखा। कई बार विषम परिस्थितियों में उनकी सलाह, विचार और हौसला आफजाई ने हिम्मत दी और लड़ने का जज्बा दिया। जगरनाथ दा को यूं ही टाइगर नहीं कहा जाता था। कोरोना काल में गंभीर रूप से ग्रसित होने के बावजूद उन्होंने नियति से लंबी लड़ाई लड़ी और जीत कर अपने टाइगर होने को चरितार्थ कर दिखाया। आखिरकार हुआ वही, जो नियति को मंजूर था। जगरनाथ दा जैसे व्यक्तित्व की कमी की भरपाई करना संभव नहीं है। उनकी कमी जीवन भर खलेगी। उनकी शिक्षा, उनका मार्गदर्शन और उनका आशीर्वाद मुझे आगे का रास्ता दिखायेगा। जगरनाथ दा ने अपने मंत्रित्व काल के दौरान शिक्षा विभाग में कुछ ऐसे निर्णय लिये, जिसे झारखंड हरदम याद रखेगा। अलग झारखंड के मुखर योद्धा जगरनाथ दा की सोच और उनके संकल्पों को पूरा कर उसे साकार करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हमारी सरकार औरझारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार उनके सोच और विचार को साकार करने के प्रति तब तक संकल्पित रहेगी, जब तक उसे हासिल नहीं कर लिया जाता। अपने बड़े भाई दुर्गा सोरेन जी के निधन के वक्त जिस शून्यता का एहसास हुआ था, उसी शून्यता का एहसास आज हो रहा है। ईश्वर अपने श्री चरणों में दिवंगत आत्मा को स्थान दें और उनके परिवार और समर्थकों को इस दु:ख में खुद को संभालने का साहस और सामर्थ्य दें, यही प्रार्थना है। जगरनाथ दा अमर रहेंगे, क्योंकि उनके विचार, सिद्धांत और मार्गदर्शन हमारी सरकार और हमारी पार्टी को सदैव दिशा दिखाते रहेंगे।

जगरनाथ दा दिल में थे दिल में रहेंगे। हम कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते रहेंगे।। आपका संघर्ष बेकार नहीं जायेगा। हर हाल में सोच साकार होगा।।

कांग्रेसी नेता एके एंटनी के बेटे अनिल भाजपा में शामिल

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। भाजपा के स्थापना दिवस समारोह पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी भाजपा में शामिल हो गये हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। अपने बेटे अनिल एंटोनी के भाजपा में शामिल होने पर एके एंटनी ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अनिल के भाजपा में शामिल होने के फैसले ने मुझे आहत किया है। यह बहुत ही गलत फैसला है। भारत का आधार एकता और धार्मिक सद्भाव है।

गुमला में बरामद पांच बैग से निकले 6.53 करोड़ रुपये

- सोना व्यापारी के यहां से उड़ाये गये थे रुपये
- दिल्ली में लूटकांड का गुमला में हुआ खुलासा

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पुलिस अधीक्षक डॉ एहतेशाम वकारिब ने गुरुवार की शाम प्रेस कांफ्रेंस कर गुप्ता बस से बरामद पांच बैग से मिली राशि और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पुलिस ने दिल्ली से लूटे गये करोड़ों रुपये लूटकांड का उद्भेदन कर दिया। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी राउरकेला निवासी मोहम्मद फरीद को जेल भेज दिया गया। बैग से करीब 6.53 करोड़ रुपये बरामद हुए।

एसपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात करीब 2:00 बजे गुप्ता नामक बस से पैसे से भरे पांच बैग के साथ एक संदिग्ध को हिरासत में लिया था। संदिग्ध के द्वारा बताया गया कि सभी बैग में पैसे हैं। अधिक पैसा होने के कारण पूरे मामले की सूचना आयकर विभाग के अधिकारियों को दी गयी। बुधवार की शाम करीब 3:00 बजे इनकम टैक्स के अधिकारी गुमला पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की।

नोटों की गिनती में लगायी गयी पांच मशीनें : नोटों की गिनती में पांच मशीनें लगायी गयीं। इन पांच मशीनों के माध्यम से नोटों की गिनती आरंभ की गयी और करीब छह घंटे नोटों की गिनती करने के बाद पूरे कैश की जानकारी मिली। नोटों की गिनती के मुताबिक पांच बैग से कुल 6 करोड़ 53 लाख 97 हजार 730 रुपये बरामद हुए हैं। साथ ही सोने जैसा दिखनेवाला एक चेन, तीन अंगूठी और एक मोबाइल भी बरामद हुआ है।

तीन दोस्तों ने मिल कर दिया था घटना को अंजाम : एसपी ने बताया कि हिरासत में लिये गये फरीद ने पूछताछ के दौरान बताया कि तीन दोस्तों ने मिल कर लूटकांड की योजना बनायी थी। दिल्ली के करोल बाग स्थित सोना व्यापारी शक्ति जैन के आवास से पैसे उड़ाये गये थे। इस घटना को अंजाम देने में फरीद के साथी विशाल मंडल और मोहम्मद कैफ ने मिल कर पैसे गायब किये थे। ये सभी पैसा लूट कर दिल्ली से राउरकेला के लिए निकले। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मंगलवार की रात कई जगह पर चेक पोस्ट लगाया गया। चंदाली स्थित गुमला पॉलिटेक्निक और पुलिस लाइन के बीच चेकनाका लगा कर कई बसों की चेकिंग की गयी। लगभग दो बजे गुप्ता नामक यात्री बस से पांच बैग के साथ संदिग्ध को हिरासत में लिया गया, जिसमें चार बड़े बैग और एक छोटा बैग शमिल था। पुलिस के आने की भनक मिलने से पहले फरीद के दो अन्य साथी विशाल मंडल और मोहम्मद कैफ पहले ही बस से उतर कर फरार हो गये।

एसपी ने इडी को कार्रवाई के लिए लिखा

एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मोटी रकम होने के कारण इनकम टैक्स के अधिकारियों द्वारा पैसे का मिलान किया गया। इसके बाद पूरे मामले की सूचना प्रवर्तन निदेशालय (इडी) को दी गयी है, जो आगे कार्रवाई करेगी। फिलहाल बरामद पैसे को सील किया गया है और पुलिस आगे कार्रवाई कर रही है। एसपी ने कहा कि न्यायालय के आदेश के अनुसार पैसे से भरे बैग को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जायेगा।

भाजपा हनुमानजी के 'कैन डू' एटीट्यूड की तरह काम करती है, सबकी मदद करती है: नरेंद्र मोदी

- भाजपा ने अपना 44वां स्थापना दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भाजपा हनुमानजी के 'कैन डू' एटीट्यूड की तरह काम करती है और सबकी मदद करने की कोशिश भी करती है। प्रधानमंत्री गुरुवार को नयी दिल्ली में भाजपा के स्थापाना दिवस में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। भाजपा का 43 साल पहले 6 अप्रैल 1980 को गठन हुआ था। प्रधानमंत्री ने जनसंघ और आज की भाजपा की बात की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता अति आत्मविश्वास में ना रहें। लोगों से जुड़ें। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों पर निशाना साधाते हुए कहा कि ये दल भाजपा के काम को पचा नहीं पा रहे हैं। ये हताश लोग कह रहे हैं कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी।

पार्टी और सरकार की चर्चा की : मोदी ने कहा कि आज तक जिन महान लोगों ने पार्टी को संवारा है, समृद्ध और सशक्त किया है, उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को शीश झुका कर प्रणाम करता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा हनुमानजी से प्रेरणा लेती है। हनुमानजी सब कुछ कर सकते हैं, सबके लिए करते हैं, लेकिन अपने लिए कुछ नहीं करते। यही भाजपा की प्रेरणा है। एक और प्रेरणा है। जब हनुमानजी को राक्षसों का सामना करना पड़ा, तो वह कठोर हो गये।

जब भ्रष्टाचार, परिवारवाद, कानून-व्यवस्था की बात आती है, तो भाजपा उतनी ही संकल्पबद्ध हो जाती है मां भारती को मुक्त कराने के लिए। उन्होंने कहा कि कौन सो काज कठिन जग माही, जो नहिं होइ तात तुम पाहीं। ऐसा कोई भी काम नहीं है, जो हनुमानजी नहीं कर सकते। लक्ष्मण पर संकट आया, तो हनुमान संजीवनी पर्वत ले आये। भाजपा भी लोगों की समस्या हल करने के लिए ऐसा प्रयास करती रही है, करती रहेगी। राम काज किन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम।

विपक्ष पर साधा निशाना : प्रधानमंत्री ने कहा कि जब हमारा मजाक उड़ा कर सफल नहीं हुए, तो बादशाही मानसिकता वाले लोगों की नफरत और बढ़ गयी। दशकों से हिंसा झेल रहे कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट में शांति का सूरज उगेगा, ये उन्होंने सोचा नहीं था। आर्टिकल 370 इतिहास हो जायेगा, ये उन्होंने कल्पना नहीं की थी। जो काम दशकों तक नहीं हुए, वे भाजपा कैसे कर रही है, वह इन्हें पच नहीं रहा है।

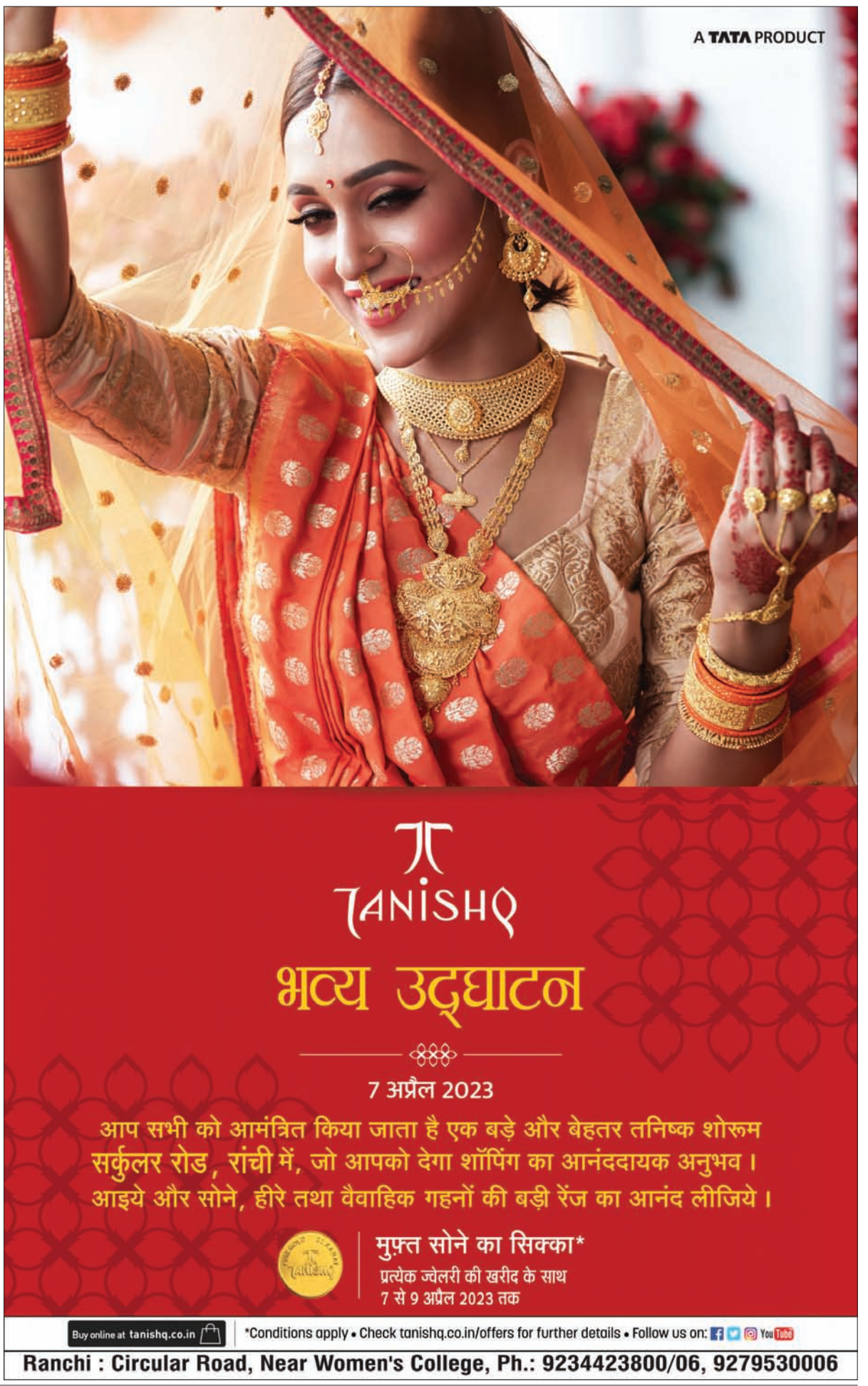

जगरनाथ महतो के निधन पर झारखंड में दो दिनों का राजकीय शोक, चहुंओर शोक व्याप्त

सरकारी कार्यालयों में दो दिवसीय शोक रखने का आदेश हुआ जारी

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग, के मंत्री जगरनाथ महतो के असामयिक निधन पर राज्य सरकार ने सम्मान में 6 अप्रैल से 7 अप्रैल तक दो दिवसीय राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया है। उक्त अवधि में उन सभी भवनों, जहाँ नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराये जाते हैं, पर राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे एवं किसी भी प्रकार के राजकीय समारोह का आयोजन नहीं किया जायेगा। राज्य सरकार द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि राज्य सरकार के सभी कार्यालय 6 अप्रैल को बन्द रहेंगे। राज्य सरकार के राजकीय शोक के निर्णय के आलोक में जिला समाहरणालय के सभी अधिकारीयों व कर्मियों ने शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा। साथ ही निदेर्शानुसार जिले के सभी सरकारी कार्यालयों को बंद करने के निर्देश दिए गए।

प्रखंडकर्मियों ने शोक व्यक्त किया

केरेडारी (आजाद सिपाही)। झारखण्ड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता व उत्पाद एवं मध निषेध मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों व प्रखण्ड के तमाम जनप्रतिनिधियों ने शोक व्यक्त किया है शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन की सुचना जैसे ही मिली प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में कार्यरत कर्मी हत्प्रद रह गऐ सभी ने खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कामना किया व शोक व्यक्त किया है। वहीं क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों व शिक्षकों ने भी इनके निधन पर शोक व्यक्त किया है विदित हो की शिक्षा मंत्री का निधन शुक्रवार की सुबह चेन्नई के एम् जी एम् अस्पताल में हो गया था।

शिक्षा मंत्री के निधन पर स्कूलों में हुई शोक सभा

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। झारखंड के शिक्षा मंत्री के निधन बड़कागांव प्रखंड विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में शोक सभा आयोजित की गई। बी.एम. मेमोरियल स्कूल में निर्देशक संदीप कुशवाहा के अध्यक्षता में,आदर्श मध्य विद्यालय में शिक्षक चेतलालराम की अध्यक्षता में,मॉडर्न पब्लिक स्कूल में प्राचार्य मोहम्मद इब्राहिम की अध्यक्षता में शोक सभा आयोजित की गयी। इसके अलावा बीएम मेमोरियल में प्राचार्य कैलाश कुमार, शिक्षा चेयरमैन रंजीत कुमार ,उप प्राचार्य पूनम कुमारी, पिंटू कुशवाहा,आनन्द राज, अमीन अंसारी, मुकेश कुमार, सोनू कुमार ,विनोद रजक ,उमेश कुमार, दिलेश्वर कुमार ,महेंद्र कुमार, मनीषा कुमारी ,अरिका टोप्पो, भारतीय कुमारी, मोनसिकता राणा, सरिता बा, विकास ठाकुर, दुर्गा देवी, संजू देवी सहित सैकड़ों विद्यार्थियों के अलावा आदर्श मध्य विद्यालय में शिक्षक विनोद रजक, बिना साहू, हेमेंद्र कुमार ,नीलू कुमारी, मुनेश कुमार राम, कमलेश श्रीवास्तव ,देवेंद्र कुमार, तुलसी कुमार, रवि कुमार ,राजू कुमार ,कार्तिक सोनी, समेत अन्य लोग शोक सभा में शामिल होकर शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो की आत्मा की शांति के लिए मौन धारण किया।

शिक्षा मंत्री के निधन पर शोक की लहर, हुई शोक सभा

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। लंबे समय से बीमार चल रहे सूबे के शिक्षा, मद्य निषेध मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन की खबर आते ही प्रखंड क्षेत्र में चौक -चौराहों पर उनके सन्नाटा सा पसर गया। सभी सरकारी विद्यालयों और दफ्तरों में शोक सभा की गई । शोक सभा के बाद अवकाश की घोषणा की गई। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में सीओ सह बीडीओ शाइनी तिग्गा के नेतृत्व में शोक सभा किया गया। जिसमें उन्होंने कहा कि मंत्री जी सरल एवं सौम्य स्वभाव के व्यक्तित्व के धनी थे,लम्बे समय से वे बीमार चल रहे थे। उनके निधन की खबर पर हमलोग को गहरा आघात लगा है। प्रखंड कार्यालय परिसर में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना किया गया। उसके बाद अवकाश की घोषणा की गई। इस मौके पर सुधीर राय,मो अफरोज,मनीष चंद्र, शशांक भूषण,श्याम कुमार, विजय कुमार, नवनीत कुमार, मुस्लिम, संतोष राम,दीपक कुमार,अरुण रवि,अर्जुन प्रसाद समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

जगरनाथ महतो की मृत्यु झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति: डॉ आरसी मेहता

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड के कद्दावर नेता और सुबे के शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो की अचानक हुई मृत्यु पर प्रमंडलीय कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि झारखंड आंदोलन से लेकर शिक्षा मंत्री तक का सफर तय करने वाले अभिभावक स्वरूप जगरनाथ महतो के निधन से झारखंड और झारखंड की राजनीति को अपूरणीय क्षति हुई है। जगन्नाथ महतो जैसा नेता विरले ही होते है। उन्होंने अपने जीवन काल में जनता और गरीब गुरुओं के लिए सत्ता या विपक्ष में सभी के लिए हमेशा आवाज बुलंद करने का काम किया। उनकी जगह का भरपाई नहीं किया जा सकता है।

शिक्षा मंत्री के निधन पर प्रखंड कार्यालय में दो मिनट का मौन

चरही (आजाद सिपाही)। चुरचू प्रखंड कार्यालय में झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन होने के कारण प्रखंड कार्यालय में उनकी आत्मा के शांति हेतु 2 मिनट का मौन धारण किया गया। इस क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी इनदर कुमार प्रखंड के प्रधान सहायक सुनील कुमार, प्रखंड नाजीर खुर्शीद आलम, अंचल अधिकारी का प्रधान सहायक दिनेश उपाध्याय, अनूप कुमार रवी दिपक कुमार, मनोज गिरी, मुकेश कुमार, व्यास मुनि गोप, रिता कुमारी सहित दर्जनों प्रखंड सह अंचल के कर्मी लोगों ने शामिल हुआ।

भारतीय जनता पार्टी ने अपना स्थापना दिवस विभिन्न शक्ति केंद्रों में मनाया

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी का 44 वां स्थापना दिवस बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल के मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो के निर्देशन में विभिन्न बुथों, शक्ति केंद्रों में मनाया गया। जिसमें भाजपा कार्यकताओं ने पार्टी के प्रमुख संस्थापकों पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर स्थापना दिवस मनाया। जिसमें बादम शक्ति केंद्र में सांसद प्रतिनिधि श्रीकांत निराला, भागिरथ ठाकुर, प्रेम लाल महतो, ताकेश्वर साव, दामोदर महतो, नयांटांड शक्ति केंद्र में पूर्वी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, दिनेश कुमार, मुरली महतो, उमेश राम, अनुज कुमार, रंजीत कुमार, तलसवार शक्ति केंद्र में मंडल कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी के नेतृत्व में एवं नापो पंचायत में पूर्वी उरीमारी मंडल के उपाध्यक्ष अशोक साव के नेतृत्व एवं हीरालाल साव के संचालन में मनाया गया। मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है कुछ राज्यों को छोड़कर लगभग सभी राज्य में भाजपा के मुख्यमंत्री हैं आने वाले दिनों में जहां बाकी है वहां भी सरकार बनेगी। मंडल उपाध्यक्ष अशोक साव ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को पार्टी के स्थापना की गई थी जो आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह सबसे बड़ी बात है, सबसे खास बात यह है कि भाजपा के शासनकाल में गरीब किसानों को कई योजनाओं का लाभ दिया गया है जिस से प्रभावित होकर लोग पार्टी से जुड़ते जा रहे हैं। मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि बेचन साव, उपाध्यक्ष किशोर राणा, मंत्री विनोद महतो, हीरालाल साव, विकास साव, गणेश यादव, अनिल साव, सुमित्रा देवी समेत दर्जन लोग उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव पूर्व ट्रिपल टेस्ट कराने के फैसले का राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ने किया स्वागत

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। पंचायत चुनाव के पूर्व से ही ओबीसी के आरक्षण को लेकर राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा ट्रिपल टेस्ट कराने को लेकर हमेशा झारखंड सरकार पर दबाव बना रखा था, जिस पर सरकार ने सकारात्मक पहल करते हुए नगर निकाय पूर्व ट्रिपल टेस्ट कराने का निर्णय लिया। सरकार के इस फैसले का राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष जीतेश्वर मेहता उर्फ बिरजू मेहता ने स्वागत करते हुए सरकार को बधाई दी है। साथ ही साथ मोर्चा सरकार से माँग करती है कि झारखंड सरकार भी बिहार की तरह अपने राज्य में ओबीसी की जाति जनगणना कराये तथा पिछड़ा राज्य आयोग की अनुशंसा को अति शिघ्र लागू किया जाय, जिसमें आयोग ने पिछड़ों के लिए 50% आरक्षण देने को कहा है।

विद्यालय में दारू, गांजा और सिगरेट का हो रहा सेवन

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उचित नारायण उच्च विद्यालय झरपो जहां विद्या मंदिर है विद्या अध्यन करने छात्र छात्रायें आते है। उसी विद्यालय के प्रांगण में कुछ असमाजिक तत्वों के लोग विद्यालय के बरामदा में रात के समय में दारू, गंजा, सिगरेट और जुवा का अड्डा बना दिया है और दारू पीकर बोतल वही छोड़ देता है। आखिर कौन है जो ए सभी लोग जो कार्य करने के लिए विद्यालय को ही चुना है विद्यालय के शिक्षक छोटन कुमार ने कहा कि जब विद्यालय पहुंचे तो देखा की दारू का सीसी पड़ा हुआ था, विद्यालय के अगल बगल दारू की दुकानें है इसी कारण विद्यालय में रात का फायदा उठाकर कुछ असमाजिक तत्वों के लोग ऐसा काम करते है। हमलोग भी ऐसे लोगो को चिन्हित करने में लगे हुए है। इसकी सूचना टाटीझरिया और दारू थाना को दे दिया गया है।

मुखिया ने मृतक के आश्रित को आर्थिक मदद के साथ बेटी की पढ़ाई और शादी का लिया जिम्मा, ग्रामीणों ने की सराहना

दारू/हजारीबाग (आजाद सिपाही)। पुनाई पंचायत के मुखिया अनिल कुमार देव अपनी बेबाक छवि और हमेशा लोगों की मदद करने के लिए जाने जाते है। मुखिया हरपल अपने पंचायत के लोगों के सुख दुख में शामिल रहते है। पंचायत के जरगा में सरजू पासवान (40 वर्ष) की मौत बीमारी के कारण हो गई थी जिनके ब्रह्म भोज में मुखिया और अजीत कुमार शामिल हुए। मृतक की दो बेटी है जिनमे एक कि शादी हो चुकी है जबकि दूसरी बेटी अभी बारहवीं की पढ़ाई कर रही है। मुखिया ने तत्काल मृतक की पत्नी रीना देवी को पांच हजार एक सौ रुपैये की आर्थिक सहायता देते हुए मृतक की छोटी बेटी की पढ़ाई और विवाह का सारा खर्च उठाने का वादा किया। प्रखंड के पूर्व सांसद प्रतिनिधि सह सामजसेवी अजीत कुमार ने भी अपने तरफ से पांच हजार एक सौ रुपैये का सहयोग पीड़ित परिवार को किया मुखिया की इस पहल का पुनाई पंचायत के साथ साथ पूरे प्रखंडवासी सराहना कर रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि मुखिया अनिल और सामजसेवी अजीत ने परिवार की आर्थिक मदद के साथ बिटिया की पढ़ाई और विवाह की जिम्मरवारी लेकर बहुत ही नेक कार्य किया है जिसे करने में अच्छे अच्छे लोगो के पसीने छूट जाते है। इस मौके पर पूर्व सांसद प्रतिनिधि सह सामजसेवी अजित कुमार उप मुखिया प्रदीप यादव सहित कई लोग शामिल थे।

राज इंटरनेशनल स्कूल का स्थापना दिवस मनाया गया

कोडरमा (आजाद सिपाही)। गुरुवार को कोडरमा स्थित राज इंटरनेशनल स्कूल का स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के संरक्षक रामलखन सिंह, प्रबंध निदेशिका सम्पा सिंह एवं निदेशक सिद्धार्थ सिंह ने सम्मिलित रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस सुअवसर पर विद्यालय के वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। संरक्षक श्री सिंह ने सभी बच्चों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को सफलता की शुभकामना दी और निरंतर इसी प्रकार आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में एके लाल (सीइओ), अर्चना, शिवानी, इकबाल, के के पाठक, इंदू, श्रुति, अंकिता, दलजीत कौर (मातृ शिक्षिका), चायोनिका, अनिता, योग प्रशिक्षक शरद अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद थे।

लाइफ लाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत स्वास्थ्य कार्यक्रम जारी

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन कोडरमा व इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के सौजन्य से पिपराडीह रेलवे स्टेशन में 230वां लाइफ लाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिले के विभिन्न प्रखंडों से भारी संख्या में ग्रामीण आकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा रहे हैं। बुधवार को कुल 625 मरीजों का निबंधन कराया गया था, जिसमें 602 मरीज ने आंख की समस्या से निबंधन कराया और 23 स्त्री रोग से संबंधित मामले थे। आंख से संबंधित 262 मरीजों के बीच चश्मा का वितरण किया गया। 608 मरीजों का शुगर और बीपी की जांच की गई। साथ ही आंख की समस्या से संबंधित ईलाज करवाने आये मरीजों में 74 मरीजों का मोतियाबिंद की समस्या से पहचान की गई। जिसमें से 39 मरीजों का सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। सभी मरीजों स्वास्थ्य है, और चिकित्सकों व नर्सों की निगरानी में देखभाल की जा रही है। बता दें कि आंख की जांच एवं मोतियाबिंद की सर्जरी दिनांक 5 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, कान की जांच और कान की सर्जरी दिनांक 12 अप्रैल से दिनांक 16 अप्रैल तक, मुड़े हुए पैर का परिक्षण एवं सर्जरी दिनांक 18 अप्रैल से दिनांक 20 अप्रैल तक, स्तन औ? ग्रीवा कैंसर जागरुकता एवं परिक्षण दिनांक 05 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, दांत की जांच एवं उपचार दिनांक 20 अप्रैल से 25 अप्रैल तक औ? बी.पी व शुगर की जांच दिनांक 5 अप्रैल से 25 अप्रैल तक किया जायेगा। उपरोक्त स्वास्थ्य जांच हेतु ओ.पी.डी का समय पूर्वाह्न 9 बजे से अपराह्न 4 बजे तक निर्धारित है। किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने हेतु हेल्पलाइन नं. 9820303974 पर संपर्क किया जा सकता है।

मुखिया ने एसडीओ से मिल कर बिजली की समस्याओं से कराया अवगत

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी मुखिया सह मुखिया संघ जिला उपाध्यक्ष रीता देवी ने अपने पंचायत की बिजली समस्याओं को लेकर बिजली विभाग के एसडीओ सौरव लिंडा से मुलाकात की। मुखिया ने एसडीओ से बताया कि हमारे पंचायत में ग्यारह हजार तार की स्थिति काफी जर्जर हो गई है। जिसके चलते कोई बड़ा दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि अभी पंचायत में सिर्फ दो फेज ही तार काम कर रहा है। उन्होंने एसडीओ से आग्रह किया है कि जर्जर तारों को बरसात से पहले बदल कर तीन फेज तार लगाने का काम करें ताकि हमारे यहां बिजली की समस्या समाप्त हो सके।

हनुमान जी का जन्मोत्सव पूरे विधि विधान और भक्ति भाव से मनाया

बिष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। गुरुवार को प्रखंड के हॉस्पिटल चौक स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में प्रभु श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी का जन्मोत्सव पूरे विधि विधान एवं भक्ति भाव से मनाया गया। हनुमान जन्मोत्सव पर संकट मोचन मंदिर कमेटी के द्वारा सामूहिक सस्वर सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन भी किया गया।इस दौरान हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया गया। साय 4:00 बजे से लेकर 108 सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ का वृहद आयोजन किया गया साथ ही भक्तों द्वारा छप्पन भोग एवं सवामणी भोग भी लगाया गया साथ ही लोगों के बीच प्रसाद के रूप में लड्डू का वितरण किया गया तत्पश्चात संध्या में णमोकार जाप किया गया और भगवान की आरती उतारी गई साथ ही भक्तों के लिए भंडारा में खिचड़ी की व्यवस्था किया गया। इस मौके पर उमेश पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए हम लोग अपने बच्चों को हिंदू धर्म के प्रति जागरूकता पैदा कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि रात्रि में भक्तों के लिए बिष्णुगढ़ बोलियागंज, नवादा,बक्सपुरा, हॉस्पिटल चौक कीर्तन मंडली द्वारा भजन प्रवाह प्रस्तुत सुमधुर भजनों की अविरल गंगा प्रवाहित की जाएगी साथ ही रात्रि में महाआरती के साथ हनुमान महोत्सव का समापन होगा।इस मौके पर मुख्य रूप से उमेश पांडेय, उमेश मिश्रा,अयोध्या स्वर्णकार रंजीत पांडेय, महेश, टार्जन, सुमित, मनोज लखन लाल आदि लोग मौजूद थे।

बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव को लेकर क्षत्रिय समाज की बैठक, संजय सिंह बने अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। दीनानाथ सिंह कंपाउंड स्थित विवेक विला में गुरुवार को क्षत्रिय समाज झुमरीतिलैया इकाई की बैठक सम्पन्न हुई। इमसें बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव आगामी 23 अप्रैल को धूम-धाम से मनाने को लेकर निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के पूर्व अध्यक्ष विशाल सिंह उर्फ नीलू ने वहीं संचालन राहुल सिंह ने किया। बैठक के दौरान बाबू वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव समिति के अध्यक्ष संजय सिंह को सर्वसम्मति से बनाया गया। मौके पर नवचयनित अध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर भव्य तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा के साथ शहर में पारंपरिक तरीके से जुलूस निकाला जाएगा। साथ ही समाजसेवा से जुड़े कार्य भी किये जायेंगे। जुलूस बाबू वीर कुंवर सिंह प्रतिमा स्थल से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए महाराणा प्रताप चौक पहुंचकर समाप्त होगा। जुलूस में समाज के बुद्धिजीवी व शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप रमेश सिंह, उमेश सिंह, अविन्दर सिंह, कृष्णा सिंह, देवसिंगार सिंह, नरेंद्र सिंह, अरुण सिंह, धर्मेंद्र सिंह, शिशिर सिंह, शम्भू शरण सिंह, शैलेन्द्र सिंह, रितेश राजपूत, क्रांति सिंह, गौरव सिंह, बीट्टू सिंह, रजनीश सिंह, शिव सिंह, राकेश राजपूत, क्रांति सिंह, श्याम सिंह, लखन सिंह, चंदन सिंह, सोनू सिंह, बिट्टू सिंह, रजनीश सिंह, अंकित सिंह, विनय सिंह, विशाल सिंह, विपुल सिंह पीयूष सिंह सहित कई अन्य लोग शामिल थे।

बेडमक्का में कुआं धंसने से चार मजदूर मलबे में दबे, एक की मौत, तीन घायल

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड के खैरा पंचायत अंतर्गत बेडमक्का गांव में निमार्णाधीन कूप के धंसने से चार मजदूर मलबे में दब गये। इनमें से एक मजदूर महाबीर महतो (50 वर्ष) पिता गिद्धा महतो की मौत कुएं के अंदर मिट्टी में दबने के कारण हो गयी। स्थानीय लोगों की सहायता से देर शाम मृतक मजदूर का शव और कुआं के अंदर दबे मजदूरों को बाहर निकाला जा सका। घटना बुधवार देर शाम की है। मृतक का शव गुरूवार को पोस्टमार्टम के बाद लाया गया और अंतिम संस्कार किया गया। बेडमक्का के बलुआबाद खेत में प्रताप सिंह के कूप की खुदाई किया जा रहा था। मृतक मजदूर बेडमक्का गांव का ही है, घायल मजदूर त्रिभुवन महतो, चरकू पासवान और रामचंद्र महतो भी इसी गांव के निवासी हैं। कुल 7 लोग काम में लगे हुए थे। इनमें से चार मजदूर कुएं के अंदर मिट्टी खुदाई का काम कर रहे थे, बाकी तीन मजदूर ऊपर से कुंडी के माध्यम से मिट्टी को बाहर निकाल रहे थे। इसी बीच कुएं के ऊपरी हिस्सा से मिट्टी का बड़ा भाग कुएं के अंदर भरभरा कर गिर गया। जिसमें महाबीर महतो बुरी तरह से दब गये। काफी प्रयास के बाद स्थानीय लोगों की सहायता से मिट्टी में दबे मजदूर को बाहर निकाला जा सका। एक मजदूर का पैर टूट गया है, जिसकी ईलाज हजारीबाग अस्पताल में हो रहा है, शेष दो को मामूली चोटें लगी है। इस बाबत थाना में मामला दर्ज करने की तैयारी चल रही है। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ था।

आंदोलनकारी जगरनाथ महतो का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति : रोशनलाल

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी जिला प्रधान कार्यालय में गुरुवार को शिक्षा मंत्री स्वर्गीय जगरनाथ महतो को पूरे आजसू पार्टी की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रोशनलाल चौधरी ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी जगरनाथ महतो का निधन पूरे राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है।वे एक महान आंदोलनकारी जुझारू कर्मठ नेता थे और डुमरी विधानसभा क्षेत्र से लगातार 4 बार विधायक बनकर विधानसभा में अपना कार्यकाल पूरा किया। चेन्नई में इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। जिसे पूरी झारखंड राज्य भुला नहीं पाएगा । इस दुख की घड़ी में पूरा आजसू परिवार शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है। श्रद्धांजलि सभा में आजसू पार्टी केंद्रीय सदस्य लाल बिहारी महतो, जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, अनुज तिवारी, रीना शाह, गायत्री देवी, कुलदीप वर्मा, पंकज वर्णवाल, राजेश महतो, नीतीश निराला, रोहित सोनी, अमरदीप राम, इंदरजीत राम, जैकी राम, संजय महतो, पवन करमाली, रिंकू करमाली, अंकित अग्रवाल, पंकज दांगी, विक्कू यादव, लालू शर्मा, प्रभात अग्रवाल, अजय महतो, बबलू मोदी, अनिल श्रीवास्तव, सुजीत सिंह, नीतीश दांगी, आनंद कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, नीरज मंडल, अमित कुमार, नीतीश कुमार, राहुल कुमार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

सांकूल में खुला दिल्ली पब्लिक स्कूल

पतरातु (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड के सांकुल ग्राम के बाल्मीकि नगर में दिल्ली पब्लिक स्कूल मे गुरुवार से पठान पठान का कार्य आरंभ हुआ। नये सत्र के पहले दिन पूजा अर्चना के बाद पठान पठान की शुरूआत हुई। स्कूल के प्रधानाचार्य कुंदन भट्टराई ने बताया कि स्कूल शिक्षा संस्कृति एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा चलाया जा रहा है जिसमें सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त है। नये सत्र के लिए कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 6 तक पठन पाठ का कार्य शुरूआत की गई है। जिसमें छोटे बच्चे के लिए स्पेशल केयर टेकर आदि उपलब्ध है। यहां छोटे बच्चों को इनडोर स्पोर्ट्स जैसे डांस सिंगिंग ड्राइंग चैस चैंपियनशिप की तैयारी भी कराया जाता है। विद्यालय में बच्चों के लिए स्पेशल इंग्लिश स्पोकन क्लास के लिए अलग से सुविधा की गई है। अभिभावकों के लिए मेन रोड स्थित डीपीएस स्कूल का ऑफिस में नए सत्र के लिए नामांकन जारी है। उन्होंने बताया कि पतरातू मे शिक्षा के क्षेत्र में विकास के लिए हम अधिक से अधिक बच्चों तक शिक्षा को प्रदान करवाना चाहते हैं।

पतरातू डीजल शेड में लगी आग, मची अफरा-तफरी

पतरातु (आजाद सिपाही)। पतरातू रेलवे अंतर्गत डीजल लोकोमोटिव शेड के अंदर असिस्टेंट मटेरियल मैनेजर के कार्यालय के पास गुरुवार की दोपहर को अचानक आग लग गई। इसे वहां काम कर रहे कर्मचारियों में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। आग लगने के संबंध में बताया गया कि उस स्थान पर 1 लोको जो स्क्रैप हो गया था उसकी कटिंग की जा रही थी। गैस कटर से कटिंग होने के कारण उसकी चिंगारी आस पास ही रख रही थी। इसी दौरान एक चिंगारी पास ही में तेल से भरे खुले टैंक में चला गया और इससे आग लग गई। आनन-फानन में फायर बॉल एवं फायर एक्सटिंग्विशर के माध्यम से आग पर काबू पाया गया। सूचना मिलने पर पीवीयूएनएल एवं जेएसपीएल से फायर फाइटिंग की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। परंतु इसके पूर्व भी आग पर काबू पाया जा चुका था। आग लगने की सूचना मिलते ही शेड में रेलवे के डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर अमित कुमार, डीएमइ अनुराग कुमार, असिस्टेंट मैकेनिकल इंजीनियर कैरिज एंड वैगन अनिल कुमार दास, एएमई डीजल शशि भूषण सिन्हा, पतरातू सीओ शिवशंकर पांडे, आरपीएफ इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, पतरातू थाना प्रभारी गौतम कुमार सहित यूनियन नेता अजीत कुमार, एसके श्रीवास्तव, ओमकार चौधरी, सुशील सांगा सहित अधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी मौके पर जुट गये थे।

सांसद जयंत सिन्हा ने की राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात, झारखंड की हालत से कराया अवगत

झारखंड में सबकुछ गड़बड़, बुनियादी सुविधाओं तक को तरस रही जनता

बीरू कुमार

रामगढ़। सांसद सह अध्यक्ष वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति जयंत सिन्हा ने नई दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर विभिन्न राजनीतिक और विकास के मुद्दों पर बातचीत किया। उन्होंने मुलाकात में विकास, राजनितिक व संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सांसद जयंत सिन्हा ने उनके समक्ष हजारीबाग लोकसभा में विशाल स्तर पर आयोजित की गयी सांसद खेल प्रतिस्पर्धा 'अमृत ट्रॉफी' की प्रति प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता ने खेल के क्षेत्र में इतिहास रचा। इसमें हजारीबाग लोकसभा की 300 पंचायतों से लगभग 10 हजार खिलाड़ियों ने भाग लिया। साथ ही उन्होंने श्री नड्डा को 'सेवा का रिपोर्ट कार्ड' भी प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हजारीबाग लोकसभा में चल रहे विकास

कार्यों व जनकल्याणकारी योजनाओं को जानकार श्री नड्डा ने प्रसन्नता जाहिर किया।

विकास कार्यों की जेपी नड्डा ने की तारीफ

जेपी नड्डा ने हजारीबाग व रामगढ़ में चल रहीं अक्षयपात्रा महा-रसोईघर, हजारीबाग मेडिकल कॉलेज व अस्पताल, पतरातू सुपर थर्मल पावर प्लांट व रेलवे लाइन समेत अन्य कई परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने हजारीबाग लोकसभा को प्रगति के पथ पर अग्रसर बनाये रखने के लिए सांसद जयंत सिन्हा को बधाई दिया। जयंत सिन्हा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से झारखण्ड के विकास व राजनितिक मुद्दों पर भी लंबी चर्चा की। जेएमएम-कांग्रेस सरकार की नीतियों व कार्यों से झारखण्ड वासी त्रस्त हैं। राज्य में भ्रष्ट्राचार व तुष्टिकरण आज चरम पर है। जनता बुनियादी सुविधाओं तक को तरस रही है।

झारखंड की स्थिति पर जेपी नड्डा ने की चिंता व्यक्त

इन सभी मामलों पर श्री नड्डा ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 2024 में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार झारखंड में विकास को गति देगी और अंतिम व्यक्ति तक सुविधायें पहुंचायेगी।

जयंत सिन्हा ने कहा कि मुझे जेपी नड्डा से जो मार्गदर्शन मिला है, वो जनसेवा के मेरे संकल्प को नई ऊर्जा एवं मजबूती देगा। झारखंड की जनता राज्य में अब भाजपा का विकासशील शासन चाहती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री व राष्ट्रीय अध्यक्ष के नेतृत्व में झारखंड में 2024 में लोकसभा व विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत होगी और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनेगी।

जिला कार्यालय में भाजपा ने स्थापना दिवस मनाया

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी पहुचे चतरा, कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को जिला कार्यालय में भाजपा के स्थापना दिवस पर झंडोतोलन किया गया। साथ ही स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को कार्यकताओं ने सुना। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी के चतरा आगमन कार्यालय में भाजपा कार्यकताओं ने बाबूलाल मरांडी का जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कार्यालय में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की 11 अप्रैल को हेमंत हटाओ झारखंड बचाओ कार्यक्रम को लेकर रांची सचिवालय का घेराव कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में आने

की अपील की। कार्यक्रम में सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास, पूर्व विधायक जनार्दन पासवान, प्रदेश मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह, चतरा नगर परिषद अध्यक्ष गुंजा देवी, जिला प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कालीचरण सिंह, प्रदीप सिंह, अक्षयवट पांडे, जिला महामंत्री मिथिलेश कुमार गुप्ता, मृत्युंजय सिंह, जिला उपाध्यक्ष सुजीत जायसवाल, तिलेस्वर पासवान, विजय चौबे जिला मंत्री सतीश सिंह, मोर्चा जिला अध्यक्ष अभिषेक केसरी, निशा कुमारी, सरयु राम, कन्हैया सिंह, शिव कुमार चौबे, राकेश झा, मंडल अध्यक्ष विद्यासागर आर्य, अनिल सिंह, गोविंद तिवारी, जितेंद्र सिंह, सुजीत भारती, जीतन राम, रंजय भारती, अमित साहू, उज्जवल दास चंदन केसरी आदि कई भाजपा नेता, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कुमार क्लासेस कोचिंग का हुआ उद्घाटन

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। पटेलनगर स्थित चपरासी क्वार्टर कॉलोनी में गुरूवार को लक्ष्मी इनवेस्टमेंट एंड सेक्युरिटी और कुमार कोचिंग क्लासेस की नींव रखेगी। कुमार क्लासेस कोचिंग का उद्घाटन कोटेक म्यूचल फंड के ब्रांच मैनेजर अभिषेक चौधरी, जेएम कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामानुज सिंह, मंगलमय ग्रुप ऑफ इस्टीच्युशन ग्रेटर नोएडा के हिमांशु अरोरा, ग्लोबस एजुकेशन वाराणसी के गौरव राजपुत कैरियर काउंस्लिंग बोर्ड अध्यक्ष डॉ. एसएस सिंह, हिन्दुस्तान कॉमर्शियल इंस्टीच्युट के प्राचार्य रामजी लाल अग्रवाल, संस्था के निदेशक संतोष कुमार व लक्ष्मी के आरएम अमित कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके पूर्व पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पंडित पवन मिश्रा द्वारा पूजा-अर्चना कराई गई। पूजा में संस्था के डायरेक्टर संतोष कुमार की पत्नी शिवांगी गुप्ता, पिता गोपाल प्रसाद, पुत्र सौर्य व बिवान शामिल हुए। पूजा के बाद सबों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मौके पर निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि यहां कक्षा 5वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को सभी विषयों की बहेतर क्लासेस दी जायेगी।

अमित शाह से मिले सिमरिया विधायक

टंडवा (आजाद सिपाही)। सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास ने बीते 31 मार्च को दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर गये थे।दिल्ली से लौटने के बाद संवाददाताओं से कहा कि झारखण्ड राज्य में व्यापत उत्पन्न समस्या समेत विधान सभा क्षेत्र में सीसीएल एनटीपीसी,अंतराज्य के ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों,नीजी

कम्पनियों समेत विधानसभा क्षेत्र की कई समस्याओं को लेकर देश के गृह मंत्री अमित शाह से मिले। विधायक किशुन कुमार दास ने गर्म जोशी से गृह मंत्री अमित शाह को पुष्प गुच्छ देकर भेंट की। उन्होंने विस्तार पूर्वक समस्याओ को रखा और प्रमुखता से नॉर्थ कर्णपुरा एनटीपीसी का पावर प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से गृह मंत्री अमित शाह से बात रखी। वही गृह मंत्री से राज्य एव विधान सभा क्षेत्र व औधोगिक नगर के बिषयों पर गंभीर होकर सुना। सुनने के बाद विधायक किशुन कुमार दास को आश्वसन दिया है की निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के हाथों ही एनटीपीसी नॉर्थ कर्णपुरा पावर प्लांट का उद्घाटन होगी बताया।

घायल आनंदी भुइयां ने रांची रिम्स में तोड़ा दम, परिजन को मिला था पांच लाख मुआवजा

टंडवा (आजाद सिपाही)। टंडवा निवासी ग्वालटोली आनंदी भुइया का निधन गुरुवार को रांची रिम्स में इलाज के दौरान हो गया।उसके निधन पर टंडवा सीओ विजय कुमार दास, मुखिया सुनीता देवी,समाज सेवी सुभाष दास ने शोक प्रकट किया है। सुबाष दास ने बताया की बीते मंगलवार को इठ भट्टे से कर लौट रहे आनंदी भुइयां को कोल वाहन हाइवा ने चपेट में ले लिया था। जिससे उसके एक पैर क्षत विक्षत हो गया था। उक्त सड़क दुर्घटना में घायल आनंदी भुईया के परिजनों को बीते बुधवार को ट्रांसपोर्टिंग कंपनियों द्वारा प्रखण्ड प्रशासन के सहयोग से पांच लाख पच्चास हजार नगद एवं एनटीपीसी के अधीन कंपनी में आश्रित को नौकरी की आश्वाशन मिला है। वही आनंदी भुइयां की निधन होने से परिजनों में गम की पहाड़ टूट गयी।

प्रखंड स्तरीय सरहुल महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

सरहुल महोत्सव मे विभिन्न पंचायत से बाजे-गाजे के साथ पहुंचे आदिवासी महिला-पुरुष

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। दुलमी प्रखंड क्षेत्र के दुलमी पंचायत बाजार टांड मे सरना आदिवासी विकास परिषद के तात्वावधान मे प्रखंड स्तरीय सरहुल महोत्सव सह मिलन समारोह धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर प्रखंड के ईचातु, जाम सिंघ, पांचा, पोटामदगा, बयांग, डुर्मडिहा, बरद् बेचवा आदि विभिन्न गांवों से आदिवासी महिला पुरुष बाजे गाजे के साथ दुलमी बाजार टांड पहुंचे और सभा मे तब्दील हो गये। सभा की अध्यक्षता बासुदेव कुमार मुंडा ने किया। सरहुल महोत्सव के खास मेहमान खुट् कटी मुंडा समाज के केंद्रीय अध्यक्ष सलेंद्र पहन, मुंडा जाती उज्ज्वल भविष्य के केंद्रीय

अध्यक्ष आशा राम मुंडा, भारत मुंडा समाज के सह कोषाध्यक्ष अशोक मुंडा, समता सैनिक दल के उपाध्यक्ष सारूबाला मुंडा रातु मुख्य मनीष मुंडा महा सचिव देवेंद्र मुंडा मुख रूप से शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत फूल व गमछा ओढ़ाकर किया गया। वहीं पाहनों को भी गमछा देकर स्वागत किया। साथ ही अतिथियों के द्वारा नृत्य अखाड़ा का उद्घाटन हुआ।मौके पर शैलेंद्र पाहन ने कहा की सरहुल आदिवासियों का पहचान है। से आदिवासी समाज के लोग प्रकृति पर्व के रूप मे मनाते हैं। खास कर इस पर्व मे जल जंगल जमीन सिंगबॉन्गा बुरु बोन्गा इकिर बोन्गा की पूजा की जाती है। पूजा एवं महोत्सव में आदिवासी समाज के लोग मिलते हैं, और एक दूसरे को नये साल की बधाई देते हैं।वहीं आशा राम मुंडा ने कहा की आदिवासियों के विकास के लिए लोगों को शिक्षा पर जोर देना होगा साथ ही फंड बनाना होगा। उन्होंने लोगों को एक जुट होकर धर्म व संस्कृति को बरकरार रखने को कहा। वही सारूबाला मुंडा ने कहा की आदिवासी लोग अपने हक व अधिकार को पहचाने तभी विकास संभव है। सभा के अंत में आदि बासी परंपरा के तहत सामूहिक रूप से नाच गान किये।

मौके पर ये रहे मौजूद

मौके पर नेवा राम मुंडा, संजय मुंडा, अजय बेदिया, देवेंद्र महली, मनोज मुंडा, किसटो मुंडा, चुरा मन मुंडा,महेंद्र महली,बुध्देव मुंडा, कैलाश मुंडा, सुधीर मुंडा, रूपेश मुंडा, फूल चंद मुंडा, देवदास मुंडा,जले मुंडा, महेश मुंडा, अशोक मुंडा, विजय मुंडा, गखुल मुंडा, कृष्णा करमाली, गोपाल करमाली, दीपक मुंडा, परन मुंडा, जगतु मुंडा, रोशन बेदिया, अजय मुंडा, मुकेश मुंडा, सुषमा मुंडा, पिंकी मुंडा, शांति मुंडा, रीता मुंडा, ननकी मुंडा, यशोदा मुंडा, संजू मुंडा, लीला मुंडा, गीता मुंडा, सुशीला मुंडा, रातनि मुंडा,रंजु मुंडा, अनिता देवी, गुड़िया, फुलकी, जोबा सहित बड़ी संख्या में महिला पुरुष शामिल थे।

जेएसपी पतरातू के हनुमान मंदिर प्रांगण में भक्तिभाव से मनी भगवान हनुमान की जयंती

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। भगवान हनुमान जी की जयंती के अवसर पर गुरूवार को जेएसपी पतरातु कैंपस में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के बीच भव्य भंडारा का आयोजन हुआ। सर्वप्रथम जेएसपी प्लांट हेड आरके अजमीरिया के मार्ग दर्शन मे जेएसपी पतरातु के कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने पूरे भक्ति भाव के साथ भगवान हनुमान अभिषेक किया। इसके बाद हनुमान जी के प्रतिमा पर मार्ल्यापण एवं पुष्प अर्पित कर उनकी जयंती श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इसके बाद सुंदरकांड पाठ का आरम्भ हुआ। इस दौरान रांची, श्याम मंदिर हरमू के रत्नाकर शर्मा मंडली द्वारा भजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया। कार्यकर्म का समापन भव्य भंडारे के साथ हुआ। समारोह को सफल बनाने में संस्थान प्रमुख आरके अजमीरिया के दिशा निर्देश में संतोष कुमार, हर्ष प्रियदर्शी, राजीव रंजन, अरमेंद्र पाठक, डेकोरेशन कमेटी, भंडारा कमेटी, प्रसाद वितरण कमेटी सहित समस्त कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

खोपड़िया बाबा मंदिर में श्रीश्री हनुमंत प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर भूमिपूजन और ध्वजारोहण

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। नवीन हनुमान प्रतिमा स्थापित करने को ले आगामी 17 से 21 जून तक भुरकुंडा बाजार स्थित खोपड़िया बाबा मंदिर में श्रीश्री हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा पांच दिवसीय महायज्ञ होना है। महायज्ञ को ले गुरूवार को खोपड़िया बाबा मंदिर प्रांगण में पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भूमि पूजन व ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान जय श्री राम जय हुनमान आदि आराध्य देवी-देवताओं के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। पूजा के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पूजा-अर्चना व ध्वजारोहण में सुरेश उपाध्याय, रामफल बेदिया, जयप्रकाश बंसल, प्रमोद शर्मा, अशोक मिश्रा, सुखदेव राम, पप्पू सिंह, बाबूलाल नायक, मनोज नायक, विजय बंसल, अभिषेक मिश्रा, अजय गोयल, सुनील कुमार, सरोज देवी, प्रेमनाथ विश्वकर्मा, गीता देवी, आस्था कुमारी, मानसी, रोमा, सुजल, संदीप कुमार सहित दर्जनों श्रद्धालु भक्तगण शामिल थें।

भुरकुंडा में श्रीश्री सहस्त्र महाचंडी यज्ञ कराने को लेकर श्रद्धालुओं की बैठक

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। श्रीश्री सहस्त्र महाचंडी यज्ञ को ले गुरूवार को थाना मैदान भुरकुंडा स्थित श्रीश्री खेपा आश्रम में श्रद्धालुओं की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता श्रीश्री 1008 श्री गुरू खेपा बाबा ने की। बैठक में महायज्ञ की तैयारियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मौके पर उपस्थित लोगों ने अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए अपना सुझाव दिया। सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि आगामी 20 मई से थाना मैदान भुरकुंडा स्थित श्रीश्री खेपा आश्रम प्रांगण में 9 दिवसीय श्रीश्री सहस्त्र महाचंडी यज्ञ का शुभारंभ होगा। जो 28 मई तक चलेगा। मौके पर प्रेमनाथ विश्वकर्मा, बृजनंदन दास, राहुल मंडल, गौतम बोस, जगदीश राणा, पुतुल गिरी, अभिषेक मिश्रा, सागर कुमार, राजकुमार तुरी, विजय कुमार दुबे, सुमित कुमार, उमेश सहित कई लोग मौजूद थें।

शिक्षा मंत्री के निधन पर झामुमो कार्यालय भुरकुंडा में शोकसभा का हुआ आयोजन

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन पर गुरूवार को झामुमो प्रधान कार्यालय भुरकुंडा में शोकसभा का आयोजन हुआ। झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र बेदिया के नेतृत्व में आयोजित शोकसभा में दिवंगत आत्म की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र बेदिया ने कहा कि शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का निधन राज्य व झामुमो के लिए अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने कहा कि झारखंड ने शिक्षा मंत्री के रूप में होनहार व कर्मठ नेता को खो दिया है जिसकी कमी सबों को हमेशा खलेगी। शोकसभा के दौरान कुछ समय के लिए झामुमो के पार्टी झंडे को झुका दिया गया। शोक संवेदना प्रकट करने वालो में हरिलाल बेदिया, संजय वर्मा, मुकेश राउत, चरेंद्र बेदिया, सत्यनारायण यादव, चरकू गंझू, गणेश बेदिया, अमृत सिंह सहित दर्जनों झामुमो कार्यकर्ता शामिल थें।

तीन दिवसीय हनुमंत महायज्ञ के भव्य भंडारे का समापन, विधायक जेपी पटेल हुए शामिल

कुजू (आजाद सिपाही)। सियाराम चौक न्यू माइन्स तोपा स्थित नवनिर्मित हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित तीन दिवसीय श्रीश्री 1008 हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा सह महायज्ञ को लेकर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान हनुमान व लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा किया गया। जबकि पास स्थित शनि मंदिर में शनि देव महाराज का प्रतिमा स्थापित किया गया। साथ ही, भव्य भंडारे के साथ महायज्ञ का समापन किया गया। महायज्ञ के अंतिम दिन कई धार्मिक अनुष्ठान किये गये। वही, मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल, सीसीएल तोपा पीओ मनीष कुमार, मैनेजर एमके सिंह समेत कई आगत अतिथियों ने शामिल होकर क्षेत्रवासियों के लिए सुख -समृद्धि की कामना कर आशीर्वाद मांगा। इधर, वृंदावनधाम से पधारी कथावाचिका राघव प्रिया ने श्रद्धालुओं के बीच हनुमंत कथा का वाचन किया। साथ ही, कथा के दौरान समिति के लोगों ने मौजूद धर्म प्रेमियों के बीच भगवान हनुमान जी के जन्मोत्सव के मौके पर हनुमान चालीसा पुस्तक का वितरण किया गया। वही, अंतिम दिन मुख्य आचार्य मनोज कुमार पांडेय के नेतृत्व में सहयोगी धीरज कुमार पांडेय, आशीष पांडेय, धनंजय पांडेय, मनीष पांडेय, रजनीश पांडेय, अमित पांडेय, मौसम पांडेय ने यजमान बने अकलेश राम, किशोर प्रसाद, अजय मेहता, प्रयाग साव, शंकर प्रसाद मेहता सपत्नीक को कई धार्मिक अनुष्ठान कराएं। वही, मंदिर में भगवान हनुमान जी व लक्ष्मी गणेश जी की प्रतिमा का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा की गई। साथ ही, हवन, पूणार्हुति और भव्य भंडारे के साथ महायज्ञ कार्यक्रम का भव्य समापन किया गया। इधर, मंडप की परिक्रमा को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। महायज्ञ कार्यक्रम के दौरान मांडू विधायक जयप्रकाश भाई पटेल शामिल होकर मंडप की परिक्रमा की। तत्पश्चात यज्ञाचार्य मनोज पांडेय ने रक्षा सूत्र बांधा। मौके पर महायज्ञ को सफल बनाने में जिप सदस्य दयामन्ति देवी, ओरला मुखिया गुड़िया देवी, पंसस गुड़िया देवी, पूर्व मुखिया दुलारी देवी, समिति ज्योतिन्द्र प्रसाद साहू, निर्मल करमाली, हरेनाथ मिश्रा, रामभजन लाल महतो, रंजीत सिंह, शंकर दयाल शर्मा, अरविंद सिंह, खिरोधर प्रसाद साहू, धनेश्वर मांझी, डालेश्वर प्रसाद, दीपक कुमार, विजय पासवान, शंकर प्रसाद, विनोद मेहता, सुनील कुमार सिंह, शंकर प्रसाद, अरविंद सिंह, ओमप्रकाश अग्रवाल, नंदलाल, कैलाश करमाली, ज्ञानी महतो, अभिषेक पासवान, प्रभात कुमार, सरिता मंडल सहित कई सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

कोर्स में किये गये बदलाव लागू

आखिर एनसीइआरटी की ओर से छठी से लेकर 12वीं क्लास तक के कोर्स में किये गये बदलाव नये शैक्षणिक सत्र से लागू हो गये। इन बदलावों का फैसला पिछले साल ही हो गया था, लेकिन समय की कमी के कारण पिछले सत्र के दौरान ये लागू नहीं किये जा सके थे। वैसे, एनसीइआरटी समय-समय पर ऐसे बदलाव करती रही है। 2014 में एनडीए सरकार आने के बाद से भी यह तीसरा मौका है बदलाव का। समय के साथ कोर्स में बदलाव जरूरी भी होता है। एनसीइआरटी की इस दलील को भी गलत नहीं कहा जा सकता कि स्टूडेंट्स पर बोझ कुछ ज्यादा था, जिसे कम करने की जरूरत थी। खासकर, कोरोना महामारी और लॉकडाउन से उपजी स्थितियों के बाद यह जरूरत ज्यादा तीव्रता से महसूस की जा रही थी। बकौल एनसीइआरटी, इसी मकसद से पिछले साल हर विषय के लिए एक्सपर्ट कमिटी बनायी गयी थी और उनकी सिफारिशों के मुताबिक इतिहास, गणित, विज्ञान, भूगोल समेत तमाम विषयों में कंटेंट को कम किया गया। इस आधिकारिक स्पष्टीकरण के बावजूद अगर इन बदलावों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं, तो उसके पीछे कुछ ठोस वजहें हैं। कुछ बदलाव ऐसे दिख रहे हैं, जिन्हें पिछले दरवाजे से चोरी-छुपे किया गया बताया जा रहा है। पिछले साल एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों के बाद किये गये बदलावों की एनसीइआरटी ने सार्वजनिक तौर पर जानकारी दी थी। बहस उन बदलावों को लेकर भी हुई थी, लेकिन जब इस साल के लिए पुस्तकें छप कर आयीं तो उनमें कुछ ऐसे बदलाव भी दिखे, जो पिछले साल एनसीइआरटी की ओर से दी गयी जानकारी में शामिल नहीं थे और ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं। इनमें महात्मा गांधी की हत्या और गुजरात में 2002 दंगों के बाद बने हालात से जुड़े महत्वपूर्ण बदलाव हैं। सवाल है कि ये बदलाव कब, कैसे और किनके कहने पर किये गये और इन्हें छुपाया क्यों गया? दूसरी बात यह कि समकालीन, मध्यकालीन और प्राचीन इतिहास से जुड़े जो अंश हटाये गये हैं, वे उस विमर्श से पूरी तरह मेल खाते दिख रहे हैं जो बीजेपी और आरएसएस की ओर से प्रचारित किया जाता रहा है। इसमें दो राय नहीं कि बीजेपी और आरएसएस ही नहीं, ऐसे तमाम संगठनों को अपनी राय रखने और उसे प्रचारित करने का पूरा हक है, लेकिन जहां तक पाठ्य पुस्तकों में बदलावों का सवाल है, तो वे सत्ता में आने वाले दल की मर्जी से संचालित होते नहीं दिखने चाहिए, क्योंकि सत्ता में अलग-अलग विचारों वाले दल आते-जाते रहते हैं। इन बदलावों को देश के संविधान में निहित सेकुलर, लोकतांत्रिक, समाजवादी और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जुड़े मूल्यों और आदर्शों की कसौटी पर सख्ती से कसे जाने के बाद ही लागू किया जाना चाहिए।

जहां तक पाठ्य पुस्तकों में बदलावों का सवाल है, तो वे सत्ता में आने वाले दल की मर्जी से संचालित होते नहीं दिखने चाहिए, क्योंकि सत्ता में अलग-अलग विचारों वाले दल आते-जाते रहते हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से, हाथियों की आबादी का रुझान, अन्य देशों के विपरीत, अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जैसे मजबूत कानून हैं, जो हाथियों को उच्चतम कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, चाहे वे जंगल में हों या मानव देखभाल के तहत हों। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980, हाथियों के निवास-स्थानों को नुकसान और निवास-स्थानों के क्षेत्रफल में कमी लाने से बचाता है।

हाथी परियोजना के तीस वर्ष

भूपेंद्र यादव

यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए जैव-विविधता संरक्षण, सर्वोत्तम रणनीतियों में से एक है। जैव-विविधता संरक्षण एक जटिल प्रयास होता है, क्योंकि जैविक समुदाय अपने पर्यावरण से गहरे रूप से जुड़े रहते हैं। कुछ महत्वपूर्ण प्रजातियों का संरक्षण तथा कुछ आवश्यक तथ्यों पर आधारित दृष्टिकोण, चुनौती का मुकाबला करने में सहायता कर सकता है। विश्व स्तर पर लुप्तप्राय एशियाई हाथी (एलीफस मैक्सिमस) का भारत में संरक्षण इसका एक उदाहरण है।

भारत में हाथियों और लोगों के बीच का संबंध गहरा है और दुनिया में विशिष्ट है। भारत में हाथियों की समृद्धि के प्रतीक के रूप में पूजा की जाती है। वे सांस्कृतिक प्रतीक हैं और हमारे धर्म, कला, साहित्य और लोककथाओं के हिस्से हैं। भारतीय महाकाव्य हाथियों के संदर्भों से भरे पड़े हैं। यह भी माना जाता है कि महाभारत को भगवान गणेश ने अपने एक टूटे हुए दांत से लिखा था।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से, हाथियों की आबादी का रुझान, अन्य देशों के विपरीत, अपेक्षाकृत स्थिर रहा है। भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जैसे मजबूत कानून हैं, जो हाथियों को उच्चतम कानूनी संरक्षण प्रदान करते हैं, चाहे वे जंगल में हों या मानव देखभाल के तहत हों। वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980, हाथियों के निवास-स्थानों को नुकसान और निवास-स्थानों के क्षेत्रफल में कमी लाने से बचाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में, भारत ने मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति और नेतृत्व के समर्थन से हाथियों के संरक्षण के लिए एक सक्षम संस्थागत व्यवस्था का निर्माण किया है। सामूहिक रूप से, हाथी भारत के कुल भूभाग के लगभग 5% क्षेत्र में पाये जाते हैं। हाथियों की वर्तमान सीमा-क्षेत्र में संरक्षित क्षेत्र और बहु-उपयोग वाले वनों के अन्य रूप शामिल हैं। वे वन क्षेत्रों के बीच आने-जाने के लिए मानव-निवास वाले क्षेत्रों का भी उपयोग करते हैं। हाथीदांत का अवैध शिकार, जो अफ्रीकी हाथियों के संरक्षण के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है, भारत में नियंत्रण में है। हालांकि, 1970 और 1980 के दशक में ऐसा नहीं था, जब अवैध हाथी दांत के अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार के लालच में अवैध शिकार के कारण, हमने कई हाथियों को खो दिया था। इन हत्याओं ने हाथियों के संरक्षण के समक्ष एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया था और राज्यों तथा केंद्र के बीच सक्रिय समन्वय में, संरक्षण को पुनर्जीवित करने के लिए मिशन-मोड में काम करने की आवश्यकता थी। इस बात को स्वीकार करने के फलस्वरूप, 1992 में महत्वाकांक्षी हाथी परियोजना का शुभारंभ हुआ, जो बाघ परियोजना के अनुरूप था और जिसके तहत बाघों को आबादी को पतन के कगार से वापस लाने में सफलता मिली थी।

'गज उत्सव', संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सामूहिक रूप से संकल्प लेने का एक मंच होगा।

भारत में हाथियों के संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है - मानव-हाथी संघर्ष। सरकार इस समस्या के गंभीरता को स्वीकार करती है और संघर्षों को कम करने के लिए लोगों के साथ खड़ी है। वन्य-जीवों के कारण होने वाले फसल नुकसान को शामिल करने के लिए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी नयी पहलों का विस्तार किया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजे का भुगतान किया जा सके।

हाथी परियोजना, एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो हाथियों के संरक्षण और कल्याण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करती है। हाथी आरक्षित क्षेत्र, हाथी परियोजना के तहत मौलिक प्रबंधन इकाई हैं। वर्तमान में, पूरे भारत में 80,778 वर्ग किमी में फैले 33 हाथी आरक्षित क्षेत्र हैं। वर्ष 2022 में भारत में हाथी परियोजना के 30 वर्ष पूरे हुए हैं।

हाथी परियोजना ने हाथी संरक्षण के प्रयासों को गति दी है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर पिछले दो वर्षों के दौरान दो नये हाथी आरक्षित क्षेत्र बनाये गए हैं। दुधवा और उत्तर प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में अधिसूचित तराई हाथी आरक्षित क्षेत्र का उद्देश्य, भारत और नेपाल के बीच सीमा-पार के हाथियों के प्रबंधन में लंबे समय से चल रही समस्याओं का समाधान करना है। तमिलनाडु के दक्षिणी-पश्चिमी घाट के पहाड़ों में अगस्तियारमलाई हाथी आरक्षित क्षेत्र, पेरियार और अगस्तियारमलाई के बीच संपर्क बहाल करने की दिशा में गति प्रदान करेगा।

हाथियों के संरक्षण और मानव-हाथी संघर्ष को कम करने के लिए, गलियारों के महत्व को स्वीकार करते हुए, हाथी परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत में, चिह्नित किये गये हाथी गलियारों के लिए, भूभाग सत्यापन का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ महत्वपूर्ण हाथी गलियारों, जैसे उत्तराखंड में चिल्ला-मोतीचूर गलियारे, केरल में तिरुनेली-कुदरकोट गलियारे और कुछ अन्य को सफलतापूर्वक बहाल कर दिया गया है। पहली बार, ओडिशा में एक महत्वपूर्ण गलियारे को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत एक संरक्षण आरक्षित क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

ट्रेन से हाथियों की टक्कर के मुद्दे को हल करने के लिए रेलवे तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की बैठकें निरंतर हो रही हैं। समस्या के समाधान के लिए दोनों मंत्रालय, राज्य के वन विभागों और अनुसंधान संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारत में हाथियों के संरक्षण की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है - मानव-हाथी संघर्ष। सरकार इस समस्या के गंभीरता को स्वीकार करती है और संघर्षों को कम करने के लिए लोगों के साथ खड़ी है। वन्य-जीवों के कारण होने वाले फसल नुकसान को शामिल करने के लिए, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसी नयी पहलों का विस्तार किया गया है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजे का भुगतान किया जा सके। संघर्ष के प्रति प्रतिक्रिया अवधि में और समय पर अनुग्रह राशि के भुगतान में, सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत तेजी से विकास कर रहा है और आर्थिक प्रगति कर रहा है, ऐसे में समय की मांग है कि प्रकृति-संस्कृति संबंधों को बनाये रखा जाये। हमारी पौराणिक कथाएं, कला, धर्म और विरासत प्रकृति के साथ एकता के सद्गुणों पर जोर देती हैं। हाथी संरक्षण संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और असम वन विभाग भारत में हाथी परियोजना के 30 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'गज उत्सव' मनायेंगे। 'गज उत्सव', इस शानदार प्रजाति के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सामूहिक रूप से संकल्प लेने का एक मंच होगा।

(लेखक : केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भारत सरकार हैं।)

जमशेदपुर और ओड़िशा की खबरें

बोड़ाम के कनीय अभियंता पंद्रह हजार घूस लेते गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के बोड़ाम प्रखंड में पदस्थापित कनीय अभियंता सुजीत राणा को एसीबी की टीम ने 15 हजार घूस लेते रंगे हाथ हिरासत में ले लिया। गुरुवार को एसीबी की टीम ने आरोपी को लेकर जमशेदपुर के लिए रवाना हो गई। बताया जा रहा है महिला समूह के द्वारा शिकायत मिली थी। माधवपुर पंचायत के

तेलीडीह गांव में तालाब के स्नानघाट निर्माण योजना में बिल भुगतान के लिए पंद्रह हजार घूस की मांग की गई थी। वही एसीबी के डीएसपी ने बताया कनीय अभियंता सुजीत कुमार राणा की गिरफ्तारी महिला समूह की सदस्य से 15 हजार घूस लेने के आरोप में किया गया। टीम उसे लेकर जमशेदपुर स्थित कार्यालय के लिए दोपहर में रवाना हुई है। उधर घटना के बाद प्रखंड सह अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया। दिन भर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ था। ग्रामीणों के अनुसार जेई के द्वारा सभी काम के लिए पैसे की लगातार मांग की जा रही थी। फिलहाल एसीबी की टीम ने आगे की कार्रवाई में जुट गई है। भाजपा का 44वां स्थापना दिवस हर्ष उल्लास के साथ मना। कार्यकर्ताओं ने पीएम और राष्ट्रीय अध्यक्ष के संबोधन का लाइव प्रसारण सुना।

भाजपा का स्थापना दिवस धूमधम से मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के 44वां स्थापना दिवस धूमधाम से हर्षउल्लास के साथ मनाया गया। दिल्ली से लेकर रांची समेत जमशेदपुर में भाजपा कार्यकताओं ने अपने घरों पर पार्टी का ध्वज लगाकर विभिन्न कार्यक्रम के जरिये पार्टी का स्थापना दिवस मनाकर जनसेवा का संकल्प लिया। साकची स्थित भाजपा जिला कार्यालय मे महानगर की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के वरीय नेतागण एवं सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए। जहा पार्टी के ध्वज का ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मना। इस दौरान कार्यकताओं ने पार्टी के पितृपुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके बताये राष्ट्र प्रथम एवं अंत्योदय के पथ पर चलने का संकल्प लिया। इसके पश्चात कार्यकताओं ने वर्चुअल माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक उद्बोधन को बड़े एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सुना। इस दौरान कार्यकताओं ने 'भारत माता की जय' और 'भाजपा जिंदाबाद' के नारे लगाकर अपनी भावनाएं प्रदर्शित की। कार्यकर्ताओं ने साकची जिला भाजपा कार्यालय परिसर के दीवार पर पार्टी का चुनाव चिह्न कमल पुष्प पेंट किया। कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में कार्यकर्ताओं एवं आमजनों के बीच लड्डू का वितरण कर खुशियां साझा की गई। कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने पार्टी स्थापना दिवस की शुभकामनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं ने अथक संघर्ष किया। आज भारतीय जनता पार्टी की पहचान देश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी है। उन्होंने कहा विपक्षी दल जितना मर्जी प्रयास कर लें पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और जनता में बढ़ते विश्वास को कम नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनायें जन-जन से जुड़ी है। भाजपा कार्यकताओं की शक्ति से साफ दिखता है आने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर देश में भाजपा की सशक्त सरकार बनने जा रही है। वहीं भाजपा महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव ने स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने पार्टी को सींचने वाले सभी नेताओं के परिश्रम और समर्पण भावना के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा भाजपा सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ काम कर रही है। सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण को पार्टी ने हमेशा अपने विचारों और कार्यशैली में सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आने वाले दिनों में जमशेदपुर महानगर में पार्टी अपने गतिविधियों को तेज कर संगठन को और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करेगी।

मौके पर इनकी रही मौजूदगी: इस अवसर पर पूर्व विधायक मेनका सरदार, देवेंद्र सिंह,अभय सिंह,राजेश शुक्ल, नीरज सिंह, संजीव कुमार, बारी मुर्मू, राजकुमार श्रीवास्तव, नंदजी प्रसाद, दिनेश कुमार, पंकज सिन्हा, मिथिलेश सिंह यादव, कल्याणी शरण,भरत सिंह, योगेश मल्होत्रा, मनोज कुमार सिंह, विकास सिंह, डॉ राजीव, कुसुम पूर्ति, सुधांशु ओझा, संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, अनिल मोदी, जितेंद्र राय, मंजीत सिंह, पप्पू सिंह, नीलू मछुआ, राजीव सिंह, बोलटू सरकार, प्रेम झा, ज्ञान प्रकाश, नारायण पोद्दार, अमित अग्रवाल, धर्मेंद्र प्रसाद, ज्योति अधिकारी, बिनानंद सिरका, अजीत कालिंदी, अमिताभ सेनापति, सुमित शर्मा, मिथिलेश साव, अमित सिंह, संतोष कुमार, रानी ठाकुर, दिलीप पासवान, मंजीत सिंह, गणेश मुंडा, महावीर सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसबीआइ के डिप्टी मैनेजर को इओडब्ल्यू ने आठ करोड़ की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आशुतोष फूलबाणी ब्रांच में डिप्टी मैनेजर थे। वह डिप्टी मैनेजर और फील्ड मैनेजर भी थे। इस दौरान उसने 59 एक्सप्रेस क्रेडिट लोन को अवैध रूप से मंजूर दिए थे। इसी तरह उन्होंने 26 पेंशन लोन की अनुमति दिए थे।

आजाद संवाददाता

भुवनेश्वर। क्राइम ब्रांच की आर्थिक शाखा ने बैंक अधिकारी

को गिरफ्तार किया। एसबीआइ बैंक के डिप्टी मैनेजर को इओडब्ल्यू ने पकड़ा। डिप्टी मैनेजर आशुतोष आचार्य को 8 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आशुतोष फूलबाणी ब्रांच में डिप्टी मैनेजर थे। वह डिप्टी मैनेजर और फील्ड मैनेजर भी थे। इस दौरान उसने 59 एक्सप्रेस क्रेडिट लोन को अवैध रूप से मंजूर दिए थे। इसी तरह उन्होंने 26 पेंशन लोन की अनुमति दिए थे। उन्हें भी अनुमति दी जो पेंशन के लिए पात्र नहीं हैं। इस दौरान करीब 8 करोड़ 1 लाख 87 हजार रुपए की ठगी कर ली। ठगी पैसों का ट्रेंजेकसन उसके परिवार के सदस्यों को कर दिया था। यह घोटाला सितंबर 2021 से सितंबर 2022 के बीच हुआ है। 59 एक्सप्रेस क्रेडिट ऋण के लिए 6 करोड़ 77 लाख 30 हजार की अनुदान दी गई। उन्होंने शेष 26 पेंशन ऋणों के लिए 99 लाख 82 हजार 795 मंजूरी प्रदान किए थे। यह सारा पैसा वेआइन रूप से मृत व्यक्ति के नाम पर मंजूर कर हड़प किया गया था। ये सभी घोटाले फर्जी दस्तावेजों के जरिए किए गए हैं। जिनके नाम पर लोन दिया गया है वे इसके बारे में कुछ नहीं जानते।

किट ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर में 26 से 28 तारीख तक होने वाली जी-20 एजुकेशन वर्किंग ग्रुप की तीसरी बैठक से पहले किट विश्वविद्यालय द्वारा जन जागरूकता पैदा करने के लिए जी20 जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है. इसके लिए आज किट कैंपस में कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रो. अशोक कुमार त्रिपाठी पूर्व महानिदेशक सीपीआरआई बैंगलोर ने कार्यशाला में भाग लिया और ₹प्रौद्योगिकी आधारित अध्ययन को अधिक अंतःविषय, गुणात्मक और सहयोगात्मक बनाना₹ विषय पर आलोचना चक्र को संबोधित किया। उन्होंने कंप्यूटर प्रौद्योगिकी, विभिन्न प्रकार के उपकरणों, सॉफ्ट कंप्यूटिंग के लिए सॉफ्टवेयर, आधुनिक शिक्षण प्रौद्योगिकी, सहयोगी परियोजनाओं, बिजली प्रणाली अनुप्रयोगों, विभिन्न प्रकार की समस्याओं, हरित हाइड्रोजन और विभिन्न शिक्षण तकनीकों पर बात की। इस कार्यशाला में कुल 92 इंजीनियरिंग स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों, शोधकताओं, तकनीकी सहायकों और अध्यापकों ने भाग लिया। दूसरी ओर किट विश्वविद्यालय के सहयोग से सरकारी पॉलिटेक्निक, कंधमाल में एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। 'जी-20 और भारत की भूमिका' शीर्षक प्रतियोगिता में 52 पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एमसीएल जागृति महिला मंडल ने बच्चों को सामग्री दी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। जागृति महिला मंडल ने बुर्ला स्थित शासकीय मूक-बधिर विद्यालय में जाकर बच्चों के लिए किताबें, बैग्स एवम अन्य जरूरत की सामग्री प्रदान की। उल्लेखनीय है कि विद्यालय के प्राचार्य ने बच्चों को किताबें, बैग्स एवं अन्य जरूरत की सामग्री की आवश्यकता के संबंध में महिला मंडल के सदस्यों को अवगत किया था। जागृति महिला मंडल की अध्यक्ष पद्मजा सिंह एवं उपाध्यक्षा अल्पना राव शुक्ला, सरिता पटेल, रश्मि बेहुरा ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए गत पांच अप्रैल को महिला मंडल की अन्य सदस्याओं के साथ स्कूल जाकर बच्चों के लिए 4 शेल्फ, 60 बच्चों के लिए नाश्ते का पैकेट अपने करकमलों से प्रदान किया। बोलने और सुनने में असमर्थ होने के बावजूद भी नयी किताबें, बैग आदि पाकर सभी बच्चे प्रफुल्लित हो उठे। नयी सामग्री पाकर बच्चों में नयी ऊर्जा एवं उमंग दिखायी पड़ने लगी।

महत्वपूर्ण न्यूज

शिक्षा मंत्री के निधन पर झामुमो रंका प्रखंड कार्यालय में शोकसभा आयोजित

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कार्यालय रंका में गुरुवार को झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें झामुमो के दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने मौन धारण कर शोक व्यक्त किया। शोक सभा में उपस्थित सभी लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना ईश्वर से की है। इस अवसर पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, झामुमो सचिव इरफान अंसारी, उपाध्यक्ष मुकेश तिवारी, अरविंद सोनी, युवा अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, अल्पसंख्यक मोर्चा के आफताब आलम, मुमताज अली रंगसाज, कंचनपुर पंचायत अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी, बीस सूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, जिला परिषद प्रतिनिधि देवेंद्र नाथ तिवारी, मानपुर पंचायत के मुखिया सह झामुमो नेता हाशिम अंसारी, विश्रामपुर पंचायत अध्यक्ष संतोष प्रसाद, सोनदाग पंचायत अध्यक्ष संतोष ठाकुर सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

मेराल प्रखंड में की गयी शोकसभा

मेराल (आजाद सिपाही)। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के साथ-साथ सरकारी कार्यालयों तथा झामुमो कार्यालय में शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बीडीओ प्रवेश कुमार साव की अध्यक्षता में आयोजित शोक सभा में सभी विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मियों ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा के बाद कार्यालय को बंद कर दिया गया। इसी तरह प्रखंड मुख्यालय स्थित किस्मती कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड फामेर्सी के डायरेक्टर लव कुमार सिंह की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें रामाकांत प्रसाद, किंजल राठौड़, अंजनी कुमारी, ओम विश्वकर्मा के साथ बड़ी संख्या में प्रशिक्षु एएनएम तथा छात्र-छात्राओं ने 2 मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष दशरथ प्रसाद की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में मुख्य रूप से झामुमो नेत्री रेखा चौबे, प्रखंड कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य प्रकाश, राजेश बैठा, हेमंत कुमार सिंह, विकास सिंह कुशवाहा, आराधना सिंह, चंदा, रेखा पाठक, मुन्ना सिंह, बबलू सिंह, दिनेश तिवारी, अरविंदा सिंह, लालमणि साह, सुनील बैठा, छोटन कुमार, संजय सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

कांडी बीआरसी कार्यालय में की शोकसभा

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रदेश के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर गुरुवार को बीआरसी कार्यालय सहित सभी स्कूलों में शोक सभा का आयोजन किया गया। बीईईओ विद्या सागर मेहता के अगुआई में बीआरसी कार्यालय में एक शोक सभा का आयोजन कर शिक्षा मंत्री की आकस्मिक मृत्यु पर संवेदना ब्यक्त किया गया।दो मिनट का मौन रख सभी ने मृत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना किया।इस अवसर पर बीईईओ ने कहा कि शिक्षा मंत्री के निधन से प्रदेश व शिक्षा विभाग को अपूर्णीय क्षति हुई है।उनकी कमी को कोई नही भरपाई कर पाएगा।उसके साथ ही प्रखंड के सभी कोटि के स्कूलों में भी शोक सभा का आयोजन कर संवेदना ब्यक्त किया गया। मौके पर बीईईओ विद्या सागर मेहता,लेखापाल प्रदीप कुमार शुक्ला,बीआरपी सुनील कुमार, एमडीएम प्रभारी सुमंत राम,आदेशपाल प्रदीप यादव,सांसद प्रतिनिधि राणा ऋषि केश सिंह, राम लाला दुबे, शशि रंजन दुब, बीडीसी प्रतिनिधि अनूप कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

केतार प्रखंड में की शोकसभा

केतार (आजाद सिपाही)। प्रखंड के महागठबंधन के कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर शोक सभा की गयी। वहीं केतार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने झारखंड के शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर शोक जताया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर सिंह, राजद नेता महेंद्र पाल, बलीगढ़ पंचायत मुखिया प्रतिनिधि मनोरंजन प्रसाद गुप्ता, झामुमो नेता सुरेश साह, मनीष कुमार गुप्ता, दीपू कुमार गुप्ता, संतोष सिंह, जयमाल साह, शिव कुमार सिंह सहित काफी लोग उपस्थित थे

कार्यक्रम : गढ़वा जिला कांग्रेस कमेटी का जय भारत सत्याग्रह सभा का आयोजन

जन-जन तक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों तक पहुंचायें संदेश : अविनाश पांडे

सभा से पहले सभी ने शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर दो मिनट का मौन रख कर दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा गुरुवार को जय भारत सत्याग्रह सभा का आयोजन किया गया। स्थानीय उत्सव गार्डन में आयोजित सत्याग्रह सभा में कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर, झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी, अध्यक्ष ओबेदुल्लाह हक मंच पर मौजूद थे। सभा की शुरुआत से पहले सभी नेता एवं कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार के वर्तमान शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर दो मिनट का मौन रखते हुए श्रद्धांजलि दी। जय भारत सत्याग्रह सभा को संबोधित करते हुए सुबोध कांत सहाय ने कहा कि राहुल गांधी के साथ घटित घटना को जय भारत सत्याग्रह के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना है। यह इतिहास में पहली बार हुआ है, जब किसी ने आंख से आंख मिलाकर सवाल जवाब करने का साहस किया तो उस पर गलत आरोप लगाते हुए उसकी सदस्यता खत्म कर दी गयी और उसे आवाज से भी निकाल दिया गया। यह सत्याग्रह दूसरा सत्याग्रह है। पहला सत्याग्रह अंग्रेजों से आजादी के लिए गांधी जी ने किया था तो वहीं दूसरा सत्याग्रह गांधी परिवार के पुत्र राहुल गांधी ने हो रहे अत्याचार से मुक्त करने के लिए जय भारत सत्याग्रह की शुरुआत किया है। जिसे हम सभी जनमानस कार्यकर्ताओं नेताओं को गांव-गांव तक पहुंचाना है। लोगों को यह बताना है कि केंद्र की सरकार अपनी नाकामी छुपाने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर अत्याचार कर रही है।

प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि रांची से मशाल यात्रा के साथ इसकी शुरुआत की गयी। संगठन की जिम्मेवारी एक बहुत बड़ी चुनौती है। उस संगठन में देश के निर्माण से अपना मौलिक अधिकार मिलता है, वह संगठन मजबूती से इस कार्य को पूरा कराता है। देश में वर्तमान स्थिति बहुत खराब होने जा रही है। जिस प्रकार राज्य में किसी को भी टारगेट बनाकर बुलडोजर चलाया जा रहा है, सदस्यता रद्द करायी जा रही है। सरकार के मुखिया जिस तरह आठ वर्षों में कार्य कर रहे हैं पूरी तरह से अर्थव्यवस्था में गिरावट आयी है। महंगाई चरम सीमा पर बढ़ती जा रही है। सत्याग्रह करने का मुख्य उद्देश्य लोगों के भलाई के लिए है।

मौके पर सभा के दौरान कांग्रेस जिला कार्यालय बनाने के लिए राम श्रेष्ठ चौबे ने भूमि दान किया। मौके पर पलामू के जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक, आशिक अंसारी, प्रभात कुमार दुबे, अमृत शुक्ला, दीनानाथ तिवारी, बट्टू दुबे, जिला प्रभारी सतनारायण सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

यह गांधी परिवार की लड़ाई नहीं, पूरे कांग्रेस परिवार की लड़ाई है : राजेश ठाकुर

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि संकट के दौर में हम सभी कांग्रेसियों को एक होकर संविधान के अनुरूप खिलवाड़ करने वाली सरकार के प्रति लड़ाई लड़नी है। हमें देखना है कि संविधान के अनुरूप देश चल रहा है कि नहीं, उसके लिए हमें लड़ना होगा। राहुल गांधी ने जब पैदल पदयात्रा कर गरीब बेरोजगार के लिए बात उठायी तो उनके ऊपर आरोप लगाकर उनकी सदस्यता खत्म कर दी गयी। हमें इस जय भारत सत्याग्रह सभा के माध्यम से जिले में हर क्षेत्र में नुक्कड़ सभा कर लोगों तक बात को पहुंचानी होगी। आप सभी से अनुरोध है जहां भी हों एक साथ मिलकर मजबूती के साथ लड़ें। यह गांधी परिवार की लड़ाई नहीं है यह पूरे कांग्रेस परिवार की लड़ाई है।

स्थापना दिवस: भंडरिया भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष ने झंडोत्तोलन किया

सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्बोधन टेलीविजन के माध्यम से सुना

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी ने भंडरिया भाजपा कार्यालय में पार्टी का झंडोतोलन किया। उसके पश्चात कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पार्टी स्थापना के अवसर पर उद्बोधन को टेलीविजन के माध्यम से सुना गया। भाजपा जिला कार्यालय में जिला महामंत्री संतोष दुबे ने झंडोत्तोलन किया। उसके पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टेलीविजन के माध्यम से कार्यकताओं के साथ संबोधन को सुना गया। साथ ही दीवार पर पार्टी का निशान कमल फूल बनाकर अभियान का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जवाहर पासवान ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की गयी थी, इसलिए प्रति वर्ष 6 अप्रैल को पूरे देश में पार्टी का स्थापना दिवस हम सभी मनाते हैं। बहुत त्याग, तपस्या और बलिदान के पश्चात आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में जानी जाती है। भाजपा के नेता देश ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाने जाते हैं। यह सब हम सभी के लिए गौरव की बात है। जिला महामंत्री संतोष दुबे ने बताया कि स्थापना दिवस पर आज गढ़वा जिला के सभी मंडल में पार्टी कार्यालय पर झंडोत्तोलन किया गया एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुना गया एवं दीवार पर पार्टी के चुनाव चिन्ह कमल फूल बनाकर अभियान शुरू किया गया।

कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, कार्यालय मंत्री गौरीशंकर, जिला कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता, जिला कार्यसमिति सदस्य विजय केसरी, बीना पाठक, सुरेंद्र विश्वकर्मा, रविंद्र जायसवाल, दीपक तिवारी, अनवर शाह, लखन प्रसाद, लक्ष्मी पांडे, अंजली गुप्ता, प्रवीण जायसवाल, ओम प्रकाश दुबे, सुप्रीत केसरी, अरविंदर दुबे उपस्थित थे।

जिसका मान ही नहीं है, उसका हानि क्या होगा : सत्येंद्रनाथ तिवारी

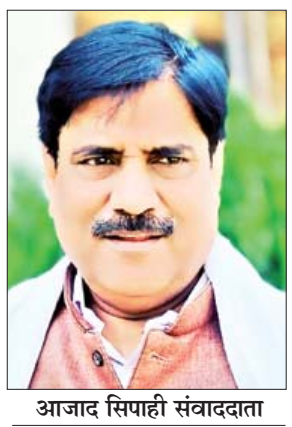

गढ़वा के पूर्व विधायक एसएन तिवारी के खिलाफ न्यायालय ने गिरफ्तारी वारंट जारी करने का दिया आदेश

गढ़वा (आजाद सिपाही)। पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के विरूद्ध व्यवहार न्यायालय गढ़वा से गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश निर्गत किया गया है। स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर की ओर से पूर्व विधायक श्री तिवारी के विरूद्ध दायर मानहानि केस में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार दास की अदालत ने श्री तिवारी के विरूद्ध गिरफ्तारी का वारंट जारी करने का आदेश निर्गत किया है। इस संबंध में मंत्री श्री ठाकुर के अधिवक्ता परेश कुमार तिवारी ने बताया कि मंत्री श्री ठाकुर ने परिवाद संख्या 292/2022 के तहत ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी विजय कुमार दास की अदालत में पूर्व विधायक के विरूद्ध मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया था।

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। इस संबंध में पूर्व विधायक सत्येन्द्रनाथ तिवारी ने कहा कि वह अभी क्षेत्र से बाहर हैं। जिसके कारण उन्हें गिरफ्तारी वारंट के आदेश के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि वे संविधान में विश्वास करते हैं। वह पूरी तरह से न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि जिसका मान होता है, उसी का हानि होता है। स्थानीय विधायक सह मंत्री का मान है ही नहीं तो उसका हानि क्या होगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय विधायक ने अपने कारनामे के कारण जनप्रतिनिधि जैसे शब्द को भी बदनाम करने का काम किया है। अभी भी टेंडर मंत्री और उनके भाई के ईशारे पर टेंडर मैनेज का खेल बदस्तूर जारी है। बालू की कालाबाजारी इस कदर कराई गई कि अब गरीबों को पीएम आवास निर्माण कार्य के लिए बालू नसीब नहीं हो रहा है।

उन्होंने कहा कि मंत्री की ओर से किए गए सभी कारनामे यथा हिन्दी, अंग्रेजी, मगही, भोजपुरी, अंगिका भाषा को हटाने के लिए कैबिनेट में दस्तखत कर गढ़वा-पलामू सहित हिंदी, अंग्रेजी भाषा को जानने वाले बच्चों के साथ क्रूर मजाक करने का काम किया है।इन सबों का सबूत उनके पास मौजूद है, जिसे वह अदालत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। सैकड़ों वर्षो से जमीन पर काबिज गरीब परिवारों को उजाड़ा जा रहा है। वह हर समय मंत्री और उनके लोगों की ओर से किए जा रहे काले कारनामों का पर्दाफाश करता रहूंगा।

भाजपा नेता ने तीन छात्राओं की मौत पर प्रशासन से मुआवजा की मांग की

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के असनी नवाटोली गांव में मंगलवार को दिन के 11:00 तालाब में डूबने से तीन छात्राओं की मौत हो गई। पूरे परिवार में शोक की लहर है। घटना के 2 दिन बाद भी गांव में चारो ओर मातम का माहौल पसरा हुआ है गुरुवार की दोपहर 2 बजे भाजपा के जिला महामंत्री मिशीर कुजूर के अलावा कई सामाजिक कार्यकर्ता असली नवाटोली गांव पहुंचे और छात्राओं के परिजनों से मुलाकात करते हुए ढाढस बंधाया। भाजपा नेता के द्वारा सर्वप्रथम आर्थिक सहयोग करते हुए अनाज उपलब्ध कराया गया। वही भाजपा नेता ने प्रशासन से जल्द से जल्द छात्राओं के परिजनों को मुआवजा देने और अन्य योजनाओं का लाभ देने की मांग की है। साथ ही कहा की जल्द इस दिशा में प्रशासन पहल नहीं करती है तो भाजपा के द्वारा आंदोलन किया जाएगा। यहां बताते चलें कि मंगलवार को दिन के 11 बजे तालाब में नहाने के दौरान असनी नवटोली गांव की 3 छात्राएं मोनिका कुमारी, अनिमा मिंज और सरोज कुमारी के डूबने से मौत हो गई।

ठाकुर गांव मंडल ने भाजपा का स्थापना दिवस मनाया

बुढ़मू (आजाद सिपाही)। ठाकुर गांव मंडल अंतर्गत मंडल अध्यक्ष उत्पल शाहदेव के अध्यक्षता में भाजपा पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया साथ ही प्रदेश नेतृत्व के दिशा निदेर्शानुसार पार्टी के मंडल क्षेत्र में निवास करने वाले सभी वरिष्ठ जनसंघ कार्यकर्ता जयकुमार नाथ शाहदेव बासुदेव मिश्रा गिरधारी महतो,सरजू चौरसिया, रामेश्वर महतो ,दुबराज महतो,हीरालाल महतो बोधनाथ महतो को अंगवस्त्र एवम फूलमाला दे कर समानित किया गया !इस कार्यक्रम के सफल आयोजन मे पूर्वी जिला परिषद मनोज बाजपेयी,राम कुमार दुबे पशुपतिनाथ शाहदेव,जय कुमार कुशवाहा, गुड्डु सिंह कमल मोदी,सुरजन गोडाइत, मनोज महतो ,बिरसा मुंडा संभु यादव, सन्तोष यादव समेत अन्य कार्यकर्ताओ की सराहनीय भूमिका रहा।

समय परिवर्तन के कारण परीक्षा से वंचित परीक्षार्थियों ने फिर से परीक्षा लेने की लगायी गुहार

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले में जैक के द्वारा आयोजित मैट्रिक और इंटर परीक्षा के दौरान इंटर के समय परिवर्तन के कारण परीक्षा छूटने से नाराज छात्रों ने गुरुवार को समाहरणालय पहुंचकर डीईओ कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। हालांकि शिक्षा मंत्री के आकस्मिक निधन के कारण कार्यालय बंद हो गया था। उसके बाद छात्रों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जैक की ओर से मैट्रिक की प्रथम पाली और इंटर की दूसरे पाली में परीक्षा चल रही थी। 24 मार्च को दूसरी पाली में जियोलॉजी, बिजनेस स्टडी और साइकोलॉजी विषय का परीक्षा होनी थी। किसी कारण उक्त परीक्षा को स्थगित कर दिया गया और परीक्षा को 5 अप्रैल को निर्धारित किया गया। इंटर की परीक्षा दूसरी पाली में चल रही थी इसलिए हम सभी लोग दूसरी पाली में बालिका उच्च विद्यालय के परीक्षा केंद्र पर परीक्षा देने पहुंचे, पर परीक्षा प्रथम पाली में ही हो गई थी। छात्रों ने कहा कि जैक की ओर से किसी समाचार पत्र के माध्यम से नोटिस नहीं किया गया। जिसके कारण हम लोगों की परीक्षा छूट गयी। सूरज पांडे डिग्री कॉलेज के छात्रों ने कहा कि उनकी छुटे हुए विषय की परीक्षा पुनः होनी चाहिए। छात्रों ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं इसी तरह चरणबद्ध आंदोलन करेंगे। छात्रों ने कहा कि पिछले दिनों हम लोगों ने उपायुक्त से मिलकर भी मामले की जानकारी दी और बचे हुए छात्रों की परीक्षा लेने का आग्रह किया है। जिस पर डीसी ने जैक को लिखने की बात कही है। समाहरमालय पहुंचे विद्यार्थियों में दिलीप कुमार चौधरी, मुस्कान कुमारी, शिव मोहन शुक्ला, ज्योति कुमारी, अमृता कुमारी, चंदा कुमारी, कंचन कुमारी सहित अन्य विद्यार्थी शामिल थे।

एसके इंटरनेशनल स्कूल में शोकसभा

रंका (आजाद सिपाही)। एस के इंटरनेशनल स्कूल रंका एवं सरस्वती ज्ञान मंदिर रंका में भी शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। इस मौके पर एस के इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अजय सिंह एवं आचार्य नंदन तिवारी ने शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर झारखंड के लिए अपुर्नीय क्षति बताया। वहीं सरस्वती ज्ञान मंदिर के प्रधानाध्यापक संजीव श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षकों, बच्चों तथा एस के इंटरनेशनल स्कूल के शिक्षक शिक्षिका एवं बच्चों ने मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कुएं से महिला का शव बरामद, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

गढ़वा (आजाद सिपाही)। मेराल थाना क्षेत्र के तीसर टैटूका गांव निवासी रविंद्र चंद्रवंशी की पत्नी नेहा देवी (22) का शव संदिग्ध अवस्था में कुआं से बरामद किया है। शव को बरामद कर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। घटना के संबंध में मृतिका के पिता सतेंदर चंद्रवंशी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व अपनी पुत्री की शादी रविंद्र चंद्रवंशी के साथ हिंदू रीति रवाज से धूमधाम से करायी थी। शादी के कुछ दिन के बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर उसके साथ मारपीट की जा रही थी। उन्होंने कहा कि रविंद्र का किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध भी था। उसके दबाव में आकर हमेशा रविंद्र चंद्रवंशी उसके साथ मारपीट करता था। जबकि मृतका के पति रविंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि खाना बनाने के लिए हम दोनों के बीच नोकझोंक हुई थी। उसके बाद गुस्से में उसने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। इस संबंध में थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि एक कुआं से महिला का शव बरामद किया गया है। फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

कार्यक्रम : पालकोट के कांग्रेसियों को स्थान मिलने पर क्षेत्र में हर्ष

कांग्रेस की 113 सदस्यीय जंबो टीम को मिली स्वीकृति

इस टीम में 10 उपाध्यक्ष और 22 महासचिव हैं, लेकिन कोषाध्यक्ष केवल एक महिला सदस्य को बनाया गया है

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जिला कांग्रेस कमेटी की जंबो टीम बनकर तैयार है। इस बार जिला कांग्रेस कमेटी में विभिन्न पदों पर 113 लोगों को पदस्थापित किया गया है। जिसमें जिला अध्यक्ष चैतू राम के अलावा 113 सदस्य हैं। इस टीम में 10 उपाध्यक्ष और 22 महासचिव हैं लेकिन कोषाध्यक्ष केवल एक महिला सदस्य को बनाया गया है। कॉन्ग्रेस की इस नई कमेटी में 130 सचिव बनाए गए हैं जबकि तीन प्रवक्ता और एक कार्यालय प्रधान नियुक्त किया गया है जिला कार्यकारिणी में 35 लोगों को रखा गया है इसके अतिरिक्त 24 सदस्यों को विदेश विशेष आमंत्रित सदस्य नामित किया गया है

जिला टीम में पालकोट के छह कांग्रेसी शमिल

कांग्रेस के जिला कमेटी में पालकोट के कांग्रेसियों को विशेष स्थान दिया गया है। जिसके कारण पालकोट के कांग्रेसियों में उत्साह का माहौल है। पालकोट के इन सदस्यों को जिला कमेटी में स्थान मिलने के बाद पालकोट में कांग्रेस को लेकर नई ऊर्जा का संचार हुआ है। कार्यकर्ता जी जान लगाकर कांग्रेस पार्टी के झंडे को बुलंद करने और राहुल गांधी के अभियान को कामयाब करने के लिए जी तोड़ मेहनत करने का वादा कर रहे हैं। विशेषकर पालकोट प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष संतोष गुप्ता गुड्डू को जिला कमेटी में महासचिव का दायित्व मिलने पर लोगों ने उन्हें बधाई दी है । पालकोट के लोगों का मानना है कि संतोष गुप्ता को उनकी ईमानदारी कर्तव्यनिष्ठा और कांग्रेस के लिए की गई कड़ी मेहनत का फल मिला है। प्रखंड के कैडर कांग्रेसियों का कहना है कि जिला में पालकोट को स्थान मिलने पर जहां जिला कमेटी मजबूत होगी वही पालकोट में भी कांग्रेस में नई जान आ जाएगी। बता दें कि पालकोट प्रखंड से जिला कांग्रेस कमेटी मे प्रतीनीयुक्त पदाधिकारियों की सुची में संतोष कुमार गुप्ता, विजय ठाकुर, भूषण सिंह, सुधीर चंद्र राम,निमरोध एक्का एवं सुशेना लकडा के नाम शामिल हैं।

लोहरदगा और लातेहार में शोक की लहर

जगरनाथ महतो का निधन यूपीए गठबंधन के लिए अपूरणीय क्षति: धीरज प्रसाद साहू

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। राज्य के शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि, संपूर्ण झारखंड राज्य और यूपीए गठबंधन को अपूरणीय क्षति हुई है। जिसकी भरपाई करना मुश्किल है। कहा कि, उनके निधन की सूचना से स्तब्ध हूँ। उनके पूरे राजनीतिक जीवन में निर्विवाद और सर्वमान्य व्यक्तित्व की पहचान रही है। कोरोना काल में उनके साहस और कार्यकुशलता से राज्य को ऊर्जा मिली है। स्वयं कोरोना पॉजिटिव होने के बावजूद, उन्होंने संघर्ष का रास्ता दिखाया था। सांसद धीरज प्रसाद साहू ने कहा, झारखंड ने एक आंदोलनकारी और लोकप्रिय नेतृत्व को खो दिया है। झारखंड आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है । कहा कि, ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति दें। शोकाकुल परिवार और समर्थकों को दुःख सहन करने की शक्ति देने की कामना स्पर्श करता हूं।

मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर कांग्रेसजनों ने शोकसभा की

लोहरदगा। झारखंड राज्य के मानव संसाधन विकास मंत्री जगरनाथ महतो का आकस्मिक निधन हो गया । उनके निधन पर लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वधान में जिला अध्यक्ष सुखेर भगत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में शोक सभा का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम उपस्थित कांग्रेसियों के द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किए गए और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गयी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सुखेर भगत ने कहा कि जगरनाथ महतो झारखंड के धरती पुत्र थे उन्होंने अलग झारखंड राज्य की लड़ाई में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया था। वर्तमान झारखंड सरकार में मानव संसाधन विकास विभाग शिक्षा मंत्री के रूप में कयी महत्वपूर्ण निर्णय लिये। वे हमेशा झारखंड के लोगों के लिए प्रयत्नशील रहते थे आज उनके निधन से पूरे राज्य में शोक की लहर है, आज झारखंड राज्य अपना एक जन नेता खो दिया जिसकी भरपायी निकट भविष्य में असंभव है स्वर्गीय जगरनाथ महतो हमेशा से झारखंड के लोगों के दिलों में बसते रहेंगे। शोक सभा में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष हाजी शकील अहमद प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष रऊफ अंसारी महासचिव सामूल अंसारी, विनोद उरांव आदि उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री के निधन पर विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शोकसभा आयोजित

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय,लोहरदगा में झारखंड के शिक्षा मंत्री एवं सरस्वती शिशु मंदिर गुंजरडीह,बोकारो के माननीय सचिव जगन्नाथ महतो के असामयिक निधन पर शोक सभा आयोजित की गई शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करने के लिए प्रार्थना की जिसके बाद अवकाश घोषित किया गया शोक व्यक्त करने वालों में विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार, अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अजय प्रसाद, शिक्षाविद कृष्णा प्रसाद, डॉ शशि गुप्ता और शिक्षक - शिक्षिकाओं में प्रीति कुमारी गुप्ता, कविता कुमारी, चेतना प्रिया आदि शामिल थे।

बीआरपी-सीआरपी ने शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी

लोहरदगा। आज हमारे लोकप्रिय माननीय शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो हमारे बीच नहीं रहे। इलाजरत अवस्था में ही चेन्नई में इनका निधन हो गया। इस शोक समाचार से पूरे झारखंड राज्य के बीआरपी-सीआरपी शोक संतप्त एवं मर्माहत हैं। बीआरपी-सीआरपी परिवार पुण्य आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करती है। ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। दुःख की इस घड़ी में ईश्वर उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति दे। हमारे लोकप्रिय शिक्षा मंत्री का कार्य सभी के लिए अनुकरणीय रहेगा। शोक संतप्त और श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। शोक व्यक्त करने वाले में धर्मेंद्र सोनी, उपेन्द्र ठाकुर, जीतेन्द्र मित्तल, दीनबंधु डे, संतोष कुमार, इम्तियाज अहमद, जावेद अंसारी, निधि गुप्ता,सीमा शर्मा, अनंत शर्मा, ओपन देवघरिया, सुशील कुमार, संजीव कुमार,संजय कुमार, अम्बिका शरण पांडेय, निशा प्रसाद,निशांत कुमार, महावीर साहू, सहवीर महतो,दीपक कुमार, श्याम सिंह,अंगद गुप्ता, अरविंद कुमार सहित सभी बीआरपी-सीआरपी जिला लोहरदगा के लोग शामिल है।

शिक्षा मंत्री के निधन से शिक्षा सुधार को झटका : झापसा

लोहरदगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री की असामयिक निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर फैल गयी है । सहसा विश्वास करना मुश्किल हो रहा है कि शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो अब हमारे बीच में नहीं रहे । झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र सुमन , महासचिव प्रेम प्रसाद राणा ,सचिव मुमताज अहमद, उपाध्यक्ष मनोज पांडेय और कोषाध्यक्ष लीलावती मिंज, कादिर अंसारी, मंजीत लाल यादव ने निधन की खबर पाकर गहरा दुःख प्रकट करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया । शिक्षक नेताओं ने उनके साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा कि मंत्री जी हमेशा शिक्षा में सुधार के लिए क्रियाशील रहते थे । जब भी उनसे मुलाकातें होती थी तो वो हमेशा यही कहते थे कि झारखंड के गरीब गुरूबा के बच्चे सरकारी विद्यालय में पढ़ते हैं और उन्हें बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए हम वचनबद्ध हैं। उन्होंने पारा शिक्षकों को समाज में सम्मान बढ़ाने के लिए नियमतीकरण और सहायक अध्यापक का तमगा देकर शिक्षकों का मनोबल को बढाने का काम किया। विद्यालयों में आचार्य की नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त करने के लिए कड़ी मेहनत किया।हर बच्चे को आसान शिक्षा मिल सके इसके लिए युक्तिकरण के नाम पर बंद विद्यालयों को फिर से चालू करने का भी आदेश दिया। मंत्री जी का शिक्षा प्रेम जगजाहिर था। उन्होंने खुद बड़ी उम्र में इंटरमीडिएट का एग्जाम लिखकर समाज को बखुबी यह मैसेज दिया कि पढ़ाई के लिए कोई उम्र की सीमा नहीं होती अपितु पढ़ाई जरूरी है । उनके आकस्मिक निधन से झारखंड के शिक्षक , कर्मचारी, समग्र शिक्षा कर्मी, बीआरपी ,सीआरपी, समस्त परियोजना कर्मी भी निशब्द हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं।

स्वास्थ्य विभाग को तीन राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया

सत्यकाम

लोहरदगा। डब्ल्यूएचओ और राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से गुरुवार को रांची के रेडिएशन ब्लू में आयोजित कार्यक्रम में लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग को तीन राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। सिविल सर्जन संजय कुमार सुबोध लोहरदगा व एनसीडी के जिला प्रोग्राम सहायक आलोक कुमार को पुरस्कार दिया गया। झारखंड के एसीएस सह स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अरुण कुमार सिंह ने लोहरदगा सिविल सर्जन संजय

कुमार सुबोध को पुरस्कार दिया। इस संदर्भ में सिविल सर्जन संजय कुमार सुबोध ने बताया कि, एनसीडी (नन कम्युनिकेबल डिजीज) की जांच और स्क्रीनिंग करने के कार्य में लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग पूरे राज्य में अव्वल रहा है। इसके लिए राज्य स्तर पर लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग को प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया है। बताया कि सीबीएसी स्वास्थ्य कार्यक्रम में लोहरदगा जिले को पूरे राज्य में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस स्वास्थ्य कार्यक्रम में एक व्यक्ति का पूरा स्वास्थ्य डाटा चार पन्नों में भरकर ऐप में एंट्री किया जाता है। झारखंड राज्य स्तर पर चलाया जा रहा पांच स्वास्थ्य कार्यक्रम में ओवरऑल परफॉर्मेंस के लिए लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग को तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ है। राज्य स्तर पर तीन पुरस्कार प्राप्त करने के बाद लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी गौरवान्वित हैं। उल्लेखनीय है कि, नीति आयोग द्वारा पिछले दिनों भारत देश के 112 आकांक्षी जिलों में किया गया डेल्टा रैंकिंग में लोहरदगा स्वास्थ्य विभाग को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ था। इधर, राज्य स्तर पर तीन पुरस्कार प्राप्त करने पर सिविल सर्जन संजय कुमार सुबोध को बधाई देने वालों का तांता लगा है।

एटीएम बना हाथी दांत कभी खुलता ही नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड स्थित एकमात्र भारतीए स्टेट बैंक एवं उसके सहयोगी झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक में कई दिनों से कैश की कमी बनी हुई है। जिसके कारण ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताते चले की गुड फ्राईडे एवं चल रहे रमजान के महीना में भी ग्राहको को प्रखंड के एकमात्र बैंक द्वारा कैश भुगतान नहीं किए जाने से ग्राहक परेशान है। इतना तक की बिमारी के ईलाज में अन्यथा बहुत जरूरी रहने पर भी अपना पैसा रहते लोग अपनी राशि नही निकाल पा रहें हैं।ग्राहक द्वारा कैश मांगने पर बैंककर्मी के द्वारा राशि नहीं रहने की बात कह कर पल्ला झाड़ लिया जाता हैं। बैंककर्मियों की मानें तो बैंक में राशि की किल्लत अभी आगे भी बनी रहने की पूरी संभावना है क्योकि कैश लाने के लिए फोर्स नहीं मिलने से कैस नहीं लाया जा सका है।

कांग्रेस के युवा नेता अजीत पाल कुजूर ने इसका निदान करने की मांग प्रशासन से की है,अन्यथा आक्रोशित होकर यंहा कि जनता चरणबद्ध आंदोलन चलाने की बात कही है।

आजसू पार्टी ने निकाली जन आक्रोश रैली

लातेहा (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित पांडेय के नेतृत्व में दिन गुरुवार को जन आक्रोश रैली निकली गई। यह रैली बाजार टांड़ से आरंभ होकर थाना चौक मेन रोड होते हुए समाहरणालय परिसर पहुंची। सभा में तब्दील हो गई। इस दौरान अंचल को दलालों से मुक्त करो, जमीन की हेराफेरी बंद करो, भ्रष्टाचार को राजनीतिक संरक्षण देना बंद करो समेत कयी नारे जोर-सोर से लगाया गया। जहां रैली में सम्मिलित सभी लोगों ने हाथों में तख्ती पोस्टर लिए हुए एकदिवसीय धरना दिया गया। रैली का मुख्य एजेंडा अंचल कार्यालय में हो रहे व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आम जनता का आक्रोश था। वही सभा को संबोधित करते हुए आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित पांडे ने बताया कि अंचलों में कोई भी कार्य बिना दलाली के नहीं हो पा रही है । इस सरकार में अंचल अधिकारियों का इतना मनोबल बढ़ गया है कि वे सीधे तौर पर रजिस्टर टू जैसे दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर रहे हैं।

बिजली संपर्क से झुलसा युवक को केंद्रीय महावीर मंडल और सनातनी ने किया सहयोग

सेन्हा-लोहरदगा(आजाद सिपाही)। रामनवमी मेला आयोजन के दौरान शनिवार को 11 हजार वोल्ट बिजली के संपर्क में आने से कार्यकर्ता बुरी तरह झुलस गया था। जिसे आनन फानन में केन्द्री महावीर मंडल सेन्हा एवं प्रखंड प्रशासन के पहल से इलाज हेतु भर्ती कराया गया था। जो अभी भी देवकमल अस्पताल रांची में इलाजरत है। परिवार का आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण केंद्रीय महावीर मंडल सेन्हा के पहल से सनातनी एवं रामभक्तों द्वारा आर्थिक सहयोग किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बता दें कि सामाजिक कार्य के दौरान हुई हादसा में घायल युवक सेन्हा निवासी प्रकाश महतो के पुत्र मनोज कुमार को जल्द स्वस्थ होने के लिए तमाम हिन्दू संगठन के समाजसेवी द्वारा आवश्यकता के अनुसार सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इसी दौरान सेन्हा थाना प्रभारी भी घायल युवक को जल्द स्वस्थ होने का कामना करते हुए आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

भाजपा ने मनाया 44 वां स्थापना दिवस

मनिका (आजाद सिपाही)। लातेहार जिला के मनिका प्रखंड स्थित दिन मंगलवार को भाजपा के 44 वां स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर दिन गुरुवार को पार्टी के द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी के लोग अपने अपने घर पर झंडा लगाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन ओबीसी जिला सोशल मीडिया प्रभारी अमरदीप कुमार के आवास में सुना गया। इस कार्यक्रम मेंभाजपा जिला सह पूर्व विधायक हरे कृष्ण सिंह, भाजपा जिला मंत्री धुव्र पांडे, एसटी मोर्चा जिला महामंत्री संदीप उरांव, वही भाजपा के जिला अध्यक्ष ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी का 44 वहां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस पार्टी का यह स्वरूप की रचना रचने वाले डॉक्टर श्याम प्रसाद मुखर्जी एवम पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो अखण्ड भारत और सनातन धर्म के मानने वाले लोगो के लिए जो रूप रेखा तैयार की थी, उसे आगे बढाते हुए श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी,और मुरली मनोहर जोशी जी के नेतृत्व भाजपा को यह मुकाम पर पहुँचाया की भारतीय जनता पार्टी आज देश के सम्पूर्ण क्षेत्र में अपनी उपष्ठिति दर्ज कर पायी है।उन्होंने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी के नेतृत्व में देश मे चारो ओर अपना परचम लहरा रही है।

भाजपा का 44 वां स्थापना दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी लोहरदगा 44वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला अध्यक्ष मनीर उराँव के द्वारा बख्शिडिपा स्थित जिला भाजपा कार्यालय में झंडारोहण किया गया। कार्यकताओं ने अपने अपने घरों पर झडा लगाने का कार्य किया। कार्यालय के आयोजित कार्यक्रम में मौके पर जिले के जनसंघ काल के वरिष्ठ नेता पूर्व जिला अध्यक्ष ब्रजबिहारी प्रसाद, विनोद राय उपस्थित थे। झंडोत्तोलन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थापना दिवस पर संबोधन कार्यक्रम को पार्टी कार्यालय में टेलीविजन पर देखा गया। आगामी 11 अप्रैल को होने वाली हेमंत हटाओ झारखंड बचाओ सचिवालय घेराव कार्यक्रम को लेकर संयोजक जिला उपाध्यक्ष सूरज मोहन साहू, वाहन व्यवस्था प्रमुख जिला महामंत्री राजकुमार वर्मा एवं ओम प्रकाश गुप्ता को बनाया गया। दीवार लेखन कार्यक्रम की जिम्मेवारी नगर और ग्रामीण मंडल युवा मोर्चा, किस्को अनुसूचित जाति मोर्चा, कुड्डु व कैरो मंडल

ओ.बी.सी मोर्चा,सेन्हा मंडल किसान मोर्चा,पेशरार मंडल अनिल उरांव, भंडरा मंडल विवेक सोनी को दी गयी।

इस मौके पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष जितेंद्र महतो के नेतृत्व में जनसंघ काल के कार्यकर्ता ब्रजबिहारी प्रसाद, उमेश कास्यकार, विनोद राय, राजकिशोर महतो को प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी राजेश महतो की उपस्थिति में पुष्पगुच्छ और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित नीरज कुमार हर्षनाथ महतो, बृजनंदन यादव, उमेश कास्यकार अमर भगत, राजू कुशवाहा सहित अन्य शामिल थे।

पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को मिलता है 500 रुपये : विजय

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा । टीबी यानी तपेदिक अब जानलेवा बीमारी नहीं है। इस बीमारी का सरकारी अस्पतालों में निशुल्क जांच होती है। यहां तक कि इस बीमारी से पीड़ित रोगियों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता भी मिलती है। हालांकि जागरूकता की कमी से कुछ ग्रामीण ऐसे हैं जो टीबी होने के बावजूद नीम हकीम और झोला छाप डाक्टरों से इलाज करा रहे हैं। जिला क्षय रोग अधिकारी विजय कुमार महतो ने बताया कि टीबी मरीजों का इलाज क्षय रोग विभाग की निगरानी में निशुल्क इलाज चल रहा है। टीबी के इलाज के

लिए किसी गरीब को कर्ज लेने की जरूरत नहीं है। निक्षय पोषण योजना के तहत मरीजों के बैंक खाते में इलाज जारी रहने तक प्रति माह 500 रुपये की सहायता राशि बेहतर पोषण के लिए भेजी जाती है। इस दौरान पीरामल स्वास्थ्य के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सुधीर कुमार राय ने टीबी बीमारी के लक्षण, जांच एवं ईलाज के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो हफ्ते से अधिक खांसी, वजन कम होना, रात में पसीना आना, भूख नहीं लगना, सीने में दर्द होना, बुखार होना, खांसी के साथ बलगम और खून आने पर तुरंत अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर जाकर बलगम का जांच कराएं। उन्होंने बताया कि टीबी की जांच एवं ईलाज बिल्कुल मुफ्त है। टीबी रोग से ग्रसित व्यक्ति से घर के अन्य सदस्य को भी टीबी रोग होने की सभावना बढ़ जाती है । इस मौके पर डॉक्टर संजय कुमार,साजिद आलम,मुकेश गुप्ता,संदीप भगत सहित अन्य लोग मौजूद थे ।

नवनियुक्त बीएलओ और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया

बारियातू (आजाद सिपाही) । प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लातेहार के निर्देशानुसार गुरूवार को नवनियुक्त बीएलओ व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण मे सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में नवनियुक्त बीएलओ पर्यवेक्षक एवं बीएलओ मास्टर ट्रेनर कुशध्वज कुमार व आलोक कुमार दुबे ने उक्त सभी को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण मे मतदाता सूची मे सुद्धिकरण करने के लिए फॉर्म 6 मे नाम जोड़ने, फॉर्म एक से नाम सुधार सहित फोटो नाम पता सुधारने के लिए प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया गया। उपस्थित सभी बीएलो ने अपने अपने मोबाइल से गाडूरा ऐप के माध्यम से प्रेटिकल भी किया। प्रशिक्षण के दौरान झारखंड के शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो की निधन की बात सुनकर सभी आश्चर्य चकित रह गए और शोक व्यक्त करते हुए प्रशिक्षण से छुट्टी कर दी गयी। मौके पर पर्यवेक्षक विमला कुमारी, मधुबाला देवी, सविता देवी, सुषमा देवी, अनीता देवी सहित कई बीएलओ पर्यवेक्षक एवं बीएलओ उपस्थित रहे।

नये सत्र में किताबों के दाम से अभिभावक परेशान

चार से सात हजार रुपये की आ रही हैं किताबें

रवि कुमार गुप्ता

बरवाडीह। स्कूलों में नया सत्र शुरू होते ही अभिभावकों की परेशानी बढ़ गयी है। एक से दो माह की फीस के साथ स्कूलों में डेवलपमेंट फीस के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम भरनी है तो कॉपी-किताब भी खरीदना है। कॉपी-किताब का सेट इतना महंगा है कि उसे खरीदने में अभिभावकों के पसीने निकल जा रहे हैं। कयी निजी स्कूलों में तो पहली व आठवीं कक्षा की किताबों का सेट चार से सात हजार रुपये पड़ रहा है। उधर, प्रशासन और शिक्षा विभाग इस लूट पर चुप्पी साधे हुए हैं। इन दिनों सभी पुस्तक विक्रेताओं के यहां लंबी लाइनें लग रहीं हैं। बरवाडीह

के अलावा छिपादोहर, लेदगाई, खुरा, कुटमु, बेतला,समेत पूरे प्रखण्ड क्षेत्र के लोग बच्चों की किताबें खरीदना पांच से छः चुनिंदा दुकानों पर पहुंच रहे हैं। स्कूलों द्वारा तय निजी प्रकाशकों की किताबें एनसीईआरटी की किताबों से चार गुना तक महंगी हैं। एनसीईआरटी की 256 पन्नों की एक किताब 110 रुपये की है जबकि निजी प्रकाशक की 167 पन्नों की किताब 305 रुपये में मिल रही है। अभिभावकों का भी यही सवाल है कि ऐसी कौन की किताबें स्कूल पढ़ा रहा है जो 500 से 600 रुपये में मिल रहीं हैं। इतनी महंगी तो बीए-एमए की किताबें भी नहीं आतीं। उधर, शिक्षा विभाग कह रहा है कि महंगी किताबों को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। एक दुकान पर कक्षा 2 की किताबें खरीदने आए एक अभिभावक ने

> अभी तक कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत आने पर मामले की गंभीरता से जांच की जायेगी।
>
> प्रिंस कुमार, डीइइओ

बताया बच्चे की किताबों का सेट 3500 रुपये का मिला है। इसमें कई ऐसी पुस्तकें हैं जिन्हें स्कूल में केवल टर्म 1 की परीक्षा से पूर्व कुछ दिन के लिए पढ़ाया जाएगा। लगभग 300 रुपये की अंग्रेजी की कहानियों की किताब में से पेपर में केवल पांच अंकों का प्रश्न आता है।

खुद अध्यापक हूं, स्कूलों की लूट को समझता हूं

शहर के एक नामी स्कूल की कक्षा-4 की किताबें खरीदने आए एक अभिभावक ने बताया विद्यालय अपनी मनमानी कर फिजूल की चीजें लेने के लिए मजबूर करते हैं। वह खुद एक अध्यापक हैं इसलिए स्कूल में उपयोग में लाई जाने वाली चीजों के बारे में जानते हैं। उन्होंने बताया, व्याकरण, कॉम्पैक्ट, ग्राफ बुक, आदि ऐसी चीजें है जो पूरे साल कहीं नहीं लगतीं, फिर भी लेनी पड़ती हैं क्योंकि स्कूल कहता है। असाइनमेंट,व ग्राफ बुक लेते-लेते बिल हजारों में चला जाता है।

अभिभावकों के हित में कुछ नहीं कर रहा प्रशासन...

हर साल की तरह इस बार भी अभिभावकों का शोषण हो रहा है। स्कूल और निजी प्रकाशकों की दादागिरी पर प्रशासन भी चुप है और अभिभावकों के हित के लिए कुछ नहीं कर पा रहा। प्रशासन ने निर्देश जारी किए थे कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़ाई जाएंगी, पर कोई भी निजी स्कूल इसका पालन नहीं कर रहा। सब अपनी मर्जी से प्राइवेट पब्लिशर की किताबों की सूची अभिभावकों को थमा रहे हैं।

कुछ इस प्रकार है स्वर्ण कंपनी से करोड़ों की चोरी की दास्तान

गुमला (आजाद सिपाही)। जिस स्वर्ण कंपनी से पैसे उड़ाए गए थे उस कंपनी का नाम राधे इंटरनेशनल है। जो सोना के खुदरा व्यापारियों को सोना बेचती है। इस कंपनी के मैनेजर टेकचंद सोनी हैं। जो घटना के बाद आरोपियों का पीछा करते गुमला तक पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि उड़ीसा के राउरकेला छेंड का रहने वाला व्यक्ति विशाल मंडल दिल्ली के राधे इंटरनेशनल कंपनी के करोल बाग वाली ऑफिस में काम करता था। इसके हाथ से हमेशा कैश का लेनदेन होता था। विशाल ने जब यह भांप लिया कि यहां से कैश उड़ाया जा सकता है तब उसने राउरकेला से अपने दो साथियों को बुलाया। जिसमें एक फरीद और दूसरा कैफ था। विशाल मंडल ने दोनों को दिल्ली के पहाड़गंज स्थित एक होटल में ठहराया। पहले विशाल मंडल ने अपने दोनों साथियों को करोल बाग वाली कंपनी ऑफिस की रेकी कार्रवाई। टेकचंद सोनी को अपने परिवार में किसी सदस्य के तबीयत खराब होने के कारण घर जाना पड़ा था। इसलिए उसने विशाल को कैश देते हुए कहा कि कल मालिक लोग आएंगे तो यह पैसे बैंक में जमा करवाने है, उन्हें दे देना। उस समय कंपनी कार्यालय में विशाल के अलावा एक और व्यक्ति मौजूद था। विशाल ने उस व्यक्ति को गन्ने के जूस में नशे की दवा डालकर पिला दी। जिससे वह बेहोश हो गया। विशाल ने राउरकेला से अपने दोनों दोस्तों को बुलाया सारे कैश बैगों में भरे गए। बैगों में भरे कैश को लेकर वह उस होटल में आए जहां वह ठहरे हुए थे। होटल से तीनों ने एक आटो लिया ऑटो से वे लोग आनंद विहार चले आए। आनंद विहार से तीनों ने बस पकड़ा और यूपी के रास्ते झारखंड पहुंचे। झारखंड के डाल्टनगंज पहुंच कर इन लोगों ने एक होटल में लगभग 2 घंटे विश्राम किया। पंद्रह सौ रुपए होटल का किराया भुगतान करके वे लोग गुप्ता बस में बैठे। और राउरकेला के लिए चल पड़े। लेकिन इन्हें पता नहीं था कि दुर्भाग्य उनका पीछा कर रहा है। कंपनी के मैनेजर टेकचंद सोनी को जैसे ही यह आभास हुआ वह इन लोगों का पीछा करना शुरू कर दिया। सबसे पहले उसने कंपनी के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को खंगाला। उसके बाद वहां से सीधे आनंद विहार आया। आनंद विहार में उसे पता चला कि तीनों आरोपी बस के द्वारा यूपी के रास्ते निकले हैं। टेकचंद सोनी अपने एक साथी के साथ फ्लाइट से बनारस पहुंचे। उसे लगा कि रस्ते में तीनों कहीं रुके जरूर होंगे। वो भाड़े की कार से डाल्टनगंज पहुंचे। डाल्टनगंज के उस होटल में भी टेकचंद ने दस्तक दी जहां वे तीनों रुके थे। वहां होटल के मैनेजर ने बताया कि यह तीनों अभी से 2 घंटा पहले यहां से निकले हैं। टेकचंद ने फौरन थाना को इसकी सूचना दी। सूचना पाते ही पुलिस हरकत में आई और समय के अनुसार गुमला पुलिस ने घाघरा गुमला और पालकोट तीन जगहों पर चेकनाका लगाया। तबतक घाघरा थाना से बस निकल चुकी थी। गुमला पहुंचते ही पुलिस ने गुमला पॉलिटेक्निक के समीप बस को रोका और वहां से पैसों भरा बैग बरामद कर लिया। जिसमें फरीद को भी पुलिस ने हिरासत में लिया।

चैनपुर पुलिस ने छापामारी कर 50 लीटर अवैध महुआ शराब और जावा महुआ किया नष्ट

चैनपुर (आजाद सिपाही)। चैनपुर पुलिस ने गुरुवार को मुख्यालय के प्रेमनगर, चर्च रोड, बाजार टांड़ सहित कई जगह छापेमारी कर 50 लीटर से अधिक महुआ शराब एवं जावा महुआ को नष्ट कर दिया। गुरुवार को चैनपुर में सप्ताहिक बाजार लगता है। इस दिन भारी मात्रा में महुआ शराब की बिक्री की जाती है। पुलिस द्वारा की गयी इस कार्रवाई से शराब विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है। मौके पर चैनपुर थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने सभी शराब बिक्रेताओं को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग शराब बनाते या बिक्री करते हैं वे सुधर जाएं। अगली बार शराब बनाते या बिक्री करते पकड़े जाते हैं तो उनके उपर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आपके द्वारा शराब की बिक्री की जाती है जिसका शिकार कम उम्र के नौजवान हो रहे हैं। आपके द्वारा बनाकर बेचने वाले शराब को पीकर आए दिन क्षेत्र में सड़क दुर्घटना हो रही है। जिसके कारण पढ़ने-लिखने वाले नौजवान दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। छापामारी अभियान में मुख्य रूप से थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, एसआई आलोक कुमार सहित चैनपुर थाना के जवान मौजूद थे।

बीडीओ ने घाघरा प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों और विकास कार्यों का किया निरीक्षण

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा बीडीओ विष्णु देव कच्छप ने गुरुवार को घाघरा प्रखंड क्षेत्र के कई विद्यालय, आंगनबाड़ी सेंटर, हेल्थ सेंटर व विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस क्रम में खटंगा, परसाटोली, स्कूल आंगनबाड़ी सेंटर, गम्हरिया हेल्थ वैलनेस सेंटर, गम्हरिया व टोटाम्बी स्थित राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय में बन रहे चाहरदीवारी का निरीक्षण किया। साथ ही ठेकेदार को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसके साथ ही आंगनबाड़ी सेंटर में बच्चों को बेहतर सुविधा को लेकर भी कई दिशा निर्देश दिये गये। इसके अलावे विद्यालय में बच्चों के खानपान सहित कई चीजों की जानकारी भी श्री कच्छप ने ली। मौके पर बीडीओ विष्णु देव कच्छप ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के कई जगह पर विकास कार्यों का जायजा लिया गया। साथ ही विद्यालय हेल्थ वैलनेस सेंटर आंगनबाड़ी सेंटरों का निरीक्षण किया गया, ताकि सरकार के द्वारा मिलने वाले सभी लाभ लोगों तक पहुंचे।

बैठक : जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में मुख्य अतिथि कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा

मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार में लिप्त मित्रों को बचाने के लिए राहुल गांधी पर की कार्रवाई

- 15 अप्रैल को गुमला में जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम में 25 हजार कार्यकर्ता होंगे शामिल
- पूर्व शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर कांग्रेसजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर दी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला के रौनियार भवन सभागार में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक जिला अध्यक्ष चैतू उरांव की अध्यक्षता में की गई। बैठक से पूर्व शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर कांग्रेस जनों ने दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी।

बैठक में उपस्थित जिले के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कार्यकारी कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बंधु तिर्की ने कहा कि आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल करना ही आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य है। विगत दिनों कांग्रेस पार्टी के सर्वोच्च एवं सर्वमान्य नेता राहुल गांधी पर एक साजिश के तहत मानहानि के केस में केंद्र की मोदी सरकार ने सजा दिलाकर संसद की सदस्यता को आनन-फानन में रद्द करा दिया, ताकि भ्रष्टाचार में लिप्त अपने खास पूंजीपति मित्रों को बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी 15 अप्रैल को गुमला में जय भारत सत्याग्रह का कार्यक्रम तय है। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी अविनाश पांडे, प्रभारी मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव समेत कई मंत्री भी उस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से हमारे नेता राहुल गांधी पर जो अन्याय हुआ है उसके खिलाफ पूरी ताकत के साथ कार्यक्रम में कम से कम 25 हजार की संख्या में कार्यकर्ताओं को शामिल करने का काम करेंगे।

जिला प्रभारी अजय नाथ शहदेव ने कहा कि 2024 के आम चुनाव को केंद्र में रखकर अभी से पूरी तत्परता के साथ कार्यकर्ताओं को मेहनत करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार की नाकामियों को आम जनता तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

जिलाध्यक्ष चैतू उरांव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है। मोदी सरकार गैर भाजपा शासित सरकार को बेवजह अस्थिर करने का काम कर रही है। विपक्षी नेताओं पर ईडी, सीबीआई, आईटी का भय दिखाकर बेवजह परेशान करने का काम कर रही है।

विधानसभा प्रभारी जगदीश भगत ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या करने का प्रयास हो रहा है। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित मुरली मनोहर प्रसाद, मानिक चंद साहू, चुन्नू उरांव, रामनिवास प्रसाद, फिरोज आलम, संतोष गुप्ता, निशांत दुबे, राजीव रंजन महतो, तरुण गोप, मो. शादाब, सुजीत जयसवाल, गुलाम सरवर, विष्णु राम, मो. खालिद, अल्बर्ट तिग्गा, अजीत केरकेट्टा, मो. मुख्तार, कादिर अली, भैया राम उरांव, शाहिद वारसी, राजेंद्र मांझी, बुद्धेश्वर उरांव, विजय उरांव, फूलमती, क्रिकेटर पुष्पा लकड़ा, शिवकुमार राम, क्रिस्टीना तिर्की, जासमीन लुगुन, वीरेंद्र साहू, दुर्गा जी, आशीष नाथ शाहदेव, दिनेश गोप, मुख्तार आलम, किरण एक्का, दिलबहार अंसारी, कमला उरांव, निरंजन बाड़ा, मोहन भगत, रजनी, भुनेश्वर राम, राजेश टोप्पो, रघुनंदन प्रसाद, अमृता भगत, शाहजहां अंसारी, पतितपोवन शाही, रामकिशन बड़ाईक, सलीम टोप्पो, रघु क्रिकेटर, प्रेम कुमार लोहरा, पीटर कुजूर, मुन्ना इंदवार, प्रेमचंद भगत आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री के निधन पर विभिन्न प्रखंडों में शोकसभा

- चैनपुर प्रखंड झामुमो कार्यकर्ताओं ने किया शोक व्यक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर । झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर चैनपुर प्रखंड जेएमएम सहित कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। दुख व्यक्त करने वालों में एफरेम कुजूर, प्रमुख ओलिभा कांता कुजूर, बजरंग कुमार, निशांत रोनाल्ड टोप्पो, अनूप मिंज, राहुल कुमार, नीलेश एक्का सहित कई झामुमो शामिल हैं। इधर मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन पर चैनपुर प्रखंड कार्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। मौके पर बीडीओ डॉ शिशिर कुमार सिंह सहित पदाधिकारियों एवं प्रखंड कर्मियों ने दो मिनट मौन रखकर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिशुनपुर

शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन प्रखंड कार्यालय सहित तमाम सरकारी कार्यालयों में छुट्टी कर दी गयी। इस निमित्त प्रखंड कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जहां पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। जबकि तमाम स्कूलों में भी श्रद्धांजलि सभा के बाद छुट्टी कर दी गयी। इधर जगन्नाथ महतो के निधन पर प्रखंड के जेएमएम कार्यकर्ताओं ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में गुरुदेव उरांव, मनोज उरांव, सूर्यकांत भगत, विजय उरांव सहित कई लोग शामिल हैं।

बसिया

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर प्रखंड सह अंचल कार्यालय बसिया में बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व में शोक सभा आयोजित कर कार्यालयों में छुट्टी दे दी गयी। शोक व्यक्त करने वालों में सिसई विधायक जिगा सुसारण होरो, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष सुकरात उरांव, जिप सदस्य बसंती डुंगडुंग, उमेश नाग, मुखिया संघ की अध्यक्ष एमलेन कुल्लू, विकास इंदवार, पीसी बड़ाईक, कांग्रेस के वरीय नेता रोशन बरवा, सुशील कुमार होता पप्पू, उपप्रमुख इंदुमती देवी, अरुण मिश्रा, विकास साहू, भाजपा के राजकुमार गुप्ता, संदीप चौधरी, जगदंबा साहू, अमर पांडेय, अमित बघवार, विनोद भगत, अलीम खान, मृत्युंजय नाग, मुमताज खान, किशन साहू, निकोलस मुंडा, शैलेश साहू, तिजु साहू समेत प्रखंड के अनेक गण्यमान्य लोग एवं पदाधिकारी शामिल हैं।

सरस्वती विद्या मंदिर में शोकसभा आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन की सूचना से सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला अत्यंत मर्माहत है। विद्यालय प्रांगण में समस्त आचार्यों, भैया बहनों एवं कर्मचारियों ने शोकसभा आयोजित कर दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव कुमार सिन्हा ने उनके निधन को शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बतलाया। कहा विद्यालय परिवार दिवंगत के परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है।

निरीक्षण : उपायुक्त ने पालकोट प्रखंड क्षेत्र का दौरा कर क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं का लिया जायजा, कहा

पर्यटन स्थल गोबर सिल्ली का किया जायेगा सौंदर्यीकरण

- उपायुक्त ने पर्यटन स्थल की भूमि में लेमन ग्रास लगाने का निर्देश दिया, जिससे आसपास हरियाली भी देखने को मिलेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। उपायुक्त सुशांत गौरव ने गुरुवार को पालकोट स्थित पर्यटन स्थल गोबर सिल्ली का निरीक्षण किया। जिले के प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र में से एक गोबर सिल्ली की खूबसूरती वहां का पहाड़ है, जो पर्यटकों का आकर्षण का केंद्र है। वहां की सुविधाओं को दुरूस्त करना एवं योजनाबद्ध तरीके से सौंदर्यीकरण करने से उक्त स्थान की खूबसूरती और अधिक बढ़ जाएगी। जिसे समझते हुए आज उपायुक्त ने पूरे क्षेत्र का जायजा लिया एवं वहां की आवश्यकताओं से अवगत हुए। इस दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम वहां की मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने की बात कही। उपायुक्त ने वहां शौचालय निर्माण करने, पानी की व्यवस्था के लिए हेतु डीप बोरिंग करने, आसपास के क्षेत्र को पर्यटन के दृष्टिकोण के रंग रोगन कराने हेतु बीडीओ पालकोट, कार्यपालक अभियंता स्पेशल डिवीजन एवं जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी को समन्वय स्थापित करते हुए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने वहां की भूमि में लेमन ग्रास लगाने का निर्देश दिया, जिससे आसपास हरियाली भी देखने को मिलेगी। साथ ही लेमन ग्रास की खुशबू से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा एवं लेमन ग्रास से कीड़े मच्छर एवं जानवर भी परेशान नहीं करेंगे। उन्होंने जल्द से जल्द लेमन ग्रास लगाने का कार्य प्रारंभ करने को कहा। वहीं छोटे छोटे चट्टानों के बीच भी अच्छी घास लगाते हुए उक्त स्थान को हरा भरा बनाने की बात कही।

उपायुक्त ने वहां ट्रैकिंग प्वाइंट बनाने, हाई मास्ट लाइट लगवाने, बैंबू पेंट करने, तोरण द्वार बनाने, कूड़ेदान लगाने, सीसीटीवी कैमरा लगाने आदि का भी निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि गोबर सिल्ली को एक नया अवतार दिया जाएगा। जहां पर्यटकों को हर प्रकार की प्राथमिक सुविधाएं प्राप्त होंगी। उन्होंने कहा कि गोबर सिल्ली में योजनाबद्ध तरीके से बदलाव किया जाएगा। जिससे प्रकृति एवं आसपास के जानवरों को किसी प्रकार का नुकसान न हो। साथ ही पर्यटकों को हर एक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों उसका भी ध्यान रखा जाएगा। कार्य योजना तैयार होते ही अविलंब कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस दौरान जिला खेल पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता, कार्यपालक अभियंता स्पेशल डिवीजन के अलावा अन्य संबंधित उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

भाकपा (माले) रेड स्टार एवं झानद ने हालात बदलो संदेश यात्रा के तहत की नुक्कड़ सभा

घाघरा (आजाद सिपाही)। भाकपा (माले) रेड स्टार एवं झारखंड नवनिर्माण दल द्वारा हालात बदलो संदेश यात्रा के तहत घाघरा प्रखंड स्थित चांदनी चौक के पास पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत जुमलेबाज केंद्र व राज्य सरकार होश में आओ नारे के साथ नुक्कड़ सभा आयोजित की गई। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह ने देश व राज्य में जाति धर्म की आड़ में हो रही राजनीति को बदहाली का जड़ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार, महंगाई, बेरोजगारी, कालाबाजारी व जुमलेबाजी से देश कमजोर हो रहा है। स्थानीय सांसद और विधायकों की कार्यशैली व उदासीनता का परिणाम है कि गुमला को रेल लाइन से जोड़ने व रोजगार विहीन गुमला-लोहरदगा जिला के सीमांत पर एल्युमिनियम कारखाना नहीं बन पाया। श्री सिंह ने जाति धर्म की राजनीति करने वालों को करारा जवाब देते हुए भाकपा माले व झारखंड नवनिर्माण दल को हर स्तर पर मजबूत बनाने की अपील की। पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रकाश उरांव ने कहा कि हूल दिवस 30 जून 2023 को जिला मुख्यालय गुमला में लोकसभा स्तरीय खुला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है, जिसकी तैयारी लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सभी पांचों विधानसभा क्षेत्र में आज के बाद तेज की जाएगी। पार्टी जिला समिति के सदस्य शिवप्रसाद नायक ने घाघरा बैंक ऑफ इंडिया में खाताधारियों को हो रही परेशानी को दूर करने के लिए राज्य सरकार से राष्ट्रीयकृत बैंक खोलने की मांग की। नुक्कड़ सभा का संचालन पार्टी के वरिष्ठ नेता आदित्य सिंह ने किया। जबकि कार्यक्रम में शिवप्रसाद साहू, रामप्यार तुरी, शिवप्रसाद नायक, धर्मपाल उरांव, वीरेंद्र तुरी, रीमिस उरांव, इंदर महतो, कहरु मुंडा, बंधन लोहरा, महावीर उरांव, लहुरा महतो के अलावा काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर अंजन धाम में हुआ भव्य कार्यक्रम

गुमला (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय से महज 21 किलोमीटर दूर अंजन धाम में गुरुवार को श्री हनुमान जन्मोत्सव पर वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़ उड़ीसा से हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। बजरंग दल के प्रांतीय संयोजक दीपक ठाकुर प्रांत सुरक्षा प्रमुख मनोज कुमार सहित कई अतिथियों ने पूजा-अर्चना की और क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की। वही गुफा में सर्व देव का दर्शन कर लोगों ने परिवार सहित क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की। वही अंजन धाम मंदिर विकास समिति रांची सहित स्थानीय समिति के द्वारा कई जगहों पर भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया वहीं दूसरी ओर अखंड हरी कीर्तन का आयोजन किया गया। मुख्य मंदिर से 5 किलोमीटर पहले अंजन धाम में ग्रामीणों के द्वारा भी भंडारा और सामूहिक पूजन का कार्यक्रम आयोजन किया गया। सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही मंदिर परिसर जय श्री राम जय हनुमान भोलेनाथ के जयकारे से गूंजता रहा। मंदिर परिसर में साधुओं संतों की भी भीड़ देखी गई।

स्टार डीपीएस के छात्र ने फांसी लगा कर की आत्महत्या

गुमला (आजाद सिपाही)। स्टार डिपीएस स्कूल के आठवीं कक्षा के छात्र 12 वर्षीय पुत्र कृष्णा जोय मिंज ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जिले के बिशनपुर थाना अंतर्गत कटिया गांव निवासी गुलशन भगत के 12 वर्षीय पुत्र कृष्णा जोय मिंज ने बुधवार की रात्रि घर में फांसी लगाई थी। घटना की सूचना पर गुरुवार की सुबह पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया तत्पश्चात शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल पहुंचाया वहीं सदर अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है बताया जाता है कि छात्र अपने पिता के साथ सरूरनगर करम टोली में रहता था बुधवार की शाम खाना खाने के बाद वह सोने चला गया गुरुवार की सुबह जब परिजन स्कूल जाने के लिए किशोर को उठाने गए तो उसमें दरवाजा नहीं खोला किसी अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने दरवाजा तोड़ा इस पर पाया गया कि किशोर ने रस्सी के सहारे फांसी लगा ली है और उसकी मौत हो चुकी है इधर घटना के बाद से परिजनों में मातम है वहीं पुलिस की टीम पूरे मामले की जांच में जुटी है।

बसिया प्रखंड अंतर्गत आर्या और तुकई में स्कूल घेराबंदी कार्य में बरती गयी अनियमितता की अधिकारियों ने की जांच

- 2 से 3 दिनों के अंदर उपायुक्त को जांच रिपोर्ट समर्पित की जायेगी : बीडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। प्रखंड अंतर्गत आर्या और तुकई में सरकारी स्कूल घेराबन्दी निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग करने की शिकायत गुमला उपायुक्त से करने के उपरांत गुमला उपायुक्त सुशांत गौरव के निर्देश के बाद गुरुवार को बसिया एसडीओ संजय पीएम कुजूर, बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता समेत सहायक अभियंता और कनीय अभियंता के द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गयी। इस संबंध में बीडीओ रविन्द्र कुमार गुप्ता ने बताया कि बसिया एसडीओ के नेतृत्व में सहायक और कनीय अभियंता और उनके द्वारा निमार्णाधीन चारदीवारी की जांच बारीकी से जगह जगह दीवाल को तोड़कर की गयी। दो-तीन दिनों बाद तुकई स्थित सरकारी स्कूल घेराबंदी कार्य की जांच भी की जायेगी। साथ ही 2 से 3 दिनों के अंदर गुमला उपायुक्त को जांच रिपोर्ट समर्पित की जायेगी।

पेटीदार ठेकेदार का निकट सहयोगी मंडराता रहा जांच स्थल पर : गुरुवार को जब जांच टीम जांच करने आर्या स्थित स्कूल घेराबंदी निर्माणस्थल पहुंची तो पूरी जांच के दौरान जांचस्थल पर एक बिचौलिया की उपस्थिति सक्रिय रूप से देखी गयी। मालूम हो कि उक्त बिचौलिया का संबंध आर्या और तुकई के स्कूल घेराबंदी कार्य करा रहे स्थानीय पेटीदार ठेकेदारों से है। उक्त बिचौलिया जांच टीम द्वारा की जा रही जांच प्रक्रिया की सारी बातों से पेटीदार ठेकेदार को अवगत कराता रहा। हालांकि जानकारी के अनुसार जांचकर्ता पदाधिकारी द्वारा उससे उसकी उपस्थिति के बारे जानकारी लेने पर उसने बताया कि वही घेराबंदी कार्य की देखरेख कर रहा है।

आजाद सिपाही में प्रमुखता से प्रकाशित की गयी थी घटिया निर्माण संबंधित खबर

प्रखंड के आर्या और तुकई में सरकारी स्कूल घेराबंदी निर्माण कार्य में बरती गयी अनियमितता और घटिया सामग्री के उपयोग की खबर आजाद सिपाही अखबार में अनेकों बार प्रमुखता से प्रकाशित की गयी थी। जिसके बाद कार्य के घटिया निर्माण को छुपाने के उद्देश्य से ठेकेदार द्वारा जल्दबाजी में कार्य को पूर्ण करने की कोशिश की गयी ताकि जांच में लीपापोती की जा सके।

सिमडेगा से गुमला आकर मरीज के लिए किया रक्तदान

गुमला (आजाद सिपाही)। मिशन बदलाव सदस्य बुद्धेश्वर उरांव ने ग्राम हेठ जोरी पंचायत, कटरी थाना, जिला गुमला निवासी सुनील उरांव के लिए रक्तदान किया। बुद्धेश्वर उरांव ने बताया कि मरीज बहुत ही गरीब है, उसको दो यूनिट रक्त की जरूरत थी। उन्होंने बताया कि वे सिमडेगा पुलिस में कार्यरत हैं। दोपहर एक बजे जब ड्यूटी आये तो उन्हें इसके बारे में पता चला। फिर दोपहर 1:30 बजे वे सिमडेगा से निकल कर 3 बजे गुमला पहुंचे और सुनील उरांव को ब्लड दिया।

भाजपाइयों ने मनाया पार्टी का 44वां स्थापना दिवस, दर्जनों अल्पसंख्यकों ने थामा भाजपा का दामन

कार्यकर्ताओं के समर्पण-त्याग से ही भाजपा बनी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी : ईश्वर सागर चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्रामपुर नप मुख्यालय के बाजार परिसर स्थित सामुदायिक भवन में भाजपा का 43 वां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, रवींद्रनाथ उपाध्याय, डॉ बीपी शुक्ला व सांसद प्रतिनिधि अनुज कुमार पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद सभी भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्याम प्रसाद मुखर्जी व भारत रत्न पूर्व पीएम दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। समारोह की अध्यक्षता भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम व संचालन महामंत्री मनीष कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि भाजपा की स्थापना छह अप्रैल 1980 को हुई थी। स्थापना काल से ही नीति सिद्धांतो पर चलते हुए पार्टी देश के हर घर तक पहुंची। कार्यकर्ताओं के समर्पण और त्याग से ही आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। दूसरी ओर, कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम समाज के दर्जनों युवक भाजपा में शामिल हुए। सभी को माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया गया। चंद्रवंशी ने सभी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित भी किया। इस मौके पर विधायक के नगर प्रतिनिधि राजन पांडेय, प्रखंड प्रतिनिधि पंकज कुमार लाल, इदरीश हवारी, रामप्रवेश मैर्या, संजय ठाकुर, विकास कुमार चंद्रवंशी, सुरेंद्र भारती, धर्मेंद्र कुमार, उखमजी यादव, किरण देवी आदि मौजूद थे।

अल्पसंख्यक युवकों के साथ भाजपा नेता।

भाजपा में हुए शामिल

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में शमशेर अली अंसारी, रईस अंसारी, शाहिद अंसारी, समीम अंसारी, इसरार हवारी, शकील अंसारी, एनामुल हक अंसारी, कुदुश अंसारी, असगर अंसारी, कौसर अंसारी, सागिर अंसारी, मुस्लिम अंसारी और मदन राम शामिल है।

झारखंड सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो सभी जिलों में होगा आंदोलन: बीनू सिंह

बालू की किल्लत को लेकर इंटक ने निकाली जनाक्रोश बाइक-ट्रैक्टर रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधानसभा क्षेत्र समेत पूरे झारखंड में बालू की किल्लत को लेकर विकास कार्य प्रभावित है। मजदूर पलायन को बजबूर है। इस समस्या को लेकर इंटक के प्रदेश प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने हुसैनाबाद अनुमंडल मैदान से जनाक्रोश ट्रैक्टर बाइक रैली निकाली। दो किलोमीटर में बाइक, चार पहिया व ट्रैक्टर कतार में दिखे। इसके बाद बड़ेपुर उच्च विद्यालय के मैदान में एक दिवसीय धरना दिया गया। जिसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी हुसैनाबाद के मध्यम से मुख्यमंत्री, राज्यपाल व स्थानीय विधायक कमलेश कुमार सिंह के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बडेपुर मैदान में सभा को संबोधित करते हुए इंटक के प्रदेश महासचिव विनय कुमार सिंह उर्फ बीनू सिंह ने कहा कि बालू को लेकर लगातार दो वर्षो से हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र सहित संपूर्ण राज्य में भवन निर्माण व विकास कार्य प्रभावित है। लगातार ध्यान आकृष्ट कराने के बावजूद सरकार चुप्पी साधे हुए है। अब जनता, मजदूर, गाड़ी मालिक, दुकानदार सभी के सब्र का बांध टूट चुका है। इसी का परिणाम रैली में नजर आया। उन्होंने कहा कि सरकार के मुखिया बालू का अवैध कारोबार अपने अधिकारियों के मध्यम कराकर सरकारी खजाने में सेंध लगा रहे हैं। यह जनता के साथ बड़ा धोखा है। जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बहुत याचना कर चुके, अब रण के लिए जनता सड़क पर उतरने को बाध्य है। एक सप्ताह में बालू घाटों की नीलामी प्रकिया शुरू नहीं हुई तो झारखंड के सभी जिले में जनता सड़क पर उतरेगी। उन्होंने कहा कि विधायक कमलेश कुमार सिंह ने विधानसभा में चार बार बालू की समस्या को उठाया। पर सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। दूसरी ओर, झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर नीतू सिंह, मनान खान, गुड्डू सिंह, विनय पासवान, अब्बास अंसारी, अखिलेश कुमार सिंह, नरेश रजवार, ओमप्रकाश रजवार, सुहैल आलम, अरुण सिंह, धनंजय सिंह, सुनील राम, सरोज मेहता आदि मौजूद थे।

महा ट्रैक्टर रैली को संबोधित करते बिनू सिंह।

शिक्षा मंत्री के निधन पर जीसीपीए डिग्री कॉलेज में शोकसभा आयोजित कर दी गयी श्रद्धांजलि

छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। गुलाबचंद प्रसाद अग्रवाल कॉलेज सड़मा छतरपुर में गुरुवार को झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने कहा कि शिक्षा मंत्री कई दिनों से बीमार चल रहे थे। इलाज के दौरान उन्होंने गुरुवार को चेन्नई के एमजीएम अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनकी कमी झारखंड वासियों को हमेशा खलेगी। शोक सभा व्यक्त करने के बाद सरकार के आदेशानुसार कॉलेज में छुटी दे दी गई। इस मौके पर प्रो इंदु कुमारी, प्रो अपराजिता प्रकाश, प्रो अकलेश कुमार सिंह, प्रो राजकिशोर लाल, प्रो सुनीता कुजूर, प्रो रानी कुमारी, पंचम कुमार, जैलेश गुप्ता, योगेंद्र विश्वकर्मा, सफल कुमार, विद्यानंद, बालमुकुंद, मनोज, राजेश, संध्या, सुनील, आनंद, बबलू, आलोक ठाकुर, अंजरीना खाखा, रेजिना तिग्गा आदि मौजूद थे।

महुडंड पंचायत सचिवालय में वृद्धा पेंशन शिविर का आयोजन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र में महुडंड पंचायत सचिवालय में गुरुवार को विधवा, दिव्यांग व वृद्धा पेंशन शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लाभुकों की ओर से विभिन्न पेंशन योजनाओं के 70 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, मुखिया मिना देवी ने कहा कि महूडंड पंचायत में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि सरकार की योजनाओं से अधिक से अधिक ग्रामीण जनता लाभावित हो। साथ ही उन्होंने 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों से वृद्धा पेंशन योजना का लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने पंचायत वासियों से आग्रह किया है कि समन्वय बनाकर कार्य करें, सभी समस्या का निदान होगा। इस मौके पर युवा समाज सेवी सह मुखिया पति शिवशंकर यादव, पंचायत समिति रमेश पासवान,उप मुखिया राम बली यादव पंचायत सचिव उपेंद्र सिंह, रोजगार सेवक विजय कुमार राम, वार्ड सदस्य चिंता देवी, रामस्वरूप यादव आजसू नेता ओमप्रकाश रवि, गुड्डू पाल, विनोद परहिया आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जगरनाथ महतो की मौत पूरे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति: अविनाश देव

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम स्कूल के नावाहाता प्रांगण में गुरुवार को राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर शोभ सभा आयोजित किया गया। छात्रों-शिक्षकों ने संयुक्त रूप से उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि शिक्षामंत्री व डुमरी के विधायक जगरन्नाथ महतो कोरोना काल से ही बीमार थे। गुरुवार को चेन्नई के अपोलो अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। मैं इनके आवास पर मिला था। उत्तम स्वास्थ्य की कामना किये थे। हर दिल अजीज जगरनाथ महतो सभी से सहजता से मिलते थे। राजनीति के शुरूआती दौर से झारखंड मुक्ति मोर्चा के झंडा को बुलंद करने में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से लगे रहे। 56 वर्षीय जगरनाथ महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे। चार बेटी, एक बेटा पत्नी को जिम्मेदारी सौंप लंबी बीमारी के बाद इस दुनिया से विदा लिए। मूलतः बोकारो जिला के आलारगो गांव के रहने वाले थे। मात्र दसवीं तक ही शिक्षा पाई थी और हेमंत सरकार में शिक्षा मंत्री थे। झारखंड आंदोलनकारी के रूप में इनकी पहचान थी। इनके जुझारूपन के कारण लोग टाईगर कहा करते थे। स्थानीयता के आधार 1932 के सवाल पर गृहमंत्री से ठन गया था। पिछड़ो को 27 फीसदी आरक्षण के लिए अल्टीमेटम दिये थे। शिक्षा एंव बेहतर शिक्षा के लिए कड़े निर्णय के लिए जाने जायेंगे। इनकी मौत सिर्फ पार्टी व सरकार की क्षति नहीं है बल्कि जल, जंगल, जमीन, आदिवासी स्मिता एवं पूरे झारखडी कायनात की अपूर्णीय क्षति है। पूर्व की सरकारों में बंद पड़े स्कूलों को खोलने की दिशा में सकारात्मक प्रयास, पारा शिक्षकों का स्थायीकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए राज्य सदैव इन्हे याद रखेगा। उनकी आत्मा की शांति के लिए कामना करते हैं।

शिक्षा मंत्री के निधन पर कई शैक्षणिक संस्थानों में शोकसभा का आयोजन

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन पर विश्रामपुर के कई शैक्षणिक संस्थानों में शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संत तुलसीदास डिग्री कॉलेज सभागार आयोजित शोक सभा की अध्यक्षता प्राचार्य संतोष मिश्रा ने किया। मौके पर प्रो कृष्ण कुमार चौबे, रंजन दूबे, ज्योति कुमारी, डॉ श्याम मिश्रा, डॉ प्रमोद पासवान, अजय ओझा, रामजी चौबे, राकेश शुक्ला आदि थे। वहीं, विश्रामपुर नप मुख्यालय के रेड रोज पब्लिक स्कूल में भी शोक सभा आयोजित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कैंसर पीड़ित शिक्षिका की इलाज के दौरान दिल्ली में हुई मौत

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय अररुआ कलां के सहायक शिक्षक अनंत प्रसाद की 45 वर्षीय पत्नी कैंसर पीड़िता लालसा कुमारी की इलाज के दौरान दिल्ली के एक अस्पताल में मौत हो गई। वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थीं। दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा था। बुधवार को बटाने नदी घाट पर दाहसंस्कार कर दिया गया।

शिक्षा मंत्री के निधन पर हुसैनाबाद में शोकसभा आयोजित

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के आकस्मिक निधन पर हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को शोक सभा का आयोजन किया गया। जहां उपस्थित प्रखंड व अंचल कार्यालय के अधिकारियों व कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राजकीय शोक को लेकर सरकार द्वारा जारी पत्र के आधार पर दो दिवसीय शोक के तहत प्रखंड कार्यालय में छुट्टी दे दी गई। वहीं शिक्षा मंत्री के निधन पर कई सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय में भी शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर सीआई अशफाक अहमद, अंचल नाजिर, सुनील कुमार सिंह, मोहम्मद शमीम, सुदामा चौहान, राजू रंजन, वशिष्ठ तिवारी, उमेश कुमार, प्रशांत सिंह, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार आदि मौजूद थे।

जादू कोई मंत्र या टोना नहीं, बल्कि एक कला है: शिव शंकर प्रसाद

सतबरवा/ पलामू (आजाद सिपाही)। ज्ञान विज्ञान समिति झारखंड के कला जत्था टीम ने गुरुवार को सतबरवा प्रखंड के राजकीयकृत मध्य विद्यालय कासियाडीह के कैंपस में बच्चों, शिक्षक एवं उनके अभिभावक के बीच कई कार्यक्रम पेश किया। कलाकारों ने सर्वप्रथम 3 गीत गाया। इसके बाद कलाकारों द्वारा कई जादू का खेल दिखाया गया। इस दौरान ज्ञान विज्ञान समिति झारखंड के अध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने कहा कि जादू में कोई मंत्र या टोटका का प्रभाव नहीं रहता है, बल्कि जादू एक कला है। कोई भी व्यक्ति इस कला को सीख कर जादू दिखा सकता है। इसमें कोई जादू टोना नहीं होता है। वहीं, प्रधानाध्यापक गोविंद प्रसाद ने सभी कलाकारों का स्वागत करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से उपहार स्वरूप कलम और डायरी देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित होगी। इस मौके पर सहायक शिक्षिका रोजलीन एक्का, जोलजेनमिन, रूपा अनामिका मिश्रा एवं आईसीटी इंस्पेक्टर औरंगजेब खान आदि थे।

भाजपा के नेतृत्व में देश लगातार विकास की ओर अग्रसर : बबलू

हुसैनाबाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। शहर के खादी भंडार के समीप गुरुवार को किसान मोर्चा के अध्यक्ष उदय नाथ विश्वकर्मा के कॉम्प्लेक्स परिसर में गुरुवार को कार्यकर्ताओं ने भाजपा का स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रविंद्र कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह, रामप्रवेश सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्रवण कुमार, रामेश्वरम राम, नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता आदि ने पंडित दीनदयाल व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर के समक्ष पुष्ण अर्पित कर नमन किया। इसके बाद सामूहिक रूप से पार्टी के झंडे का ध्वजारोहण किया गया। रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा की अगुवाई में देश में सबका विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन हो रहा है। हर क्षेत्र में देश की तरक्की हो रही है, जो सराहनीय कदम है। इस दौरान पार्टी के कई पदाधिकारियों ने सभा को संबोधित कर विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने के लिए कार्यकर्ताओ के योगदान को सराहा। इस मौके पर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गुड्डू सिंह, राजेश कर्ण, सचिन आनंद, उदय नाथ विश्वकर्मा, सुनील गुप्ता, रवि कुमार, उदय सिंह आदि मौजूद थे।

कार्यक्रम मैं उपस्थित भाजपा नेता-कार्यकर्ता।

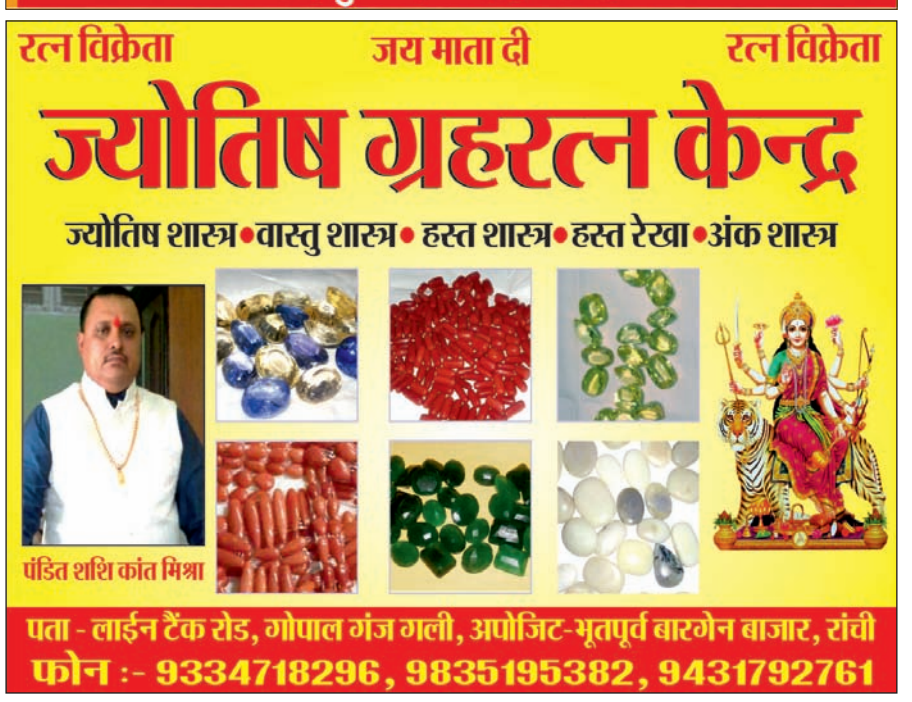

प्रकाश कुमार सिंह ने थामा भाजपा का दामन

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। शांति श्याम फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रकाश कुमार सिंह ने गुरुवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर औपचारिक रूप से पार्टी का दामन थाम लिया। राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह के हाथों भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर प्रकाश सिंह ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्य प्रणाली से बहुत प्रभावित हैं। जिनके नेतृत्व में देश विश्व गुरु बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बेरमो मेरी जन्मभूमि है। बेरमो का विकास ही मेरा लक्ष्य है। बेरमो विधानसभा क्षेत्र को परिवारवाद और भ्रष्टाचार से बाहर निकाल कर कमल खिलाना है। उन्होंने भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि देश के प्रधान सेवक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बताए रास्ते पर आगे बढ़ कर नए बेरमों नए भारत को बनाने में जी जान से जुट जायें।

जीटीएस प्राइवेट कंपनी में 75 फीसदी स्थानीय लोगों को देना होगा रोजगार : रणविजय सिंह

कतरास (आजाद सिपाही)। कतरास आकाश किनारी कोलियरी अंतर्गत संचालित जीटीएस प्राइवेट कंपनी में गुरुवार को बीजेकेएमएस के महामंत्री सह कांग्रेस नेता रणविजय सिंह पहुंचे और स्थानीय नियोजन एवं विस्थापितों को पुनःविस्थापित करने की मांग की। इससे पूर्व रणविजय सिंह का कंचन पासवान, सचिन आलम एंव राजीव यादव आदि ने जोरदार स्वागत किया। वहीं, रणविजय सिंह ने खनन स्थल का भ्रमण किया एवं कंपनी के जीएम से फोन पर वार्ता कर युवाओं को रोजगार एवं विस्थापितों को पुनः स्थापित करने को सकारात्मक बात की। इसके बाद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड सरकार द्वारा पारित स्थानीय नियोजन नीति के अनुसार कंपनी को यहां शिक्षित बेरोजगार युवाओं को हर हाल में नियोजन देना होगा। आउटसोर्सिंग कंपनी अगर सोच रही है कि दलाल और ठेकेदार किस्म के नेताओं से मिलकर स्थानीय ग्रामीणों को नजरअंदाज कर अपना काम निकल लेंगे तो ये संभव नहीं है। इस मौके पर सुरेंद्र पासवान, पिंटू पासवान, उदय पासवान, इमरान अंसारी, अब्दुल अंसारी, सत्तार अंसारी, टीपू अंसारी, मंटू पासवान, विक्रम ठाकुर, सुरेश भैया, दुर्गा पासवान, मनोज ठाकुर, संजय ठाकुर, अक्रांता पासवान, सिद्धार्थ सिंह, रविंद्र सिंह, भोला पासवान, अरविंद भारती, अरुण पासवान, विक्की सिंह और विशाल सिंह आदि मौजूद थे।

बीएसएल में जीएचजी उत्सर्जन: एक स्थायी भविष्य के निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में मिशन 2टी/टीसीएस जीएचजी उत्सर्जनः एक स्थायी भविष्य का निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके उद्घाटन उदघाटन सत्र में अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद मौजूद थे। इस दौरान मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) मनीष जलोटा, सहायक महाप्रबंधक (सीआरएम-3) शशांक शेखर, सहायक महाप्रबंधक (ईसीएस) नितेश रंजन आदि उपस्थित थे। शुरुआत में मनीष जलोटा ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। वहीं, राजन प्रसाद ने स्टील इंडस्ट्री में ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) को कम करने की प्रमुख चुनौतियों के समाधान करने पर प्रकाश डाला। शशांक शेखर एवं नितेश रंजन ने कर्मियों को जीएचजी उत्सर्जन के परिणामों, पर्यावरण पर इसके प्रभाव, जलवायु परिवर्तन और उत्पाद लागत, जीएचजी उत्सर्जन गणना के लिए वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन द्वारा अपनाई गई पद्धति तथा जीएचजी उत्सर्जन से संबंधित वर्तमान वैश्विक और राष्ट्रीय नियमों और नीतियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी।

नव कर्मकार को कोयला इस्पात मजदूर पंचायत के शाखा सचिव बनने पर लोगों ने दी बधाई

महुदा (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल के डब्ल्यूजे एरिया अंतर्गत कुमारडीह गांव निवासी नव कर्मकार को कोयला इस्पात मजदूर पंचायत की ओर से भाटडीह कोलियरी के शाखा सचिव व हाउस अलॉटमेंट कमेटी का सदस्य नियुक्त किया है। इस बाबत कोयला इस्पात मजदूर पंचायत के सचिव सह सदस्य वेलफेयर बोर्ड बीसीसीएल के एसएस डे ने एक पत्र जारी कर प्रोजेक्ट ऑफिसर भाटडीह, जीएम बीसीसीएल डब्ल्यू जे एरिया मूनीडीह, विद्या प्रकाश पांडे एरिया सचिव कोयला इस्पात मजदूर पंचायत बीसीसीएल डब्ल्यू जे एरिया को दिया है। उधर, कोयला इस्पात मजदूर पंचायत के भाटडीह कोलियोरी शाखा सचिव बनने पर पूर्व मुखिया शिशिर गयाली , दीनानाथ यादव, फिरोज खान, हीरा यादव, बबलू अंसारी, शाहिद अंसारी, बम बहादुर आदि ने बधाई दी है।

झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक में विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति की बैठक गुरुवार को हीरापुर स्थित एलसी रोड में संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता सम्राट चौधरी ने की। बैठक में राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य 14 अप्रैल को देवली गोविंदपुर में शहीद गुरुदास चटर्जी की शहादत दिवस पर संगठन द्वारा बढ़-चढ़कर भागीदारी लेने पर चर्चा हुई। साथ ही 15 अप्रैल बांग्ला पहला वैशाख के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन बरवाअड्डा में करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर समिति के संस्थापक बेंगू ठाकुर, रेखा मंडल, कल्याण भट्टाचार्जी, डोरा मंडल, राणा चट्टराज, सुशोवन चक्रवर्ती, कल्याण राय, बबलू सरकार, समीर मंडल, राजू प्रमाणिक,टनी बनर्जी आदि थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर भाजपा कार्यालय में सुंदरकांड पाठ का आयोजन, सुख-शांति के लिए हुआ सुंदरकांड पाठ

दुनिया चले ना श्रीराम के बिना रामजी चले ना हनुमान के बिना...

आजाद सिपाही टीम

धनसार/झरिया। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर गुरुवार को कोयलांचल में सुख-शांति और समृद्धि की कामना के लिए झरिया कतरास मोड़ स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह और मंडल अध्यक्ष की अगुवाई में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस दिन शाम चार बजे से विधि-विधान से भगवान श्रीराम और हनुमान जी का पूजन कर सुंदरकांड पाठ शुरू हुआ। इसके बाद प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर रागिनी सिंह ने कहा कि जिले में आए दिन कुछ न कुछ घटनाएं घटित हो रही है। कोयलांचल में सुख शांति बने रहे इसलिए सुंदरकांठ पाठ का आयोजन किया गया है। कहा कि सुंदरकांड की सुंदरता यह है कि तन और मन की सुख शांति मिलती है। विश्व का कल्याण होता है। इस मौके पर श्रीश्री मानस सत्संग मंडली के हृदया नंद तिवारी, भगवान दास शर्मा के अलावा पूर्व विधायक कुंती सिंह, जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, पूर्व पार्षद सुमन देवी, संतोष सिंह, अखिलेश सिंह, बाबू जैना, अरुण साव, छोटू सिंह और रंजीत रवानी आदि मौजूद थे।

हनुमान जयंती पर आशीर्वाद लेने पहुंची रागिनी सिंह व अन्य।

श्रीश्री महावीर अखाड़ा ने आयोजित किया भजन संध्या

बाघमारा/कतरास (आजाद सिपाही)। श्रीश्री महावीर दल शिव मंदिर अखाड़ा समिति कतरास के तत्वावधान में बुधवार की रात भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत की। भजन संध्या की शुरूआत गिरजा किशोर ने गणेश वंदना से की। मिस बॉबीश्री ने जो श्री राम का नहीं वो किसी काम का नहीं.... ये भगवा रंग.... उपेंद्र मेहता ने जो राम को लाए हैं... चलो बुलावा आया है... और बेबी रेखा ने दुनिया चले ना श्री राम के बिना रामजी चले ना हनुमान के बिना.. भजन गा कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या में समीर झांकी ग्रुप ने शिव तांडव की शानदार प्रस्तुति दी। झांकी में अमन खान, जीते हाडी, शिबू कुमार, श्रुति कुमारी, राहुल कुमार शामिल थे। भजन संध्या को सफल बनाने में रंजीत जयसवाल, पंचानन कर्मकार, दुर्गा जयसवाल, राजेंद्र जयसवाल, नागेंद्र यादव, संजीत जयसवाल, श्रीकांत चटर्जी, अमन, नीतीश, विशाल, टिंकू, छोटू, गोलू, शंभू आदि की भूमिका सराहनीय रही।

हनुमान जयंती पर महुदा में निकली शोभायात्रा

हनुमान जयंती पर गुरुवार को महुदा में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सदस्यों ने महुदा ब्रह्मबाबा प्रांगण से गाजे-बाजे के साथ बाइक रैली निकालकर महुदा बाजार, महुदा मोड़, तेलमच्चो, लोहपट्टी होते हुए तेलमच्चो पुल स्थित नागेश्वर धाम तक पहुंची। जहां सभी ने धार्मिक झंडे को मंदिर में स्थापित कर हनुमान चालीसा का पाढ किया और पुनः लालबंगलो स्थित ब्रह्मबाबा मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण कर जुलूस का समापन किया। उक्त कार्यक्रम धनबाद बजरंग दल के विभाग संयोजक रवि वर्मा की अध्यक्षता में शांति पूर्ण संपन्न हुआ। वहीं कार्यक्रम में बजरंग दल, जिला संयोजक विकास सिंह, महुदा प्रखंड अध्यक्ष-हारू बजरंगी, प्रखंड मंत्री, विष्णु बजरंगी, विकास महतो, राहुल सिंह सूरज बजरंगी, अखिलेश दुबे, क्षेत्रीय संयोजक घलटू मोदक सहित अन्य दर्जनों संगठन के लोग मौजूद थे।

सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद

शोभायात्रा को लेकर पुलिस-प्रशासन भी अलर्ट मोड पर रही। चप्पे-चप्पे पर पुलिस के जवान

तैनात रहे। इस दौरान रवि वर्मा ने कहा कि आज हमारे आराध्य श्री हनुमान जी का जन्मदिवस है। हम सभी उनके जन्मदिवस के मौके पर बाइक जुलूस महुदा ब्रह्मबाबा मंदिर से तेलमच्चो तक निकालकर उनका जन्मदिन को मना रहे हैं।

हनुमान जंयती पर आयोजित भजन संध्या में शामिल हुई रागिनी सिंह

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। जीवन जीने की कला हो राम की तरह, भक्ति दिल में बसाई लो हनुमान की तरह..., संकट हरने वालो को हनुमान कहते है... आदि भजनों को पुजारी पंडित संतोष उपाध्याय के मुख से सुनकर भक्तगण झूम उठे। गुरुवार को श्रीश्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान भजन संध्या आयोजित हुआ, जिसमें गायकों ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किया। इससे पूर्व दर्जनों बाइक पर सवार युवकों ने केसरिया झंडा लगाकर पूरे क्षेत्र का भ्रमण किया। लगातार दूसरी बार आयोजित इस भव्य जन्मोत्सव कार्यक्रम में सबसे पहले मंदिर परिसर मे श्रद्धालुओ द्वारा हनुमान चालिसा का पाठ किया गया। इसके बाद हनुमान जी का महास्नान कर दुध, दही, अनार, गन्ना समेत अन्य फलो के रस से महाअभिषेक किया गया। उसके बाद संगीतमय हनुमान लला कि महाआरती कर सुख और शांति की कामना की गई। इस मौके पर भाजपा नेत्री रागिनी सिंह संकटमोचन मंदिर पहुंच हनुमान जी का आर्शिवाद लिया। उन्होने मंदिर की मूर्ति व मंदिर की भव्यता की जमकर तारिफ की और समस्त कोयलांचल वासियों के लिए सुख, समृद्धि की कामना की। वहीं, मंदिर कमेटी की ओर से रागिनी सिंह को चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवयुवक समाजिक संघ के गौतम कुमार, विनय चौहान, अभिषेक शर्मा, अखिलेष कुमार, ललन केशरी, रॉकी चौरसिया, देव सिन्हा के अलावा मंदिर समिति के मनोज वर्णवाल, संजू विश्वकर्मा, मन्नु सिंह, रंजीत साहनी, रितिक पांडेय आदि की भूमिका सराहनीय रही।

नेता-कार्यकर्ताओं ने लिया राष्ट्र की एकता और अखंडता का संकल्प

भाजपा के 43वें स्थापना दिवस पर जगह-जगह हुआ झंडोतोलन

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली/बेरमो। भाजपा के 43वें स्थापना दिवस पर फुसरो क्षेत्र में जगह-जगह पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं ने झंडोत्तोलन कर जश्न मनाया। इस दौरान राष्ट्र की एकता और देश की अखंडता का संकल्प दोहराया। साथ ही पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचने का निर्णय लिया गया। भाजपा फुसरो नगर मंडल की ओर से फुसरो स्थित गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय के आवासीय कार्यालय में पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। लोगों ने उनके

विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा ली। इसके बाद झंडोत्तोलन किया गया। साथ ही भाजपा नेता व कार्यकर्ताओ ने टीवी पर प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पांडेय के आवासीय कार्यालय में देखा व सुना। इस मौके पर फुसरो नगर मंडल अध्यक्ष रामकिंकर पांडेय, निर्वतमान अध्यक्ष भाई प्रमोद सिंह, वार्ड पार्षद भरत वर्मा, नगर महामंत्री दिनेश सिंह, दिनेश यादव, मृत्युंजय पांडेय, रमेश स्वर्णकार, रामलाल गोस्वामी, अशोक सिंह, अभिषेक सिंह, सुभाष कुमार वरनवाल, यिशु सिंहा, अशोक रवि आदि कई नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।दूसरी ओर, करगली बाजार स्थित भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह के आवासीय कार्यालय में पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम पंडित दीन दयाल उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर देश की एकता व अखंडता का संकल्प दोहराया गया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष अर्चना सिंह ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का सदस्य होने गौरव की बात है। भाजपा परिवारवाद से ऊपर है और इस पार्टी में कार्यकर्ताओं को मान-सम्मान के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके बाद प्रदेश के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर निर्वतमान अध्यक्ष भाई प्रमोद सिंह, मदन प्रसाद गुप्ता, धीरज पांडेय, नवल किशोर सिंह, जीतन चटर्जी, दीपू राय, एस देवदास, सुनीता देवी, सत्यनारायण दता, संजय ठाकुर, सुजीत ठाकुर आदि मौजूद थे।

दुनिया में बढ़ा भारत का कद : बिरंची नारायण

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने गुरुवार को अपने सेक्टर-1 स्थित आवासीय कार्यलय पर भाजपा का ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। कहा कि आज के राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास कर रहा है। भारत का कद आज विश्व पटल पर ऊंचा हुआ है। इस मौके पर शशि भूषण ओझा, मुकुल, संजय त्यागी, पन्नालाल कांदु, अविनाश झा, अजय सिंह, प्रकाश नायक, अभय कुमार गोलू, दिलीप सिंह, अंबुज मंडल, बबिता देवी, राजेश घोषाल, नीरज पांडेय, शंभु दासपिंटू पाल, राजेश रजवार, दिलीप पाल, दीपक चंद्र बाउरी आदि उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन से कोयलांचल स्तब्ध, सांसद, विधायक ने जताया शोक

झारखंड ने कर्मठ-जनप्रिय नेता को खो दिया: सांसद

आजाद सिपाही टीम

धनबाद/लोयाबाद/कतरास/बलियापुर। राज्य के शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का गुरुवार की सुबह चेन्नई के एक अस्पताल में निधन हो गया। उक्त खबर मिलते ही धनबाद कोयलांचल में शोक की लहर दौड़ गयी। धनबाद जिले से जगरनाथ महतो का खासा लगाव रहा। पार्टी, सरकारी कार्यक्रम के अलावे समाजिक कार्यक्रमों के बहाने वे अक्सर धनबाद में सक्रिय रहते थे। उनके निधन की सूचना के बाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, टुंडी विधायक मथुरा महतो, बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो आदि ने शोक संवेदना प्रकट किया। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सभी ने शिक्षा मंत्री को अपनी अलग पहचान रखने वाले महान क्रांतिकारी, जुझारू, कर्मठ बताता। कहा कि झारखंड ने जनप्रिय नेता खो दिया। वहीं, सरकारी कार्यालयों में भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बाघमारा-कतरास के शिक्षण संस्थानों में दी गयी श्रद्धांजलि

शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन पर श्यामडीह स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में शोक सभा आयोजन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने कहा कि शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं, बाघमारा के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शिक्षा मंत्री के निधन पर शोक सभा का आयोजन हुआ। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए विद्यालय के वंदना सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखा गया। सिजुआ स्थित शहीद शक्ति नाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज में शिक्षा मंत्री निधन पर शोक सभा का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। दूसरी ओर, शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के आकस्मिक निधन पर गुरुवार को पूरे लोयाबाद में शोक की लहर दिखी। झामुमो बाघमारा प्रखंड के वरीय उपाध्यक्ष हरेंद्र चौहान ने शिक्षा मंत्री के निधन पर शोक प्रकट करते हुए कहा कि स्व महतो झामुमो के एक कद्दावर नेता होने के साथ ही एक नेक दिल इंसान भी थे। उनका निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। वहीं, कांग्रेस नेता सह लोयाबाद मुस्लिम कमेटी के अध्यक्ष इम्तियाज अहमद, महामंत्री असलम मंसूरी, राजकुमार महतो ने भी शिक्षा मंत्री के निधन पर शोक जताया। लोयाबाद हटिया स्थित इंदिरा गांधी विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका एवं बच्चों ने उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद विद्यालय की छुट्टी कर दी गई।

बलियापुर में शिक्षकों ने दी श्रद्धांजलि

शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो के निधन के बाद गुरुवार को बलियापुर प्रखंड सभागार में शिक्षकों ने सभा आयोजित कर शिक्षा मंत्री की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

भाजपा जिला कार्यालय में मना पार्टी का स्थापना दिवस

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद जिला भाजपा महानगर की ओर से पार्टी का स्थापना दिवस महानगर के सभी बूथों सहित जिला कार्यालय में गुरुवार को मनाया गया। जिला कार्यालय में पार्टी का झंडा लगाया गया। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी गई। मौके पर महानगर अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह ने पार्टी को अपने परिश्रम से सींच कर विशाल वटवृक्ष के रूप में खड़ा करने वाले कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। कहा कि भाजपा वो पार्टी है जिसके लिए राष्ट्र सदा सर्वोपरि रहा है। एक भारत-श्रेष्ठ भारत जिसकी आस्था का मूलमंत्र रहा है। वहीं, पूर्व जिला अध्यक्ष हरि प्रकाश लाटा ने कहा की सेवा ही हमारा धर्म है। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, महावीर पासवान, श्रीराम यादव, नितिन भट्ट, मानस प्रसून, मिल्टन पार्थसारथी, अमलेश सिंह, प्रितपाल सिंह अजमानी और अनिल सिन्हा आदि मौजूद थे।

मारवाड़ी भाया की ओर से प्याऊ का शुभारंभ

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। श्री हनुमान जन्मोत्सव पर मारवाड़ी भाया की ओर से गुरुवार को प्याऊ का शुभारंभ किया। जिसका उद्घाटन मारवाड़ी भाया के वरिष्ठ सदस्य राजेश कुमार राठी ने किया। भाया के अध्यक्ष छीतरमल अग्रवाल ने कहा कि गत 7 वर्षो से जनहित में इस प्याऊ का संचालन किया जा रहा है। वहीं राजेश राठी ने कहा कि गर्मी में शीतल पेयजल पिलाना बहुत ही धर्म का काम है। राहगीरों को इससे काफी राहत मिलेगी। मौके पर बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश बंशल, दीपक अग्रवाल, प्रेम राज गोयल, बेरमो मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार चांडक आदि मौजूद थे।

भविष्य में स्मार्ट तकनीक और मानवता के बीच संतुलन बनाने की जरूरत : प्रो श्रीवास्तव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। स्मार्ट तकनीक के आविष्कार ने दुनिया में कई क्रांतिकारी परिवर्तन लाये हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के उपाध्यक्ष प्रोफेसर दीपक कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को कहा, लेकिन मनुष्यों पर इसके दीर्घकालिक प्रभावों का आकलन करने की आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी के उपयोग का मानव मस्तिष्क पर कई प्रभाव पड़ते हैं। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने शिक्षा एवं अनुसंधान (सोआ) के रजत जयंती व्याख्यान के अवसर पर यह बात कही कि सोचने, कार्य करने और विश्लेषण करने की शक्ति धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अतीत में जाने या स्मार्ट तकनीक को अपनाने की जरूरत नहीं है। लेकिन एक विकल्प के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए और अधिक जागरूक होने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने एक प्रबुद्ध भविष्य के लिए मानव तत्व के साथ संतुलन स्मार्ट प्रौद्योगिकी शीर्षक पर चर्चा में कहा, ₹प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से कैसे बाहर निकलना है और इसके साथ फिर से जुड़ना है, इस पर अधिक विश्लेषण की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चार्टबॉट चैट जीपीटी जैसे नए इनोवेशन का उदाहरण देते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि हालांकि इस तरह की तकनीक जरूरी है, लेकिन इसे नियंत्रित तरीके से इस्तेमाल किया जाना चाहिए। स्मार्ट घड़ी, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट फोन, स्मार्ट कैलकुलेटर और स्मार्ट ऑटोमोबाइल के आविष्कार के बाद दुनिया 5वीं औद्योगिक क्रांति की दहलीज पर पहुंच गई है। इसने मनुष्य और मशीन के बीच एक सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाया है। प्रो श्रीवास्तव ने कहा कि कुछ देशों में कुछ नीति निर्माता और सरकारें अलग-अलग उम्र के लोगों को तकनीक से परिचित कराने को लेकर बहुत सचेतन हैं। उदाहरण के लिए, यूनाइटेड किंगडम, स्कॉटलैंड और सिंगापुर की सरकारों ने स्कूलों में कैलकुलेटर के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और बच्चों की बौद्धिक क्षमताओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इसी तरह, न्यूयॉर्क के स्कूलों ने महत्वपूर्ण सोच और समस्या को सुलझाने के कौशल को बढ़ावा देने के लिए चैट जीपीटी जैसी नई तकनीकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। हालाँकि, चैट जीपीटी के प्रभाव को दुनिया के कई हिस्सों में माना जा रहा है, इसका उपयोग कैसे किया जाना चाहिए यह नीति निमार्ताओं के लिए चिंता का विषय है। भारत में, सरकार शिक्षा प्रणाली में प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में अधिक जागरूक है। जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति बच्चों के शारीरिक, सामाजिक-मनोवैज्ञानिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, साक्षरता, आध्यात्मिक विकास पर जोर देती है, सरकार ने एनसीईआरटी द्वारा विद्या प्रवेश नामक एक प्री-स्कूल मॉड्यूल विकसित किया है जो बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश करने में मदद करेगा। भारत 2047 तक विकास के पथ पर अग्रसर बताते हुए प्रो श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्रों में गौरव की भावना जगाने की जरूरत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोआ के कुलपति प्रदीप कुमार नंद ने की, जबकि अतिरिक्त कुलपति प्रो विभूति भूषण प्रधान व छत्र मंगल डीन प्रो ज्योत रंजन दास ने बक्ताब्य रखे। प्रोफेसर रेणु शर्मा अतिरिक्त डीन (छात्र मामले) आईटीइआर ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

आंदोलन के कारण पूर्व तट रेलवे जानेवाली और शुरू होनेवाली ट्रेनें प्रभावित

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। आदिवासी कुर्मी समाज द्वारा खड़गपुर मंडल के खड़गपुर-टाटा रेलवे खंड में खेमासुली स्टेशन पर और दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार के तहत आद्रा मंडल के आद्रा-चांडिल रेलवे खंड में कुस्तौर स्टेशन पर जन आंदोलन को देखते हुए, पूर्व तट रेलवे अधिकार क्षेत्र से उत्तर की ओर जाने वाली ट्रेनें निम्नलिखित के अनुसार आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप रद्दीकरण हुआ है।

रद्द ट्रेनें : छह अप्रैल को नयी दिल्ली से चलने वाली 22824 नयी दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस और 12802 नयी दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस रद्द रहेगी, 12820 आनंद विहार (नयी दिल्ली) 7 अप्रैल को आनंद विहार से चलने वाली ओडिशा संपर्क क्रांति एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 18478 ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस नौ अप्रैल को को ऋषिकेश से रद्द रहेगी। 22861/22862 हावड़ा-कांटाबांजी-हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस सात अप्रैल को दोनों दिशाओं से, सात अप्रैल को भुवनेश्वर से 22823 भुवनेश्वर-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, 12875/12876 पुरी-आनंद विहार (नयी दिल्ली)-पुरी नीलाचल एक्सप्रेस दोनों दिशाओं से सात अप्रैल को, 18005/08006 हावड़ा-जगदलपुर-हावड़ा समलेश्वरी एक्सप्रेस सात अप्रैल को को दोनों दिशाओं से, 12801/12802 पुरी-नयी दिल्ली-पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस सात अप्रैल को दोनों दिशाओं से, 15630 सिलघाट टाउन (असम)-तांबरम एक्सप्रेस सात अप्रैल को सिलचर से रद्द रहेगी।

ट्रेनों का डायवर्जन : 18477/18478 पुरी-ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस सात अप्रैल को पुरी से और छह और सात अप्रैल को ऋषिकेश से अपने निर्धारित मार्ग झारसुगुड़ा-राउरकेला-टाटा-हिजिली-भद्रक मार्ग को इब-झारसुगुड़ा रोड के माध्यम से दोनों तरफ से डायवर्ट करेगी और संबलपुर सिटी होकर चलेगी।

धनवार के बरजो में भाजपा का 44वां स्थापना दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में गुरुवार को पार्टी का 44वं स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ट नेता सह पूर्व आइजी लक्ष्मण सिंह ने भाग लिया। इस बाबत श्री सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए छह अप्रैल के दिन बेहद खास है। इसी दिन बीजेपी अस्तित्व में आयी थी। भारतीय जनसंघ से इस नयी पार्टी का जन्म हुआ था। देश के राजनीतिक इतिहास में छह अप्रैल का दिन खास अहमियत रखता है। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में आज ही के दिन हुई थी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा 1951 में स्थापित भारतीय जन संघ से हुई। इस नयी पार्टी का जन्म हुआ। 1977 में आपातकाल की घोषणा के बाद जनसंघ का कई अन्य दलों से विलय हुआ और जनता पार्टी का उदय हुआ। पार्टी ने 1977 के आम चुनाव में कांग्रेस से सत्ता छीनी थी और 1980 में जनता पार्टी को भंग करके भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी गयी थी।

उन्होंने कहा कि खेल जगत के लिए भी छह अप्रैल की तारीख बहुत महत्वपूर्ण हैं। इन अवसर पर देश के कार्यकर्ता भाजपा का 44वां स्थापना दिवस मना रही है और पीएम नरेंद्र मोदी का संबोधन सुन रहे हैं। इस मौके पर उदय सिंह, सुनील अग्रवाल, श्रीकांत राय, पवन साव, श्यामनंदन कुमार, प्रकाश कुमार, पवन सिंह, राजेंद्र प्रसाद यादव, नंदकिशोर राय, मुंशी राम, प्रवीण शर्मा आदि दर्जनों लोग मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल
निविदा सूचना
विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई–निविदा सूचना विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक (विद्युत), पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :

ई–निविदा संख्या–ईएल/01/खुली/ 2023–24 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : (अ) डुमरी विहार, दनिया, अमलो और बेरमो में जलापूर्ति पाइप का प्रावधान और सुधार (ब) गढ़वा रोड –धनबाद मंडल के गढ़वा रोड स्टेशन पर कोच गाइडेंस बोर्ड, टीआईबी और आईपीआईएस सिस्टम के साथ ऑटो अनाउंसमेंट सिस्टम का प्रावधान (स) आरआरएमई और बीएचकेडी में जल आपूर्ति पाईप का प्रावधान। **(कार्य समापन अवधि: एक सौ अस्सी दिन) (2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 61,60,203.10 **(3) बिड सिक्युरिटी:** रू० 1,23,200.00

ई–निविदा संख्या–ईएल/02/खुली/ 2023–24 क्र.सं. (1) कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद मंडल में रेलवे क्वार्टरों के लिए डेटा सेवाओं के साथ–साथ वीएलई स्मार्ट मीटर का प्रावधान। (कार्य समापन अवधि : एक सौ अस्सी दिन) **(2) कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू० 2,18,75,075.00 **(3) बिड सिक्युरिटी:** रू० 2,59,400.00

(4) ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई–निविदा बंद होने की तिथि: दिनांक 27.04.2023 को 11:00 बजे। **ई निविदा खुलने की तिथि :** दिनांक 27.04.2023 को 11:00 बजे के बाद। **(5) वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट www.ireps.gov.in. ई–निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत), धनबाद
पीआर/0013/डीएचएन/डीएचएनजीएस/टी/23-24/48

कलाहांडी मेडिकल कॉलेज के लिए एनएमसी अनुमति

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। कलाहांडी राष्ट्रीय भौतिक विज्ञान परिषद (एनएमसी) ने भवानीपटना में सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दे दी है, जिसे राज्य सरकार ने स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और उपलब्धि के रूप में बनाया है। इसकी जानकारी देते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रशासनिक सचिव श्रीमती शालिनी पंडित ने कहा, मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण कलाहांडी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना संभव हो सकी। यह संस्था राज्य के लोगों की लंबे समय से चली आ रही आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करेगी। 2023-24 शैक्षणिक वर्ष से 100 एमबीबीएस सीट के लिए यह मंजूरी मिल गई है।

कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष विश्वास ने किया स्वास्थ्य मेला का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। लोगों की उम्मीदों के क्षितिज को पूरा करने के लिए एम्स भुवनेश्वर स्थानीय समुदाय तक पहुंचता है और गांव सिजुआ में एक स्वास्थ्य मेला आयोजित करता है। एम्स भुवनेश्वर के कार्यकारी निदेशक डॉ आशुतोष बिश्वास ने नेतृत्व करते हुए स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन किया और साथ ही स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया। जी20 जनभागीदारी अभियान के तहत डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और मेडिकल छात्रों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य परामर्श और मुफ्त दवाएं प्रदान कीं। एम्स के चिकित्सकों ने 220 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इनमें से 65 स्कूली छात्रों को उनके पोषण की स्थिति और समग्र स्वास्थ्य मूल्यांकन के संबंध में विशेष ध्यान दिया गया। इसी तरह, जराचिकित्सा समूहों को उनकी विभिन्न स्वास्थ्य बीमारियों को शामिल करते हुए समग्र ध्यान दिया गया। महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों पर जोर देते हुए मासिक धर्म और स्तन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने पर विशेष ध्यान देने के साथ उनकी मांगों को पूरा करने का प्रयास किया गया। स्वास्थ्य मेले में 40 से अधिक महिलाओं की राय भी ली गयी। इस मौके पर मोबाइल ब्लड वैन में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। रक्तदाताओं से नौ यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिलीप कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'जन भागीदारी' को भारत के जी20 प्रेसीडेंसी का एक मजबूत तत्व बनाने के आह्वान से प्रेरित होकर, एम्स भुवनेश्वर ने स्थानीय समुदाय के दरवाजे पर एक स्वास्थ्य मेला और रक्तदान शिविर का आयोजन किया है। स्वास्थ्य मेले में सीएमएफएम और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, एम्स के कर्मचारियों ने स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया। स्थानीय ग्रामीणों ने एम्स भुवनेश्वर के सामरी भाव की सराहना की और सभी समर्थन और सहयोग प्रदान किया।

पूर्व मध्य रेल
शुद्धिपत्र
शुद्धिपत्र सूचना संख्या 14-GS-DHN-2022-23

क्र. सं.	निविदा संख्या 14-GS-DHN-2022-23 में उल्लिखित मूल प्रकाशित	इस रूप में पढ़ा जाए
1	कार्य का नाम–अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत GMO, PNME और KTH स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया के ट्रैफिक सर्कुलेशन में सुधार, एवं सौंदर्यीकरण का कार्य फ्रन्ड फसाड एवं प्रवेश पोर्च का प्रावधान	कार्य का नाम–अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गोमोह, पारसनाथ और कतरासगढ़ स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया के ट्रैफिक सर्कुलेशन में सुधार, एवं सौंदर्यीकरण का कार्य फ्रन्ड फसाड एवं प्रवेश पोर्च का प्रावधान
2	समापन अवधि–15 (पन्द्रह) महीने	समापन अवधि–9 (नौ) महीने

ई–निविदा सूचना संख्या 14-GS-DHN-2022-23 दिनांक 29.03.2023 में दर्शायी गई अन्य सभी विवरण, नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेगा।
मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति)
पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद
पीआर/00018/डीएचएन/डीएचएनजीएस/सी/23–24/40

क्रिसिल ने जिंदल स्टेनलेस का आउटलुक बढ़ाकर किया एए-पॉजिटिव

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। क्रिसिल रेटिंग्स नेभारत की अग्रणी स्टेनलेस स्टील विनिमार्ता, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) कीदीर्घकालिक बैंक ऋण सुविधाओं और ऋण कार्यक्रम के संबंध में रेटिंग दृष्टिकोण (आउटलुक) को'स्टेबल' से बढ़ाकरह्यपॉजिटिव' कर दिया है और 'क्रिसिल एए-' की रेटिंग की पुनर्पुष्टि की है। अल्पकालिक बैंक ऋण सुविधाओं के मामले में रेटिंग को'क्रिसिल ए1+' पर बरकरार रखा गया है। रेटिंग एजेंसी ने कंपनी के बेहतर व्यावसायिक जोखिम प्रोफाइल, पैमाने में अपेक्षित वृद्धि और क्षमता विस्तार कार्यक्रम और अधिग्रहण के साथ फॉरवर्ड इंटीग्रेशन को देखते हुए अपने आउटलुकमें संशोधन किया है। आउटलुक बढ़ाने के लिए क्रिसिल रेटिंग्स ने जिन मापदंडों पर ध्यान दिया, उनमें जेएसएल के साथ जिंदल स्टेनलेस हिसार लिमिटेड (जेएसएचएल) के विलय की प्रक्रिया को पूरा करना, मजबूत तरलता के नेतृत्व में कंपनी का स्वस्थ वित्तीय जोखिम प्रोफाइल औररणनीतिक अधिग्रहण अनुकूलव्यवसाय मॉडल, और क्षमता बढ़ाकर 29 लाख टन प्रति वर्ष करने के लिए चल रही विस्तार योजना शामिल हैं। घरेलू स्टेनलेस स्टील उद्योग में कंपनी की नेतृत्व की स्थिति, कुशल कार्यशील पूंजी प्रबंधन के साथ-साथ स्वस्थ मांग दृष्टिकोण और बड़े निर्यात जैसे कुछ अन्य कारक हैं जिनकारेटिंग आउटलुक के संशोधन में योगदान रहा। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने इस घटनाक्रमके बारे में कहा, क्रिसिल रेटिंग्स ने जो जिंदल स्टेनलेस के आउटलुक में बढ़ोतरी की है उससेकंपनी केव्यवसाय के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों और पर्यावरण एवं सामाजिक जोखिमों को कम करने के प्रति इसकी प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण रूप सेरेखांकित होती है। वहनीय माहौलतैयार करने पर ध्यान देने के साथ-साथ, बढ़ती स्टेनलेस स्टील की मांग को पूरा करने के लिए अपनीमेल्टिंग क्षमता में वृद्धि,और पर्यावरण, सामाजिक एवं संचालन प्रोफाइल में सुधार के साथ, हम भारत और विश्व के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाले स्टेनलेस स्टील समाधान मुहैया कराना जारी रखेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग दृष्टिकोण के मद्देनजर उल्लेखनीय पूंजीगत व्यय हुआ हैजिससे परिचालन दक्षता के साथ-साथ प्रति टन एबिट्डा में वहनीय सुधार हुआ है। क्षमता वृद्धि के बावजूदकंपनी के वित्तीय जोखिम प्रोफाइल के स्वस्थ रहने की उम्मीद है। क्रिसिलरेटिंग्स के मुताबिकहाई-मार्जिन वाले सेगमेंट पर कंपनी केफोकस, हाल के अधिग्रहणों से पैदा स्थितियों और वित्त वर्ष 2024 में इसके नियोजित पूंजीव्यय को पूरा करने के मद्देनजर जिंदल स्टेनलेस समूह के व्यावसायिक जोखिम प्रोफाइल में सुधार जारी रहेगा। पूंजीव्यय के बावजूद वित्तीय जोखिम प्रोफाइल स्वस्थ रहने की उम्मीद है जिसमें मार्जिन प्रोफाइल बरकरार रहने से मदद मिलेगी।

रिपोर्ट के अंश: विनिर्माण प्रक्रिया में अनुकूलता के साथ बाजार की अग्रणी स्थितिः ₹स्टेनलेस स्टील की सभी सीरीज (मुख्य रूप से 200, 300और 400 सीरीज निकल और अन्य मिश्र धातुओं की सटीक सामग्री के आधार पर वगीर्कृत) में विभिन्न प्रकार की श्रेणी बनाने की क्षमता, कंपनी को विविध अंतिम उपयोगकर्ताओं की जरुरतपूरी करने में मदद करती है जिनमें उपभोक्ता उत्पाद (टिकाऊ उत्पाद और बरतन), प्रक्रिया (प्रॉसेस) उद्योग (फार्मास्यूटिकल्स, डेयरी, आदि), अन्य उपकरण विनिमार्ता, वाहन-रेलवे-परिवहन (एआरटी) और वास्तुकला-निर्माण-निर्माण (एबीसी) शामिल हैं। इसके अलावा, कंपनीमांग के परिदृश्य के आधार पर लगभग 45 दिनों में विभिन्न श्रेणियों के विनिर्माण की स्थिति में बदलाव कर सकती है। वित्त वर्ष 2023 के पहले नौ महीनों के दौरान, जब निर्यात बिक्री (आमतौर पर 300सीरीज की) निर्यात शुल्क लगाए जाने के कारण प्रभावित हुई थी, हालाँकि समूह अपनी विनिर्माण प्रक्रिया को बदलने और मजबूत घरेलू मांग (200सीरीज के लिए) को पूरा करने में कामयाब रहा, जिससे सालाना आधार पर प्त5% वॉल्यूम वृद्धि दर्ज हुई। हालांकि निर्यात शुल्क की वापसी के मद्देनजर निर्यात बिक्री के सामान्य स्थिति में लौटने की उम्मीद है। परिचालन दक्षता के नेतृत्व में प्रति टन एबिट्डा में वहनीय सुधारः प्राप्तियां (रियलाइजेशन) काफी हद तक इनपुट (निकल और क्रोम अयस्क) और उत्पाद मिश्रण (200, 300, 400सीरीज) की कीमतों पर निर्भर करती हैं, लेकिन जेएसएल समूह ने कई उपाय किए हैं जिससे इसके परिचालन प्रदर्शन में सुधार हुआ है। जेएसएलसंयंत ने कच्चे माल और तैयार माल के परिवहन के लिए एक रेलवे साइडिंग और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो स्थापित किया है, जिससे लॉजिस्टिक्सकी लागत में बचत हुई है, और साथ हीउच्च लागत वाले प्रोपेन की जगह सस्ते कोक अवन गैस को अपनाया है। इसके अलावा, जेएसएल के ओड़िशा संयंत्र में 264मेगावॉटनिजी बिजली संयंत्र है जो इसकी बिजली की आवश्यकता के बड़े हिस्से की आपूर्ति करता है।भारत में पाए जाने वाले क्रोमाइट अयस्क भंडार में अकेले 93%हिस्सेदारी ओड़िशा की है जिसका उपयोग निकल के अलावा, क्रोम एसएस बनाने में होता है। इसके अलावा, एनपीआई स्मेल्टर संयंत्र में हिस्सेदारी के अधिग्रहण के साथ, कंपनी अपनी कच्चे माल की जरुरतके लिहाज से खुद को सुरक्षित बनाने की कोशिश कर रहा है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**